भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 14 अक्तूबर 2026 | 28 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 170, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

सूर्योदय 6:23 सूर्यास्त 5:51

आज का तापमान

शिमला	13.0 न्यू	23.8 अधि
धर्मशाला	16.0 न्यू	27.0 अधि

बाजार

सैंसेक्स	73,033.78
निफ्टी	22,721.95
सोना 1,48,000	चांदी 2,20,000

न्यूज शॉर्ट्स

रुपए में अत्यधिक उतार-चढ़ाव रोकने के प्रयास जारी रखेगा आरबीआई : सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि पिछले डेढ़ साल में रुपए के मूल्य में खासी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) घरेलू मुद्रा में अत्यधिक उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के प्रयास जारी रखेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित 'ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम-2026' में एक पैनल चर्चा के दौरान यह बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरबीआई डॉलर के मुकाबले रुपये की किसी खास कीमत को तय या डिफेंड करने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि उसका मुख्य उद्देश्य सिर्फ बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करना है। उन्होंने कहा कि आरबीआई के हाल के उपायों से रुपए को समर्थन मिला है। रुपए के मूल्य में सोमवार को एक फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि शुरुआती कारोबार में मंगलवार को रुपया मजबूत होकर 94.96 रुपए प्रति डॉलर पर पहुंच गया।



दिल्ली में सीजेपी और एनएसयूआई का दोबारा प्रदर्शन, कई हिरासत में

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की आधिकारिक सूची से हटाए जाने के 24 घंटे के भीतर मंगलवार को यहां प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहा। दिल्ली पुलिस के कड़े सुरक्षा घेरे और बैरिकेड्स को चकमा देकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ता जंतर-मंतर और कनॉट प्लेस इलाके में घुस गए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच तीखी नोकझोंक तथा धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने सीजेपी प्रवक्ताओं व एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया।

राहुल के खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले में सुप्रीम रोक

एजेंसी, नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले में सुनवाई की कार्यवाही पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने ये आदेश दिया। राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चोरों के सरदार और कमांडर-इन-थीफ कहा था। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और शिकायतकर्ता एमएच श्रीश्रीमल को नोटिस जारी करते हुए दोनों से 4 सप्ताह में जवाब तलब किया है।

सस्ती दवाओं से डिजिटल तकनीक तक दुनिया को सक्षम बना रहा भारत : मोदी

कहा- दुनिया भारत पर करती है भरोसा, शून्य देने के लिए कभी रॉयल्टी नहीं मांगी



एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर प्रतिभा तक, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसका श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी।

दिल्ली में पहली बार हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में मोदी ने 25 मिनट स्पीच दी। उन्होंने कहा कि भारत की ताकत दूसरों को सक्षम बनाने में है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, वैक्सीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका का जिक्र किया। तीन दिन का यह कार्यक्रम 15 अक्तूबर को खत्म होगा। इस साल फोरम की थीम 'बदलती दुनिया में ताकत के नए स्रोत तय करना' है। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों में वैक्सीन पहुंचाई। भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल पूरी मानवता के फायदे के लिए करना चाहता है।

एआई हर सेक्टर में काम करने के तरीके बदल रहा

पीएम ने कहा दुनिया एक संकट से बाहर निकलने का रास्ता तलाशती है, तभी दूसरा सामने आ जाता है। सप्लाई चेन हो, एनर्जी हो, मिनरल, पेमेंट्स या टेक्नोलॉजी, दबाव-दबदबे का माध्यम बन रहे हैं। इन सबके बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हर सेक्टर में काम करने के तरीके बदल रहा है। दुनिया के सामने बड़ा सवाल भरोसे का है। भरोसा ये कि जरूरत के समय सप्लाई जारी रहेगी। भरोसा ये कि जो वादे किए वो निभाए जाएंगे। संकट के समय पार्टनर कंट्री साथ रहेगी। भारत इसी सोच के साथ सामने है।

◆कहा- भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल पूरी मानवता के फायदे के लिए करना चाहता है

◆दिल्ली में पहली बार ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम, पीएम ने रखे विचार

एक दशक में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला

प्रधानमंत्री ने कहा भारत की स्टार्टअप जर्नी इसी बदलाव का उदाहरण है। 2014 से पहले भारत में 100 स्टार्टअप थे, अब उससे ज्यादा हैं। इसमें से आधे छोटे शहरों में आते हैं। यानी इनोवेशन के अवसर ज्यादा लोगों तक पहुंच रहे हैं। नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। पावर के पर्पज पर जो फोकस है, यही गवर्नेंस में भी जरूरी है। सरकार के पावर अथॉरिटी है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि नागरिक, सरकार पर ही निर्भर हो जाए। इसी पर चलते हुए भारत ने एक दशक में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला।

यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर शुल्क लगाने का फैसला दिवाली तक टला



◆2 हजार से ज्यादा के पेमेंट पर 15 अक्तूबर से लागू होना था; त्योहारी सीजन को देखते हुए लिया फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली। सरकार ने त्योहारी सीजन से पहले देशभर के करोड़ों यूपीआई यूजर्स और दुकानदारों को राहत देने के मकसद से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लेनदेन पर 15 अक्तूबर से लिए जाने वाले एमडीआर शुल्क को लागू करने का फैसला फिलहाल टाल दिया है।

यूपीआई और सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी ने मंगलवार को 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में बताया कि त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए फैसला किया गया है कि कुछ खास पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) 15 अक्तूबर से लागू होने वाले फैसले को फिलहाल टाल दिया गया है और इसे दीपावली के बाद लागू किया जाएगा, जिसकी तारीख अलग से बताई जाएगी। स्टीयरिंग कमेटी ने बताया कि उद्योग जगत, वाणिज्यिक संगठनों, फिनटेक कंपनियों और पेमेंट एग्रीगेटरों के द्वारा नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) और वित्त मंत्रालय के सामने उठाई गई चिंताओं के बाद इस समयसीमा को बढ़ाने का बड़ा फैसला लिया गया है। दशहरा, दिवाली और छठ की बंपर खरीदारी के बीच कारोबारियों और आम जनता को राहत देते हुए इस नियम को दिवाली के बाद तक के लिए टाल दिया गया है।

मुरुगन ने केंद्रीय मंत्री पद और राज्यसभा की सदस्यता छोड़ी



एजेंसी, नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण तथा संसदीय मामलों के राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने अपने मंत्रालय और राज्यसभा की सदस्यता, दोनों से इस्तीफा दे दिया है। एल मुरुगन ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे अपने इस्तीफे में कहा है कि वह तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने के लिए अपना पूरा समय देना चाहते हैं। अपने पत्र में एल. मुरुगन ने लिखा, 'तमिलनाडु की आपकी हालिया यात्रा ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी है। हर जगह मैंने देखा कि लोगों ने कितने प्यार से आपका स्वागत किया और आपकी मौजूदगी से उनमें कितनी उम्मीद जगी। उनका उत्साह उस सुनहरे भविष्य के प्रति उनके गहरे भरोसे को दिखाता है, जिसे बनाने के लिए आप तमिलनाडु में काम कर रहे हैं।

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा हमारा मिशन : राहुल गांधी

◆विपक्ष ने कहा- वोट के साथ धरनास्थल भी चोरी हो रहे, प्रदर्शन रहेगा जारी



एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में राहुल गांधी के आवास पर इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद विपक्षी नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

राहुल गांधी ने कहा देश में लोकतंत्र को बर्बाद किया जा रहा है और यह लड़ाई अलग-अलग नहीं, बल्कि एक ही आंदोलन है। उन्होंने कहा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा हमारा मिशन है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा वोट चोरी के प्लान को उजागर करने के लिए विपक्ष एक साथ है। तेजस्वी यादव, सुप्रिया सुले सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने आरोप लगाया कि वोट के साथ अब धरनास्थल भी छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों के अधिकारों की रक्षा और लोकतंत्र को बचाने के लिए आंदोलन जारी रहेगा। राहुल ने अपने आवास पर विपक्षी नेताओं और छात्र संगठनों को चाय पर चर्चा के लिए बुलाया था। बैठक में ज्ञानेश कुमार और एसआईआर के विरोध में आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई। विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार पर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि वह अपनी लड़ाई जारी रखेगा।

पंजाब में नशा बेचने का विरोध करने पर हत्या

फेसबुक लाइव करते पहुंचा एक्टिविस्ट, केमिस्ट गोली मारकर भागा



एजेंसी, मानसा। पंजाब के मानसा में एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा की मंगलवार (13 अक्तूबर) सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। झोटा सुबह फेसबुक पर लाइव आए और एक मेडिकल स्टोर पर पहुंचे। उनका आरोप था कि केमिस्ट दवा के नाम पर नशा बेच रहा है।

इस पर केमिस्ट अश्विनी से उनकी बहस हुई। इसी दौरान अश्विनी ने उन्हें 3 गोलियां मार दीं। उनके 4 साथियों को भी गोली लगी। जब झोटा को साथी ले जाने लगे तो मेडिकल स्टोर मालिक हाथ में पिस्टल लेकर पीछे दौड़ा। कुछ देर बाद वह मेडिकल स्टोर बंद कर भाग गया। झोटा के कत्ल से उनके समर्थक व परिजन सिविल अस्पताल के बाहर जमा हो गए। उन्होंने मानसा शहर बंद का ऐलान किया और अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। उन्होंने झोटा का शव मांगा, लेकिन पुलिस ने शव नहीं दिया। गुस्से में उन्होंने आरोपी की दुकान तोड़ दी। पुलिस के मुताबिक, साल 2023 में परविंदर झोटा ने नशा बेचने की वजह से इसी दुकानदार के गले में जूतों की माला पहनाकर घुमाया था। इस वजह से दोनों के बीच रंजिश चल रही थी। मानसा के एसएसपी वैभव चौधरी ने कहा कि कातिल की तलाश जारी है। आरोपी के साथी को गिरफ्तार किया है और परिवार को डिटेन किया है। वहीं, सीएम भगवंत मान ने सभी जिलों के डीसी और एसएसपी की हाई लेवल मीटिंग बुलाई। 30 सितंबर, 2026 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जालंधर में रैली के दौरान पंजाब को ड्रग्स से पूरी तरह मुक्त करने के लिए 31 दिसंबर, 2029 की डेडलाइन तय की थी।

दिल्ली से सीधे काजा जाएंगे सीएम सुक्खू, करेंगे उद्घाटन व शिलान्यास



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का काजा दौरा अब सीधे दिल्ली से शुरू होगा। दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बुलावे पर मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री के यात्रा कार्यक्रम में यह बदलाव सामने आया है। मुख्यमंत्री बुधवार, 14 अक्तूबर को लाहौल-स्पीति के काजा पहुंचकर जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ ग्रामीणों से संवाद, बुजुर्गों से मुलाकात और क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा प्रमुख कार्यक्रम रहेंगे।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री सुक्खू मंगलवार दोपहर करीब एक बजे दिल्ली से शिमला लौटे थे। इसी बीच राहुल गांधी का बुलावा आने पर वह दोपहर करीब पौने दो बजे फिर दिल्ली रवाना हो गए। राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन के नेताओं को अपने आवास पर चाय पर आमंत्रित किया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बैठक में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा प्रस्तावित थी। मुख्यमंत्री सोमवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए गए थे और मंगलवार सुबह शिमला लौटे थे। राहुल गांधी से दोबारा मुलाकात के बाद अब वह दिल्ली से सीधे काजा जाएंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को काजा के आइस हॉकी मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे।

उत्तराखंड में एमबीबीएस की सीटें 1700 हुई

धामी सरकार के कार्यकाल में तीन नए राजकीय मेडिकल कॉलेज शुरू

उत्तराखंड के हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री धामी



मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करना सरकार का संकल्प है, ताकि स्थानीय स्तर पर योग्य डॉक्टर तैयार हों और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए प्रदेश से बाहर नहीं जाना पड़े। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के साथ स्वास्थ्य सेवाओं तक आम लोगों की पहुंच बढ़ाने पर भी सरकार का ध्यान है।

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड में मेडिकल शिक्षा का दायरा बढ़ने के साथ एमबीबीएस की सीटें 1700 हो गई हैं। राज्य में पिछले पांच वर्षों के दौरान तीन नए राजकीय मेडिकल कॉलेज शुरू हुए हैं।

रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज को भी जल्द 100 एमबीबीएस सीटों की अनुमति मिलने की उम्मीद है। इन सीटों को मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश के छह राजकीय मेडिकल कॉलेजों में वर्तमान 675 सीटों की संख्या बढ़कर 775 हो जाएगी। निजी मेडिकल कॉलेजों और एम्स ऋषिकेश को मिलाकर राज्य में एमबीबीएस की कुल सीटें 1700 तक पहुंच गई हैं। राज्य की पुष्कर सिंह धामी सरकार हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। सरकार का जोर चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर डॉक्टर तैयार करने पर है। इससे प्रदेश के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चिकित्सकीय मानव संसाधन उपलब्ध कराने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। प्रदेश में वर्तमान में देहरादून, हल्द्वानी, श्रीनगर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ व हरिद्वार में राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। इनमें अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार के मेडिकल कॉलेज पिछले पांच वर्षों में शुरू हुए हैं। रुद्रपुर में भी मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा हो चुका है। यहां 100 एमबीबीएस सीटों की अनुमति मिलने के बाद सरकारी क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा की क्षमता और बढ़ जाएगी। वर्तमान में छह राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 675 सीटें हैं। इनमें देहरादून मेडिकल कॉलेज में 150, हल्द्वानी में 125, श्रीनगर में 150, अल्मोड़ा में 100, हरिद्वार में 100 और पिथौरागढ़ में 50 सीटें शामिल हैं।

जेलेंस्की से ज्यादा पुतिन शांति समझौता चाहते हैं : ट्रंप



एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से ज्यादा शांति समझौता करना चाहते हैं। ट्रंप ने 11 अक्तूबर को रूस-यूक्रेन युद्ध में ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सीजफायर का दावा किया था। इसके दो दिन बाद यूक्रेन ने कहा कि रूस ने उसके 6 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए और 33 लोग घायल हुए और अलग-अलग हमलों में 8 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हुई। ट्रंप ने दावा किया कि इस महीने युद्ध में 32 हजार लोग मारे गए हैं। हालांकि, इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

प्रदूषण पर लगाम : सीएम रेखा ने दिल्ली को सौंपी 150 नई इलेक्ट्रिक बसें, पांच ईवी चार्जिंग स्टेशनों का उद्घाटन



एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने 150 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह कदम दिल्ली में स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने आनंद विहार में प्रदूषण नियंत्रण उपायों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। दिल्ली के पांच अलग-अलग स्थानों पर नए ईवी चार्जिंग स्टेशनों का भी उद्घाटन किया गया। इन स्टेशनों से इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की सुविधा मिलेगी। दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा अब बढ़कर लगभग 6,800 हो गया है। सरकार का लक्ष्य इस बेड़े को 14,000 बसों तक पहुंचना है। यह विस्तार सार्वजनिक परिवहन को और अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाएगा। इस पूरी पहल का मुख्य उद्देश्य वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करना है। दिल्ली में वायु प्रदूषण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। इलेक्ट्रिक बसों का उपयोग इस समस्या से निपटने में सहायक होगा। यह स्वच्छ परिवहन के विकल्पों को प्रोत्साहित करेगा। ईवी चार्जिंग स्टेशनों का उद्घाटन इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। इन पांच नए स्टेशनों से चार्जिंग की सुविधा बढ़ेगी। यह इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करेगा। सरकार पर्यावरण हितैषी परिवहन प्रणाली विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

2017 से पहले जो सत्ता में थे, वही लूट-खसोट करते थे, जो रहनुमा थे वही चोर भी थे : योगी

अब उपद्रव नहीं, उत्सव मनाता है उत्तर प्रदेश



मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की तृतीया तिथि पर मां चंद्रघंटा को नमन करते हुए कहा कि घंटे का नाद भयमुक्त वातावरण पैदा करता है। जगत जननी मां भगवती का यह स्वरूप असुरों, अराजक तत्वों, दंगाइयों व आतंकियों के मन में भय पैदा करने का प्रतीक है। यह गूंज घंटे की भी हो सकती है और हमारी कड़कदार आवाज की भी। वर्ष 2017 से पहले कोई पर्व या त्योहार आने से पहले ही उपद्रव शुरू हो जाता था। लोग उत्सव मनाने के बजाय अशांति की आशंका से चिंतित रहते थे। अब लोग उपद्रव भूल चुके हैं और प्रदेशभर में शारदीय नवरात्रि का आयोजन हर्षोल्लास से हो रहा है। देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है।

एजेंसी, बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश के करीब 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय एक हजार रुपए बढ़ाने की घोषणा की।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार ग्राम प्रहरियों व उनके परिवारों को सालाना पांच लाख रुपए कैशलेस इलाज की सुविधा भी देने जा रही है। मानदेय में एकमुश्त 40 प्रतिशत की वृद्धि से अब उन्हें 2500 के बजाय 3500 रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। इस तरह प्रत्येक ग्राम प्रहरी को सालाना 12 हजार रुपए की अतिरिक्त आय होगी। वर्ष 2017 में ग्राम प्रहरियों को महज 1500 रुपए मानदेय मिलता था, जिसे वर्ष 2019 में बढ़ाकर 2500 रुपए किया गया था, अब जिम्मेदारी के साथ सरकार उनकी सुविधाएं भी बढ़ा रही है। मंगलवार को बरेली पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले जो लोग सत्ता में थे, वही लूट-खसोट भी करते थे। जो रहनुमा थे, वही चोर भी थे, वही डकैती डालते थे या डलवाते थे। तो जनता किससे उम्मीद करती? पुलिस भी मौन रह जाती थी। आज लोग बेखौफ होकर पर्व-त्योहार मनाते हैं। नवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इसका जीवंत उदाहरण है।

प्रदेश की कानून-व्यवस्था के प्रति देश-दुनिया की धारणा बदल चुकी है। बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले या लूट-चेन स्नेचिंग करने वाले अपराधियों का गंभीर परिणाम भुगतना तय है।

अभियान 'संकल्प' सोसायटी की पहली बैठक में निर्देश, हर महीने पेश करनी होगी कामकाज की रिपोर्ट

नशामुक्त हरियाणा के लिए सीएम सैनी का सात संकल्पों पर जोर



◆ड्रग मुक्त थाना क्षेत्र से नशामुक्त स्कूलों तक, सीएम ने बनाई व्यापक रणनीति

◆नशा तस्करों के पूरे नेटवर्क को किया जाएगा चिन्हित, अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा को नशामुक्त बनाने और प्रदेश की युवा शक्ति को नशे के चंगुल से बचाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने व्यापक और समन्वित रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को 'संकल्प' सोसायटी की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने नशे के खिलाफ अभियान को प्रभावी बनाने, प्रभावित लोगों को उपचार एवं पुनर्वास से जोड़ने और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए सात प्रमुख संकल्पों पर काम करने का निर्देश दिया। इनमें ड्रग मुक्त थाना क्षेत्र, तस्कर मुक्त जिला, नशीली गोलियों से मुक्त केमिस्ट दुकानें, नशे के खिलाफ परिवारों का सहयोग, उपचार की सुविधा वाले अस्पताल और जागरूकता व काउंसलिंग की व्यवस्था से युक्त स्कूल शामिल हैं। इसके अलावा युवाओं को खेलकूद और अन्य सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि हरियाणा को नशामुक्त बनाकर युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नशे की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई केवल नशीले पदार्थ बेचने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह भी पता लगाया जाए कि नशीले पदार्थ कहां से पहुंच रहे हैं और इनके पीछे कौन-सा नेटवर्क सक्रिय है। तस्करी के पूरे नेटवर्क की पहचान कर उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 'संकल्प' सोसायटी को हर महीने अपने कामकाज के ठोस परिणाम प्रस्तुत करने होंगे। इसके तहत यह आकलन किया जाएगा कि नशे की उपलब्धता कम करने, प्रभावित युवाओं को उपचार से जोड़ने और उन्हें दोबारा नशे की ओर लौटने से रोकने में कितनी सफलता मिली है।

नशे के खिलाफ जागरूकता के साथ स्थायी समाधान जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मैराथन, साइक्लोथोन और अन्य जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर रही है। हालांकि, अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि नशे की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति तक सहायता पहुंचनी चाहिए। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए उचित मार्गदर्शन, उपचार, पुनर्वास और सकारात्मक अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। इसी उद्देश्य से 'संकल्प' सोसायटी का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा के युवाओं में अपार क्षमता है। उन्हें सही दिशा, अवसर और सहयोग उपलब्ध कराना सरकार के साथ-साथ समाज की भी जिम्मेदारी है। नशे के खिलाफ इस लड़ाई को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक प्रयासों के साथ परिवारों, शिक्षकों, पंचायतों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

राज्यपाल ने 'मुखौटासुर' के मंचन में संस्कृति संरक्षण का दिया संदेश

राज्यपाल ने लोकभाषाओं को सहेजने, प्राकृतिक धरोहर बचाने और युवाओं को नशे से दूर रखने का किया आह्वान

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय बोलियों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है। वह शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में आयोजित दो दिवसीय नाट्य महोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से अपने घरों में स्थानीय बोलियों का प्रयोग करने और युवा पीढ़ी को प्रदेश की सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने की अपील की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के साथ युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने पर भी जोर दिया।



राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर नाट्य महोत्सव का किया शुभारंभ

महोत्सव के दौरान प्रसिद्ध लेखक एसआर हरनोट के उपन्यास 'हिडिंब' पर आधारित नाटक 'मुखौटासुर' का मंचन किया गया। रोहड़ू के चंद्रनाहन रंगमंच के कलाकारों ने इस नाटक की प्रस्तुति दी। नाटक में हिमालयी समाज की चुनौतियों, पर्यावरण के क्षरण, लोकसंस्कृति के संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते व्यावसायिक दबाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उठाया गया। राज्यपाल ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस नाटक की प्रस्तुति के लिए कलाकारों और निर्देशक कृष भारती की सराहना की।

राज्यपाल ने कहा कि 'मुखौटासुर' केवल माता हिडिंबा की कथा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हिमालयी समाज के सामने खड़ी विभिन्न चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकर्षित करता है। इसमें पर्यावरण को हो रहे नुकसान, सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव और युवाओं में बढ़ती नशे की समस्या को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समाज को महत्वपूर्ण मुद्दों पर सोचने और अपनी जिम्मेदारियों को समझने का अवसर देती हैं।

उन्होंने नाटक में हिमाचल प्रदेश के लोकगीतों, स्थानीय बोलियों और पारंपरिक संस्कृति के समावेश की विशेष रूप से प्रशंसा की। राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल को केवल पर्यटन स्थल के रूप में देखना उचित नहीं है। यहां के जंगल, पहाड़, नदियां, लोकपरंपराएं, त्योहार और पारंपरिक वाद्ययंत्र प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। इनका संरक्षण करना वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के प्रति भी हमारी जिम्मेदारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विकास के साथ सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करना भी जरूरी है। उन्होंने मिशन लाइफ और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जंगलों, नदियों और पहाड़ों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

राज्यपाल ने लोक भवन में हवन कर मांगी प्रदेश की खुशहाली

नवरात्रि पर प्रदेश की समृद्धि और युवा संस्कारों का संकल्प

शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने शारदीय नवरात्रि के तीसरे दिन लोक भवन में हवन-यज्ञ कर हिमाचल प्रदेश की शांति, सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरंतर प्रगति की कामना की। इस धार्मिक अनुष्ठान में लोक भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भाग लिया।



नवरात्र पर राज्यपाल ने श्रद्धालुओं को कराया भोजन

राज्यपाल ने सभी के साथ यज्ञ में पूर्णाहुति अर्पित की और प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना और शक्ति, साहस तथा आस्था का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मां दुर्गा का आशीर्वाद सभी श्रद्धालुओं के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आएगा। उन्होंने हिमाचल प्रदेश को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित रखने और प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना भी की। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश अनेक प्रसिद्ध और पूजनीय शक्तिपीठों की पावन भूमि है। यहां की धार्मिक परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत लोगों को आस्था, सेवा और सद्भाव का संदेश देती हैं।

केंद्र की परियोजनाओं पर रणधीर शर्मा ने सुक्खू सरकार को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं विधायक रणधीर शर्मा ने कांग्रेस सरकार पर विकास परियोजनाओं की गति धीमी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में केंद्र और राज्य के समन्वय से हिमाचल में सड़क, रेल, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया, जबकि वर्तमान सरकार में अनेक कार्य प्रशासनिक देरी और वित्तीय प्रबंधन की समस्याओं से प्रभावित हो रहे हैं। रणधीर शर्मा ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के बयान पर स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल और उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान की प्रतिक्रिया को लेकर कहा कि कांग्रेस मंत्रियों को राजनीतिक बयानबाजी के बजाय तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए। उनके अनुसार, हिमाचल में केंद्र से जुड़ी परियोजनाओं और सहायता प्रावधानों का कुल मूल्य 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें राष्ट्रीय राजमार्गों पर 55,103 करोड़, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 13,697 करोड़ और भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी रेल परियोजना में 13,410 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में लगभग 360 करोड़ रुपये की पीएम-अभीम परियोजनाओं और ऊना बल्क ड्रग पार्क के लिए स्वीकृत 1,000 करोड़ रुपये के केंद्रीय अनुदान का उल्लेख करते हुए इनके क्रियान्वयन पर सवाल उठाए। शर्मा ने कहा कि समीक्षा में नौ स्वीकृत क्रिटिकल केयर ब्लॉकों में से एक के पूरा होने और 12 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं में से किसी के भी पूरा नहीं होने की जानकारी सामने आई थी। उन्होंने बल्क ड्रग पार्क के लिए जारी 225 करोड़ रुपये में से लगभग 117 करोड़ रुपये के उपयोग और चंडीगढ़-बद्दी रेल परियोजना में राज्य की करीब 231 करोड़ रुपये की लंबित हिस्सेदारी पर भी सरकार से जवाब मांगा। रणधीर शर्मा ने मांग की कि राज्य सरकार परियोजनावार स्वीकृत राशि, वास्तविक प्राप्ति, खर्च और लंबित कार्यों का विवरण सार्वजनिक करे।

मशोबरा स्कूल में विद्यार्थियों ने सीखे आपदा से बचाव के व्यावहारिक तरीके

भारतेन्दु संवाददाता, मशोबरा। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मशोबरा में माय भारत, शिमला के तत्वावधान में विश्व आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन, सुरक्षा उपायों और आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक आपदाओं के जोखिमों के प्रति जागरूक करना और संकट के समय सुरक्षित रहने के लिए तैयार करना रहा।



विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनाक्षी सूद ने विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन के तकनीकी पहलुओं से अवगत करवाया। उन्होंने सतर्कता, सावधानी और समय पर उचित कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में जागरूकता और सही निर्णय से नुकसान को कम किया जा सकता है।

विद्यालय के इतिहास प्रवक्ता रमन कुमार ने भूकंप, भूस्खलन, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए पूर्व तैयारी, जागरूकता और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

कार्यक्रम के दौरान माय भारत, शिमला के विपिन कुमार और तरुण शर्मा तथा हिमाचल प्रदेश होमगार्ड के मनोज कुमार और रमेश ठाकुर ने विद्यार्थियों को बचाव तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। मॉक ड्रिल के माध्यम से उन्हें आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित रहने, बचाव कार्यों में सावधानी बरतने और जरूरत पड़ने पर दूसरों की सहायता करने के तरीके समझाए गए।

शिमला में दुर्घटना संभावित स्थलों पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग

संयुक्त सामाजिक संगठनों ने एडीएम को ज्ञापन सौंपकर संवेदनशील सड़क जंक्शनों पर सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने का किया आग्रह

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं गैर-सरकारी संगठनों ने जिला प्रशासन से प्रमुख दुर्घटना संभावित स्थलों पर प्रभावी सुरक्षा उपाय करने की मांग उठाई है। इस संबंध में संयुक्त रूप से अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (कानून एवं व्यवस्था), शिमला को ज्ञापन सौंपकर संवेदनशील सड़क जंक्शनों पर गति नियंत्रित करने और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध करने का आग्रह किया गया।



103 टनल और लालपानी चौक पर हादसों का खतरा घटाने के लिए विभागों से समन्वय का आह्वान

ज्ञापन में 103 टनल के समीप नाभा-टुटीकंडी सड़क जंक्शन और लालपानी चौक को विशेष रूप से संवेदनशील बताते हुए यहां प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की गई। सामाजिक कार्यकर्ता एवं भाजपा कार्यकर्ता गौरव शर्मा ने कहा कि शिमला पहाड़ी और घनी आबादी वाला शहर है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन सड़कों पर चलते हैं। कई संपर्क मार्ग मुख्य सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ते हैं। ऐसे स्थानों पर वाहनों की तेज रफ्तार से राहगीरों, स्थानीय निवासियों, वरिष्ठ नागरिकों और स्कूली बच्चों के लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

उन्होंने कहा कि 103 टनल के पास नाभा और टुटीकंडी को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग मुख्य सड़क से मिलते हैं। इस क्षेत्र से स्कूली बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन गुजरते हैं। मुख्य सड़क पर तेज गति से आने वाले वाहनों और संपर्क मार्गों से मुख्य सड़क पर प्रवेश करने वाले वाहनों के बीच टकराव की आशंका बनी रहती है। ऐसे में यहां तकनीकी मानकों के अनुरूप स्पीड ब्रेकर लगाने के साथ चेतावनी संकेतक, गति सीमा दर्शाने वाले बोर्ड और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित सड़क पार करने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

गौरव शर्मा ने लालपानी चौक की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि रामनगर और फागली की ओर से आने वाले संपर्क मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ते हैं। इस कारण यहां यातायात का दबाव और वाहनों की आवाजाही सड़क सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि संबंधित विभाग इस क्षेत्र का तकनीकी निरीक्षण कराकर परिस्थितियों के अनुसार गति नियंत्रण और यातायात प्रबंधन के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करें।

संयुक्त ज्ञापन में मांग की गई कि लोक निर्माण विभाग, यातायात पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित अधिकारियों की एक संयुक्त टीम गठित की जाए। यह टीम दोनों स्थलों का निरीक्षण कर दुर्घटना की आशंका वाले बिंदुओं की पहचान करे। जहां तकनीकी मानकों के अनुसार आवश्यक और अनुमत हो, वहां स्पीड ब्रेकर अथवा अन्य उपयुक्त यातायात नियंत्रक उपाय स्थापित किए जाएं।

इसके अतिरिक्त 103 टनल के पास स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, सड़क पर पैदल यात्री क्रॉसिंग चिह्नित करने और चेतावनी संकेतक लगाने की मांग भी की गई। विद्यालयों के खुलने और छुट्टी होने के समय यातायात पुलिस की निगरानी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। संगठनों ने कहा कि केवल इन दो स्थानों तक सीमित रहने के बजाय शहर के अन्य दुर्घटना संभावित स्थलों की भी पहचान की जानी चाहिए, ताकि वहां समय रहते सुरक्षा उपाय लागू किए जा सकें।

उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने ओएसडी की माता के निधन पर जताया शोक

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने अपने ओएसडी विक्रांत सिंह ठाकुर की माता आशा रानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्वर्गधाम ऊना में आयोजित अंतिम संस्कार में शामिल होकर दिवंगत आशा रानी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।



आशा रानी का 75 वर्ष की आयु में लंबे समय से बीमार रहने के बाद 11 अक्तूबर को निधन हो गया था। उनके निधन से परिवार और परिचितों में शोक की लहर है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणजीत राणा, हरोली ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संदीप अग्निहोत्री, ग्राम पंचायत कांगड़ के प्रधान विनोद कुमार बिट्टू और ऊना के उपायुक्त जतिन लाल सहित अनेक राजनीतिक एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सभी ने दिवंगत आशा रानी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उपस्थित लोगों ने परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल बनाए रखने की कामना की। उप मुख्यमंत्री ने भी दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों के लिए इस दुख को सहन करने की शक्ति की प्रार्थना की।

ठियोग महाविद्यालय में एआई और भाषा कौशल पर प्रतिभाओं ने दिखाई रचनात्मकता

भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग। राजकीय महाविद्यालय ठियोग के अंग्रेजी विभाग की ओर से 'भाषा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और संचार कौशल' विषय पर छह से 12 अक्टूबर तक सप्ताहभर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य समारोह 12 अक्टूबर को आयोजित हुआ, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी, भाषण और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताएं करवाई गईं। इसके अलावा विद्यार्थियों ने पावरपॉइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रभावी संचार कौशल के महत्व तथा भाषा और संवाद के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा के प्रभावी प्रयोग, अभिव्यक्ति की क्षमता और आधुनिक तकनीक की भूमिका से परिचित करवाना रहा।

भाषण प्रतियोगिता में बीए की छात्रा श्रुति ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि बीए तृतीय वर्ष की रिमझिम दूसरे स्थान पर रहीं। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की कशिश आजाद ने प्रथम और बीए की वंशिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।



आधुनिक तकनीक और भाषा के तालमेल से विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति निखारने पर दिया गया जोर

अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पूनम वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के संचार कौशल को निखारना और भाषा तथा संवाद पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीकी दौर में विद्यार्थियों के लिए भाषा का सही और प्रभावी उपयोग करना जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक एआई के प्रति आलोचनात्मक और जागरूक दृष्टिकोण विकसित करना भी है। तकनीक का इस्तेमाल करते समय उसके लाभों के साथ संभावित चुनौतियों को समझना महत्वपूर्ण है।

तीन नवंबर को शिमला में लगेगी पासपोर्ट अदालत सुलझेंगे लंबित मामले

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय शिमला की ओर से तीन नवंबर 2026 को पासपोर्ट अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह अदालत रेलवे बोर्ड बिल्डिंग, द मॉल, शिमला स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में सुबह 9:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक लगेगी। इसका उद्देश्य उन आवेदकों की समस्याओं का समाधान करना है, जिन्होंने पासपोर्ट सेवाओं के लिए आवेदन किया है, लेकिन किसी आपत्ति या अन्य कारण से उन्हें पासपोर्ट जारी नहीं हो पाया है। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अनुसार, ऐसे आवेदक आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हो सकते हैं। इसके लिए पूर्व नियुक्ति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। आवेदकों की समस्याओं का उसी दिन समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जिन आवेदकों की फाइलें पासपोर्ट सेवा केंद्र, शिमला में आगे की दस्तावेजी प्रक्रिया के लिए रोकी गई हैं, वे भी जरूरी दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि और समय पर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय पहुंच सकते हैं। कार्यालय ने यह भी सूचित किया है कि 31 मार्च 2026 तक प्राप्त आवेदनों से संबंधित आवेदक आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित हों। ऐसा नहीं करने पर संबंधित आवेदनों की फाइलें बंद कर दी जाएंगी।

विनय कुमार ने चुनाव आयोग विरोधी प्रदर्शन को बताया ऐतिहासिक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग के खिलाफ इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की मिलीभगत से देश के संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर किया है। विनय कुमार ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में मुख्य चुनाव आयुक्त को अपने पद से हटना चाहिए।

विनय कुमार ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लेकर अपनी एकजुटता और प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। उन्होंने दावा किया कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा की कथित वोट चोरी की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। उनके अनुसार, प्रदेश में कांग्रेस मजबूत स्थिति में है और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी जीत दर्ज करेगी।

नई दिल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बड़ी संख्या में प्रदर्शन में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह और जोश आगे भी इसी तरह बना रहना चाहिए। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से प्रदेश में भाजपा के खिलाफ जनसंपर्क अभियान तेज करने



कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार

तथा पार्टी पर लगाए जा रहे आरोपों और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

विनय कुमार ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कथित वोट चोरी के मुद्दे पर लोगों को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने सभी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से राहुल गांधी के नेतृत्व को मजबूत करने तथा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। कांग्रेस इस मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। विनय कुमार ने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटने और संगठन को मजबूत करने का भी आह्वान किया।

राज्यपाल ने पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना के निधन पर जताया शोक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने लाहौल-स्पीति की उपायुक्त किरण भड़ाना के पिता एवं पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त कीं। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने उपायुक्त किरण भड़ाना से दूरभाष पर बातचीत कर उनके पिता के निधन पर दुख जताया। उन्होंने इस कठिन समय में परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि किसी प्रियजन को खोने का दुख अत्यंत पीड़ादायक होता है। ऐसे समय में परिवार को धैर्य और संबल की आवश्यकता होती है। राज्यपाल ने परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। साथ ही उन्होंने शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की कामना की। अतर सिंह भड़ाना के निधन से परिवार और परिचितों में शोक की भावना है। राज्यपाल ने इस दुख की घड़ी में परिवार के प्रति अपनी संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

ठियोग नवोदय विद्यालय की सुविधाएं सुधारने के निर्देश, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, ठियोग में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुरक्षित आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संपर्क सड़क की मरम्मत, विद्युत व्यवस्था, छात्रावासों की कमियों, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाओं और विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े विषयों की समीक्षा की गई।



उपायुक्त अनुपम कश्यप ने अधिकारियों संग विकास कार्यों की समीक्षा की

उपायुक्त ने कहा कि नवोदय विद्यालय विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने के अवसर प्रदान करते हैं। इसलिए यहां शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विचार और समस्याएं शिक्षकों व विद्यालय प्रबंधन के सामने खुलकर रखने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। साथ ही बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए।

बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग-5 से विद्यालय को जोड़ने वाली संपर्क सड़क की खराब स्थिति का मुद्दा उठा। उपायुक्त ने संबंधित विभाग को सड़क मरम्मत का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। विद्यालय की विद्युत व्यवस्था मजबूत करने के लिए 250 केवीए ट्रांसफार्मर और विद्युत लाइनों में इंसुलेटेड केबल लगाने पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त 16 नवनिर्मित कर्मचारी आवासों की कमियां दूर करने तथा छात्रावासों में सीवरेज, जल निकासी और अन्य सुविधाओं में सुधार करने पर बल दिया गया। करीब 560 विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर, नि:शुल्क दवाइयों, कचरे के उचित निस्तारण और आवारा कुत्तों से बचाव के उपायों पर भी चर्चा की गई।

जवाबदेही आपदा राहत राशि पर श्वेतपत्र जारी करने और आरडीजी बहाली की पैरवी करने की उठाई मांग

वोट चोरी आंदोलन पर केवल सिंह पठानिया ने केंद्र सरकार को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में देश की जनता वोट चोरी, महंगाई, बेरोजगारी और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने जैसे मुद्दों पर आवाज उठा रही है। नई दिल्ली में वोट चोरी के मुद्दे पर आयोजित आंदोलन में उमड़ी भीड़ को उन्होंने जनसमर्थन का प्रतीक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है और देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति पैदा की जा रही है।

हिमाचल के वित्तीय हितों और आपदा राहत को लेकर केंद्र से जवाब मांगेंगे पठानिया

पठानिया ने कहा कि राहुल गांधी लंबे समय से मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठा रहे हैं। उनके अनुसार, राहुल गांधी करीब साढ़े 13 करोड़ वोटों की कथित चोरी का हिसाब मांग रहे हैं और इस संबंध में आवाज उठाने पर उनके खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नेताओं ने इन मामलों में हस्तक्षेप के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है।

सांसद अनुराग ठाकुर के हिमाचल भवन को राजनीतिक अखाड़ा बनाने संबंधी आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए पठानिया ने कहा कि आंदोलन के लिए मंडी हाउस जैसे स्थानों पर अनुमति केंद्र सरकार ने ही दी थी। उन्होंने अनुराग ठाकुर पर मुद्दे से ध्यान भटकाने और भ्रामक बयानबाजी करने का आरोप लगाया।

प्रदेश को केंद्र से मिल रही वित्तीय सहायता पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के बयान का खंडन करते हुए पठानिया ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए हिमाचल सरकार ने केंद्र के समक्ष जो मांगें रखी थीं, वे अब तक पूरी नहीं हुई हैं। उन्होंने केंद्र से मिली वित्तीय सहायता और उसके उपयोग का विवरण सार्वजनिक करने के लिए श्वेतपत्र जारी करने की मांग की।

पठानिया ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हिमाचल के हितों की रक्षा के लिए काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि संबंधित समझौते के तहत राज्य को बिना अतिरिक्त वित्तीय बोझ के हर साल अनुमानित 1,200 से 1,500 करोड़ रुपये का लाभ और लगभग 1,000 मिलियन यूनिट बिजली मिलने की संभावना है। उन्होंने वाइल्ड फ्लावर हॉल और कड़छम-वांगतू जलविद्युत परियोजना का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को हिमाचल के हितों की पैरवी करते हुए राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) की बहाली के लिए प्रयास करने चाहिए। पठानिया ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति के लिए पूर्व भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि वर्तमान सरकार संसाधनों में वृद्धि तथा सभी वर्गों के विकास के लिए प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि हिमाचल आत्मनिर्भर राज्य के रूप में आगे बढ़ेगा।

हिमाचल के हितों की पैरवी

पठानिया ने कहा कि लोकतंत्र में जनता के मताधिकार और उसकी आवाज का सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं से जुड़े सवालों का जवाब देने के बजाय केंद्र सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उनके अनुसार, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों को तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए मतदाताओं का भरोसा कायम रहना जरूरी है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के वित्तीय अधिकारों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि राज्य को प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान की भरपाई के लिए पर्याप्त सहायता मिलनी चाहिए।

हरिद्वार में कुंभ की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर मेला प्रशासन ने प्रमुख मार्गों, प्रवेश द्वारों और चौराहों के सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया तेज कर दी है। मंगलवार को मेलाधिकारी सोनिका ने बैरागी कैंप से शंकराचार्य चौक तक विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाने और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बैरागी कैंप प्रवेश द्वार, आईरिस पुल और फ्लाईओवर के नीचे के क्षेत्रों में जमा मलबा हटाने, नियमित साफ-सफाई कराने तथा सौंदर्यीकरण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया। मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही को देखते हुए प्रमुख मार्गों और पुलों के आसपास आवागमन सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखना जरूरी है। शंकराचार्य चौक पर उन्होंने सौंदर्यीकरण और मुखौटा संबंधी कार्यों की समीक्षा की। साथ ही डाम कोठी मार्ग के चौड़ीकरण की प्रगति भी परखी। सड़क किनारे लगे विद्युत और अन्य खंभों को यातायात में बाधा बनने से रोकने के लिए उचित स्थानों पर स्थापित करने के निर्देश दिए।

प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही धामी सरकार

उत्तराखंड में बढ़ा मेडिकल शिक्षा का दायरा

- **धामी सरकार के कार्यकाल में तीन नए राजकीय मेडिकल कॉलेज शुरू, रुद्रपुर को 100 सीटों की मंजूरी मिलने की उम्मीद**
- **सरकारी, निजी और एम्स ऋषिकेश को मिलाकर उत्तराखंड में एमबीबीएस की 1700 सीटें**

अनिल थपलियाल



देहरादून। उत्तराखंड में मेडिकल शिक्षा का दायरा बढने के साथ एमबीबीएस की सीटें 1700 हो गई हैं। राज्य में पिछले पांच वर्षों के दौरान तीन नए राजकीय मेडिकल कॉलेज शुरू हुए हैं।

रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज को भी जल्द 100 एमबीबीएस सीटों की अनुमति मिलने की उम्मीद है। इन सीटों को मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश के छह राजकीय मेडिकल कॉलेजों में वर्तमान 675 सीटों की संख्या बढ़कर 775 हो जाएगी। निजी मेडिकल कॉलेजों और एम्स ऋषिकेश को मिलाकर राज्य में एमबीबीएस की कुल सीटें 1700 तक पहुंच गई हैं।

राज्य की पुष्कर सिंह धामी सरकार हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। सरकार का जोर चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर डॉक्टर तैयार करने पर है। इससे प्रदेश के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चिकित्सकीय मानव संसाधन उपलब्ध कराने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश में वर्तमान में देहरादून, हल्द्वानी, श्रीनगर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार में राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। इनमें अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार के मेडिकल कॉलेज पिछले पांच वर्षों में शुरू हुए हैं। रुद्रपुर में भी मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा हो चुका है। यहां 100 एमबीबीएस सीटों की अनुमति मिलने के बाद सरकारी क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा की क्षमता और बढ़ जाएगी। वर्तमान में छह राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 675 सीटें हैं।

मेडिकल शिक्षा को मिलेगा विस्तार

इसके अतिरिक्त प्रदेश के चार निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 900 सीटें हैं। इनमें हिमालयन इंस्टीट्यूट जौलीग्रांट में 250, एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज देहरादून में 250, गौतम बुद्ध मेडिकल कॉलेज देहरादून में 150 और ग्राफिक एरा इंस्टीट्यूट देहरादून में 250 सीटें हैं। एम्स ऋषिकेश में भी 125 एमबीबीएस सीटें हैं। इस तरह सरकारी, निजी और केंद्रीय संस्थान को मिलाकर प्रदेश में एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या 1700 है। रुद्रपुर की प्रस्तावित सीटों की मंजूरी के बाद यह संख्या बढ़कर 1800 हो जाएगी। चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. आशुतोष सयाना के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सोच के अनुरूप उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रदेश डॉक्टरों और नर्सों सहित चिकित्सा क्षेत्र के मानव संसाधन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में पहुंच सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है।

राहुल गांधी की टिप्पणी देवभूमि के गौरव का अपमान : महाराज

अनिल थपलियाल



- **डोभाल पर टिप्पणी को लेकर सतपाल महाराज ने कांग्रेस को घेरा**

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डोभाल पर कथित अमर्यादित टिप्पणी केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि उत्तराखंड के गौरव, स्वाभिमान और जनभावनाओं को आहत करने वाला कृत्य है।

महाराज ने कहा कि अजीत डोभाल ने अपना पूरा जीवन देश की सुरक्षा, संप्रभुता और एकता की रक्षा के लिए समर्पित किया है। उनकी पहचान किसी राजनीतिक पद से नहीं, बल्कि दशकों की राष्ट्रसेवा, अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा से बनी है। ऐसे राष्ट्रसेवक के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग कांग्रेस की राजनीतिक मर्यादा पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सवाल उठाना अलग बात है, लेकिन किसी राष्ट्रसेवक के प्रति अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल उचित नहीं है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की वीरभूमि में जन्मे अजीत डोभाल पूरे देश और पहाड़ के गौरव के प्रतीक हैं। उनका जीवन राष्ट्र रक्षा के लिए समर्पित रहा है और वे प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

देवभूमि के गौरव पर टिप्पणी से नाराज महाराज

महाराज ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष से इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी की टिप्पणी पार्टी का आधिकारिक पक्ष है और क्या कांग्रेस नेतृत्व इसका समर्थन करता है। महाराज ने वर्ष 2017 में तत्कालीन सेना प्रमुख और उत्तराखंड के वीर सपूत स्वर्गीय जनरल बिपिन रावत के लिए कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता द्वारा कथित तौर पर 'सड़क का गुंडा' शब्दों के इस्तेमाल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनरल बिपिन रावत और अजीत डोभाल दोनों उत्तराखंड की धरती के गौरव हैं। एक ने भारतीय सेना का नेतृत्व किया, जबकि दूसरे ने राष्ट्रीय सुरक्षा में दशकों तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

न्यूज ब्रीफ

टिहरी में सड़कों को गड्ढामुक्त करने का अभियान तेज



स्थलीय निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी।

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में टिहरी जिले में सड़कों को गड्ढामुक्त करने का अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने नरेंद्रनगर क्षेत्र के नरेंद्रनगर-गुजराड़ा मोटर मार्ग और नरेंद्रनगर बाजार स्थित सड़क का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग नरेंद्रनगर की ओर से कराए जा रहे मरम्मत कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था को सड़क के गड्ढों को निर्धारित मानकों के अनुरूप भरने और मरम्मत कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति के अनुसार उचित प्रक्रिया अपनाई जाए, ताकि मरम्मत टिकाऊ रहे और दोबारा गड्ढे बनने की आशंका कम हो। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, कार्यस्थल पर सड़क सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम बनाए रखने और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने को भी कहा। अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र की सड़कों का नियमित निरीक्षण कर गड्ढों को चिह्नित किया जाए और प्राथमिकता के आधार पर उनकी मरम्मत कराई जाए।

बिसेन के अनुभव से उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयां छुएगा : महाराज

अनिल थपलियाल

- **डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड के राज्यपाल नियुक्त होने पर महाराज ने दी शुभकामनाएं**

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का नया राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा डॉ. बिसेन को उत्तराखंड जैसे महत्वपूर्ण राज्य की जिम्मेदारी सौंपना हर्ष का विषय है।



कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज

महाराज ने कहा कि डॉ. बिसेन अनुभवी जननेता, वरिष्ठ चिकित्सक और कुशल प्रशासक हैं। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के किसान परिवार से आने वाले डॉ. बिसेन चार बार विधायक, प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री, वित्त आयोग के अध्यक्ष और बालाघाट से लोकसभा सांसद के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद और होम्योपैथी चिकित्सा में विशेषज्ञता के साथ डॉ. बिसेन का लंबा जनसेवा अनुभव उत्तराखंड के विकास में सहायक सिद्ध होगा। महाराज ने विश्वास जताया कि उनके संवैधानिक नेतृत्व, मार्गदर्शन और अनुभव से प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने नवनियुक्त राज्यपाल के स्वस्थ, सफल और यशस्वी कार्यकाल के लिए ईश्वर से कामना भी की।

ऑपरेशन कालनेमि का असर : देहरादून पुलिस की सक्रियता से वशीकरण और ठगी के मामलों में मिली सफलता!

एसएसपी दून की सटीक रणनीति से पश्चिमी उ. प्र. के शातिर ठग गिरोह का दून पुलिस ने किया पर्दाफाश

विकास बलूनी



गिरफ्तार आरोपित पुलिस टीम के साथ।

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर आपराधिक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों और तंत्र-मंत्र के नाम पर ठगी करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पटेलनगर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग नामों के आठ आधार कार्ड, 10 एटीएम कार्ड, तीन बैंक पासबुक, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र, दो भरे हुए चेक, एक जिओ सिम कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, 12 अक्टूबर 2026 की रात प्रभारी निरीक्षक पटेलनगर को सूचना मिली कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दो व्यक्ति चमन विहार फेज-1 स्थित आशियाना होम्स में किराये पर रहकर वशीकरण का ढोंग करके लोगों से ठगी कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी कर सलमान (24), निवासी शामली, उत्तर प्रदेश और शाहरूख (26), निवासी मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश को हिरासत में लिया। पूछताछ में संतोषजनक जवाब न मिलने और दस्तावेजों के संबंध में जानकारी मिलने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके विरुद्ध कोतवाली पटेलनगर में मुकदमा संख्या 753/26 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है।



एसएसपी दून

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे स्वयं को तांत्रिक, ज्योतिषाचार्य, शास्त्री और वशीकरण विशेषज्ञ बताकर सोशल मीडिया पर विज्ञापन प्रसारित करते थे। इसके माध्यम से लोगों को पारिवारिक और अन्य समस्याएं तंत्र-मंत्र से दूर करने का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठते थे। आरोपियों ने अपने तथा दो अन्य व्यक्तियों दिलनवाज और मौहम्मद भूरा के नाम से कथित फर्जी दस्तावेज तैयार कराए थे। इन दस्तावेजों के आधार पर अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाए गए थे, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए किया जाना था।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में अब तक 100 से अधिक लोगों के साथ ठगी किए जाने की जानकारी सामने आई है। आरोपियों के निजी और कथित फर्जी बैंक खातों में हुए लेनदेन की भी जांच की जा रही है।

भविष्य के स्वास्थ्य तंत्र के लिए शोध और अंतरविषयी सहयोग जरूरी : यूपीईएस

स्वास्थ्य अनुसंधान से नवाचार तक, यूपीईएस में तीन दिन चला विशेषज्ञों का मंथन

अनिल थपलियाल



सम्मेलन के दौरान शोधकर्ता।

देहरादून। यूपीईएस के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय वर्ल्ड कांग्रेस ऑन हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (डब्ल्यूसीएचएसटी) 2026 का समापन हुआ। इसमें 500 से अधिक शोधकर्ताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, विद्यार्थियों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कांग्रेस में स्वास्थ्य विज्ञान, जीवन विज्ञान, तकनीक और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार पर चर्चा की गई।

कांग्रेस की थीम 'शोध और नवाचार के माध्यम से स्वास्थ्य में बदलाव' रही। विशेषज्ञों ने कृत्रिम मेधा (एआई), वैक्सीन, पोषण सुरक्षा, अंतरिक्ष तकनीक और दवा विकास जैसे विषयों पर विचार साझा किए। साथ ही वैज्ञानिक खोजों को व्यावहारिक स्वास्थ्य समाधानों में बदलने और चिकित्सा सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी तथा टिकाऊ बनाने पर जोर दिया गया।

यूपीईएस की डीन डॉ. पद्मा वेंकट ने कहा कि शोधकर्ताओं की नई पीढ़ी तैयार करने और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है। वहीं, कुलपति डॉ. सुनील राय ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान और उभरती तकनीकों के समन्वय से स्वास्थ्य क्षेत्र की वास्तविक चुनौतियों का समाधान संभव है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के शोध और नवाचारों को भी मंच मिला।

मुनिकीरेती गंगा नदी में रिवर राफ्टिंग कोर्स का प्रशिक्षण शुरू

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी। भारतीय स्कीइंग एवं पर्वतारोहण संस्थान (आईआईएसएम) गुलमर्ग की पहल पर मुनिकीरेती में रिवर राफ्टिंग कोर्स का संचालन शुरू किया गया है। विभिन्न राज्यों से आए 27 प्रतिभागियों को संस्थान के विशेषज्ञ प्रशिक्षित करेंगे। मंगलवार को मुनिकीरेती गंगा नदी क्षेत्र कौडियाला में उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक, महाराष्ट्र के 30 अभ्यर्थियों ने रिवर राफ्टिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन किया। जिसमें से 27 प्रतिभागियों ने संस्थान में रिपोर्ट कर ली हैं कुल 6 महिला और 21 पुरुष प्रतिभागी इसमें शामिल हैं। प्रथम कोर्स बेसिक रिवर राफ्टिंग कोर्स होगा। जबकि द्वितीय कोर्स बेसिक एवं एडवांस रिवर राफ्टिंग कोर्स के रूप में संचालित किया जाएगा।

देहरादून में बढ़ता नशे का कारोबार: क्या उत्तराखंड 'उड़ता पंजाब' की राह पर?

कॉलेजों की ब्रांडिंग बड़ी लेकिन युवाओं को नशे से बचाने की जिम्मेदारी किसकी?

विकास बलूनी



एआई निर्मित चित्र।

- **क्या विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है?**

देहरादून के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को भी आत्ममंथन करना चाहिए। क्या विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है? क्या छात्रावासों में शिकायतों पर कार्रवाई और मानसिक दबाव से जूझ रहे युवाओं के लिए काउंसलिंग की व्यवस्था है? शिक्षा का अर्थ केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सुरक्षित और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है।

इस दिशा में पुलिस, प्रशासन, शिक्षण संस्थानों, अभिभावकों और समाज को मिलकर काम करना होगा। तस्करी के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई के साथ जागरूकता, परामर्श, उपचार और पुनर्वास की सुविधाएं मजबूत करनी होंगी। देवभूमि उत्तराखंड की पहचान उसकी संस्कृति, शिक्षा और आध्यात्मिक परंपरा से है। इस पहचान को सुरक्षित रखना साझा जिम्मेदारी है। देहरादून को शिक्षा का केंद्र बनाए रखने के लिए जरूरी है कि युवाओं को नशे से दूर रखने वाली व्यवस्था मजबूत की जाए।

पर्यटन के मानचित्र पर चमकेगा ताराकुंड

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी। जनपद के पौराणिक एवं धार्मिक स्थल ताराकुंड को पर्यटन और तीर्थाटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयास तेज किए जा रहे हैं। मंगलवार को कैबिनेट मंत्री एवं श्रीनगर विधायक डॉ. धन सिंह रावत, संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात और सैकड़ों ग्रामीण पदयात्रा कर ताराकुंड पहुंचे। यहां उन्होंने मां तारा की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। आचार्य डॉ. शिव चरण नौडियाल ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। मंदिर परिसर में आयोजित खुली चर्चा के दौरान ग्रामीणों ने ताराकुंड के विकास से जुड़े सुझाव रखे। उन्होंने सड़क संपर्क बेहतर बनाने, झील का सौंदर्यीकरण करने, विश्राम गृह और ध्यान केंद्र बनाने तथा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने की मांग उठाई। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि ताराकुंड को पर्यटन एवं तीर्थाटन सर्किट से जोड़कर धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी।

परेशानी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एमडीडीए ने शहरभर में शुरू किया सर्वे

मसूरी में 200 से अधिक होटल-रेस्तरां पर कार्रवाई की आहट

भारतेंदु संवाददाता, सुनील सोनकर

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में आवासीय भवनों को होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तब्दील करने का मामला जांच के दायरे में आ गया है। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने सोमवार से शहरभर में सर्वे शुरू कर ऐसे प्रतिष्ठानों की पहचान करने की कवायद शुरू की है, जो आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, मसूरी के 200 से अधिक होटल और रेस्तरां जांच के दायरे में आ सकते हैं। हालांकि, सर्वे पूरा होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

एमडीडीए के सर्वे में होटल, रेस्तरां, दुकानें और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि भवन किस उपयोग के लिए स्वीकृत किए गए थे और वर्तमान में उनका इस्तेमाल किस रूप में हो रहा है। आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां मिलने पर निर्माण स्वीकृति, भूमि उपयोग और संबंधित नियमों के अनुपालन की जांच की जाएगी। हालांकि, सर्वे में नाम आने मात्र से किसी प्रतिष्ठान को अवैध घोषित नहीं किया जा सकता।

समाचार रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने 25 मार्च 2026 को लोगनाथन बनाम तमिलनाडु राज्य एवं अन्य मामले में आवासीय क्षेत्रों के व्यावसायिक इस्तेमाल और भवन उपनियमों के उल्लंघन पर चिंता जताई थी। इसी कानूनी पृष्ठभूमि में मसूरी का सर्वे महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



- **होटल कारोबारियों ने उठाई एकमुश्त शमन योजना की मांग**

मसूरी में पर्यटन कारोबार के विस्तार के साथ होटल, होमस्टे, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की संख्या बढ़ी है। सीमित भूमि, संकरी सड़कें और पार्किंग की कमी के बीच शहर का नियोजित विकास बड़ी जरूरत बन गया है। ऐसे में आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार और निर्माण स्वीकृतियों की निगरानी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

होटल कारोबार से जुड़े लोगों ने मौजूदा प्रतिष्ठानों के नियमन के लिए एकमुश्त शमन योजना लागू करने और शहर का मास्टर प्लान जल्द लागू करने की मांग की है। हालांकि, ऐसी किसी योजना की स्वीकृति की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल एमडीडीए के सर्वे से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि कितने प्रतिष्ठान स्वीकृत नक्शों और भूमि उपयोग संबंधी नियमों के अनुरूप संचालित हो रहे हैं।

सर्वे से खुल सकते हैं शहर के विकास से जुड़े कई सवाल

एमडीडीए के इस अभियान से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि मसूरी में कितने प्रतिष्ठान आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं और कितने मामलों में स्वीकृत नक्शे या भूमि उपयोग से संबंधित अनियमितताएं सामने आती हैं। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण होगा कि सर्वे के बाद प्राधिकरण केवल कार्रवाई करता है या नियमों के अनुरूप मामलों के समाधान के लिए कोई स्पष्ट नीति भी सामने रखता है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने को जिलों में बनेंगी समितियां

एआइ और ई-सर्विलांस से वन्यजीव संघर्ष पर लगेगी लगाम

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष पर अंकुश लगाने के लिए अब प्रत्येक जिले में ग्राम स्तर पर संघर्ष संभावित क्षेत्रों की पहचान कर उनकी मैपिंग की जाएगी। इसके आधार पर संवेदनशील क्षेत्रों में वन्यजीवों के हमलों की रोकथाम और सुरक्षा के प्रभावी उपाय किए जाएंगे। इस कार्य की जिम्मेदारी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित होने वाली जिला स्तरीय मानव-वन्यजीव संघर्ष न्यूनीकरण एवं प्रबंधन समिति को सौंपी गई है। शासनादेश जारी होने के बाद जिलों में समितियों के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

- **संवेदनशील गांवों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होंगे**

मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक नीना ग्रेवाल ने सभी नोडल प्रभागीय वनाधिकारियों को पत्र भेजकर जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए समितियों का गठन जल्द कराने के निर्देश दिए हैं। समिति में पुलिस, राजस्व, कृषि, शिक्षा, सूचना, ग्राम्य विकास, ऊर्जा और स्थानीय निकायों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी सदस्य होंगे। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों के तीन ग्राम प्रधानों को भी समिति में शामिल किया जाएगा।

प्रदेश में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं लगातार चुनौती बनी हुई हैं। कई क्षेत्रों में वन्यजीवों की आवाजाही से लोगों की सुरक्षा और सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में वन विभाग के साथ जिला प्रशासन और अन्य विभागों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

समिति ग्राम स्तर पर संघर्ष संभावित क्षेत्रों को चिह्नित करने के साथ तात्कालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक उपायों की रणनीति तैयार करेगी। संवेदनशील इलाकों में त्वरित प्रतिक्रिया दलों की तैनाती, नियमित गश्त और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों से निगरानी की जाएगी।

न्यूज शॉर्ट्स

गुरुपर्व से पहले मीट की चार दुकानें सील निगम सख्त

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। श्री गुरु रामदास जी के आगामी गुरुपर्व के मद्देनजर नगर निगम ने पवित्र नगरी क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन कर चल रही दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की। इसके तहत सुल्तानविंड गेट के पास कारखाना बाजार में कच्चे मीट की चार दुकानों को सील कर दिया गया। साथ ही क्षेत्र में मीट और तंबाकू का कारोबार करने वाले दुकानदारों को निर्धारित क्षेत्र में कारोबार स्थानांतरित करने की चेतावनी दी गई। नगर निगम के एस्टेट विभाग ने एस्टेट अधिकारी धर्मिंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की। इसमें स्लाटर हाउस विभाग की टीम और थाना बी-डिवीजन की पुलिस ने सहयोग किया। अधिकारियों के अनुसार, दुकानदारों ने अदालत से स्थगन आदेश होने का दावा किया, लेकिन मौके पर संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद नियमों के अनुसार कार्रवाई की गई।

इंसाफ के लिए थाने पहुंची महिला ने खुद पर तेल डालने की कोशिश की

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर के सिविल लाइंस थाने के बाहर उस समय हंगामा हो गया, जब एक महिला ने इंसाफ न मिलने का आरोप लगाते हुए खुद पर तेल डालने की कोशिश की। महिला ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की। महिला के मुताबिक, 24 तारीख को अदालत परिसर में कुछ लोगों ने उसके साथ कथित तौर पर बदसलूकी और मारपीट की। उसने दूसरे पक्ष पर गाली-गलौज, धमकी देने और उसके स्टैंड पर हंगामा करने के आरोप भी लगाए। महिला का दावा है कि पुलिस ने उसके खिलाफ तुरंत मामला दर्ज कर लिया, लेकिन उसकी शिकायत पर दूसरे पक्ष के विरुद्ध उचित कार्रवाई नहीं की गई।

पंजाब में कानून-व्यवस्था पर बरसे तरुण चुघ

नशा विरोधी कार्यकर्ता की मौत पर भाजपा ने पंजाब सरकार से जवाबदेही मांगी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा है। नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले कार्यकर्ता परमिंदर सिंह झोटा की मौत का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने राज्य में आम लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए। चुघ ने आरोप लगाया कि पंजाब में अपराध बढ़ रहे हैं और नशा तस्करी के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को भी पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ाती हैं और सरकार को अपनी जिम्मेदारी स्पष्ट करनी चाहिए।

नशा विरोधी कार्यकर्ताओं की सुरक्षा पर उठाए सवाल : तरुण चुघ ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार में कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने सवाल किया कि नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले कार्यकर्ताओं को सुरक्षा क्यों नहीं मिल रही और उनकी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। चुघ ने कहा कि नशा तस्करी के खिलाफ आवाज उठाने वालों को सुरक्षा देना और उन्हें न्याय दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने परमिंदर सिंह झोटा



भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ

की मौत की निष्पक्ष जांच कराने तथा मामले में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही उन्होंने नशा विरोधी कार्यकर्ताओं को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

चुघ ने कहा कि पंजाब सरकार को नशा तस्करी के खिलाफ ठोस कार्रवाई कर आम लोगों का भरोसा बहाल करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि संबंधित मामलों की जांच पारदर्शी तरीके से हो और पीड़ित परिवारों को न्याय मिले। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। प्रशासन को ऐसे मामलों में लापरवाही से बचते हुए दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए। सरकार की जवाबदेही तय होनी चाहिए और नशे के नेटवर्क को खत्म करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

अन्य मामलों का जिक्र कर न्याय की मांग

भाजपा नेता ने सरदार मोहनजीत सिंह और गुलजार सिंह से जुड़े मामलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन मामलों में भी न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चुघ ने आरोप लगाया कि राज्य में नशा तस्करों के हौसले बढ़ रहे हैं और सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। उनके अनुसार, नशे की समस्या से निपटने के लिए केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि प्रभावी कार्रवाई, सुरक्षा व्यवस्था और जवाबदेही भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री से जिम्मेदारी लेने की मांग

तरुण चुघ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा देने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि पंजाब को खोखले दावों के बजाय मजबूत कानून-व्यवस्था, नागरिकों की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था की जरूरत है। चुघ ने सरकार से नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठाने, नशा विरोधी कार्यकर्ताओं की सुरक्षा बढ़ाने और संबंधित मामलों में जवाबदेही तय करने की मांग की। उनके बयान से पंजाब में कानून-व्यवस्था और नशे के खिलाफ कार्रवाई को लेकर राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है।

पंजाब में तीसरी जैव उर्वरक प्रयोगशाला शुरू नकली खाद बेचने वालों पर कसेगा शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। पंजाब में किसानों को नकली और घटिया गुणवत्ता वाले जैव उर्वरकों से बचाने के लिए सरकार ने जांच व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाया है। इसी कड़ी में कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने सोमवार को मोहाली के कलकाट भवन में प्रदेश की तीसरी जैव उर्वरक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इससे पहले बठिंडा और गुरदासपुर में ऐसी प्रयोगशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं। प्रदेश में इन तीनों प्रयोगशालाओं की स्थापना पर कुल 4.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य जैव उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच करना, नकली उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाना और किसानों तक प्रमाणित उत्पाद पहुंचाना है।

पंजाब में जैव उर्वरकों की सालाना खपत करीब 15,000 से 16,000 मीट्रिक टन अथवा किलोलीटर बताई गई है। जैविक खेती के प्रति किसानों की बढ़ती रुचि और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के विस्तार के साथ इन उत्पादों की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में इनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना जरूरी हो गया है। नई प्रयोगशाला से कृषि विभाग को बाजार में उपलब्ध जैव उर्वरकों के नमूनों की जांच करने और निर्धारित मानकों के अनुसार उनकी गुणवत्ता परखने में मदद मिलेगी।



नकली जैव खाद की बिक्री रोकने के लिए पंजाब सरकार सख्त

◆जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए मोहाली में खुली नई प्रयोगशाला, गुणवत्ता जांच होगी मजबूत

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रयोगशालाओं की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य किसानों को प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण जैव उर्वरक उपलब्ध कराना है। इससे नकली उत्पाद बेचने वालों पर कार्रवाई करने और उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने में भी सहायता मिलेगी। इसके अलावा जैव उर्वरक बनाने वाली इकाइयों और विक्रेताओं की निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा।

राज्य सरकार खेती में रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटाने और मिट्टी की सेहत सुधारने के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दे रही है। जैव उर्वरक मिट्टी में उपयोगी सूक्ष्मजीवों की गतिविधियों को बढ़ाने और पौधों को पोषक तत्व उपलब्ध कराने में सहायक हो सकते हैं। हालांकि, इनका लाभ उत्पाद की गुणवत्ता और उचित उपयोग पर निर्भर करता है। ऐसे में प्रयोगशालाओं के माध्यम से गुणवत्ता की जांच किसानों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

इन प्रयोगशालाओं से मिलने वाले आंकड़ों के आधार पर पंजाब की जलवायु और कृषि परिस्थितियों के अनुकूल जैव उर्वरकों के विकास और सुधार में भी सहायता मिल सकती है। इससे किसानों को खेती के लिए बेहतर विकल्प चुनने में मदद मिलेगी और कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाने की दिशा में प्रयास तेज हो सकेंगे।

फर्जी इमिग्रेशन एजेंटों पर शिकंजा, संपत्तियों और बैंक खातों की जांच करेगा ईडी



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में विदेश भेजने के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले फर्जी इमिग्रेशन एजेंटों के खिलाफ अब कार्रवाई तेज करने की तैयारी है। विदेश मंत्रालय के निर्देशों के बाद जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। अब पुलिस केवल प्राथमिकी दर्ज करने और आरोपितों को गिरफ्तार करने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उनके बैंक खातों, संपत्तियों और विदेश में बैठकर नेटवर्क चलाने वाले मुख्य संचालकों की भूमिका की भी जांच करेगी। जानकारी के अनुसार, पंजाब, हरियाणा और अन्य राज्यों में 3,505 ऐसे एजेंटों की पहचान की गई है, जो बिना पंजीकरण के काम कर रहे हैं या जिनके खिलाफ शिकायतें मिली हैं। इनमें बड़ी संख्या पंजाब से जुड़े एजेंटों की बताई जा रही है। विदेश मंत्रालय ने संबंधित एजेंटों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को जांच करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वाले एजेंटों के लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। अमेरिका से भारतीय युवाओं को वापस भेजे जाने के मामलों के दौरान विभिन्न जांच एजेंसियों ने 1,274 फर्मों पर छापेमारी की थी। इनकी जांच रिपोर्ट के आधार पर गृह मंत्रालय के निर्देश पर 24 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। अब इन मामलों में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। जांच एजेंसियां उन लोगों और एजेंटों के रिश्तेदारों की भूमिका भी खंगाल सकती हैं, जिनके नाम जांच के दौरान सामने आए हैं। वहीं, दोआबा क्षेत्र के 271 एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए राज्य पुलिस को निर्देश दिए गए हैं। पंजाब पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आई एक प्रमुख समस्या यह है कि कई एजेंटों के लाइसेंस रद्द होने के बावजूद उनका कारोबार बंद नहीं हुआ। आरोप है कि कुछ एजेंट नए नाम और नई फर्म बनाकर या पुराने मोबाइल नंबरों के माध्यम से दोबारा काम शुरू कर देते हैं।

त्योहारों पर यात्रियों के लिए राहत अमृतसर से चलेंगी विशेष रेलगाड़ियां



भारतेंदु संवाददाता, फिरोजपुर। त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे विभाग ने अमृतसर-छपरा और छेहरटा-मुजफ्फरपुर के बीच 14 जोड़ी विशेष रेलगाड़ियां चलाने का निर्णय लिया है। ये साप्ताहिक रेलगाड़ियां 19 अक्टूबर से एक दिसंबर तक संचालित होंगी। रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार, इन रेलगाड़ियों के संचालन से त्योहारों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

गाड़ी संख्या 04638 अमृतसर स्टेशन से 19 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार शाम 7:40 बजे रवाना होगी। यह लगभग 25 घंटे की यात्रा पूरी कर अगले दिन रात 8:45 बजे छपरा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04637 छपरा से 20 अक्टूबर से एक दिसंबर तक प्रत्येक मंगलवार रात 10:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन रात 12:20 बजे अमृतसर पहुंचेगी।

इन रेलगाड़ियों का दोनों दिशाओं में ब्यास, जालंधर सिटी, फगवाड़ा, ढंडारी कलां, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर-जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, पडरौना, तमकुही रोड, थावे, सीवान और एकमा स्टेशनों पर ठहराव होगा।

इसी तरह गाड़ी संख्या 04640 छेहरटा स्टेशन से 19 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार सुबह 8:35 बजे रवाना होगी और 28 घंटे 35 मिनट की यात्रा पूरी कर अगले दिन दोपहर 1:10 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी।

अमृतसर में आईएसआई समर्थित तस्करी गिरोह का पर्दाफाश

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार और नशा तस्करी के आरोप में दस गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। त्योहारों से पहले पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने की कथित साजिश के बीच अमृतसर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंध रखने वाले गिरोह के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, गिरोह के सदस्य सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल थे।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से छह विदेशी पिस्तौल, छह मैगजीन, 12 कारतूस, 4.409 किलोग्राम हेरोइन, आधा किलोग्राम अफीम और 12.90 लाख रुपये की कथित मादक पदार्थों की कमाई बरामद की है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि तस्करी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा सके।



ये प्रतीकात्मक तस्वीर है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक आधुनिक ड्रोन भी जब्त किया है। शुरुआती जांच में आशंका जताई गई है कि इसका इस्तेमाल पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप पहुंचाने के लिए किया जाता था। ड्रोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है, ताकि उसके इस्तेमाल और गतिविधियों से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरोह के सदस्य सीमा पार बैठे कथित तस्करों के संपर्क में थे। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद हथियार और नशीले पदार्थ कहां पहुंचाए जाने थे तथा इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है। पुलिस कमिश्नर हरमानबीर सिंह गिल की ओर से मामले में विस्तृत जानकारी दिए जाने की संभावना है। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है और गिरोह से जुड़े आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

यूजीसी वेतनमान पर आर-पार की लड़ाई, छह कॉलेजों में पढ़ाई ठप

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। यूजीसी के नियमों के अनुसार वेतनमान और पदोन्नति का लाभ देने की मांग को लेकर चंडीगढ़ एडेड कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन (केकटा) का धरना मंगलवार को सेक्टर-10 स्थित डीएवी कॉलेज में जारी रहा। शिक्षकों के विरोध प्रदर्शन के चलते शहर के सभी छह निजी सहायता प्राप्त कॉलेजों में पढ़ाई प्रभावित हुई है।

शिक्षकों की प्रमुख मांग है कि उन्हें जुलाई 2018 से यूजीसी के नियमों के अनुसार वित्तीय लाभ और पदोन्नति दी जाए। उनका कहना है कि लंबे समय से यह मांग उठाई जा रही है, लेकिन अब तक इसका समाधान नहीं निकला है। चंडीगढ़ प्रशासन ने शिक्षकों को अप्रैल 2022 से ये लाभ देने की घोषणा की है, जिसे शिक्षक स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।

◆प्रशासन की घोषणा से असंतुष्ट शिक्षक, छह कॉलेजों में शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित



हक की मांग पर शिक्षक लामबंद

केकटा का कहना है कि जब यूजीसी के नियमों के तहत ये लाभ जुलाई 2018 से देय हैं, तो इन्हें अप्रैल 2022 से लागू करना उचित नहीं है। शिक्षकों ने मांग की है कि लंबित वित्तीय लाभों का भुगतान निर्धारित तिथि से किया जाए और पदोन्नति संबंधी नियमों को भी लागू किया जाए। धरने के कारण छह कॉलेजों की शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित होने से विद्यार्थियों की नियमित कक्षाओं पर भी असर पड़ा है।

बंदी सिंहों की रिहाई के लिए हरसंभव प्रयास करेगी मान सरकार

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार बंदी सिंहों की रिहाई के लिए हर कानूनी और संवैधानिक रास्ता अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। लंबे समय से लंबित इस मामले का समाधान निकालने के लिए सरकार गंभीरता से प्रयास करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंदी सिंहों के मामलों में सरकार की मंशा और प्रतिबद्धता साफ है तथा न्याय के लिए हरसंभव सहायता दी जाएगी। सोमवार को कौमी इंसाफ मोर्चा, किसान संगठनों और अन्य समूहों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने यह आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार और राज्यपाल को आश्वासन दिया था कि यदि जगतार सिंह हवारा को अपनी बीमार मां से मिलने के लिए पैरोल दी जाती है, तो राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। इसके बावजूद केंद्र सरकार की ओर से अब तक मंजूरी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी इस संबंध में आश्वासन दिया गया था।

◆बंदी सिंहों की रिहाई के लिए कानूनी विकल्प तलाशेगी पंजाब सरकार



पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान

महाधिवक्ता को कानूनी पहलुओं की जांच के निर्देश

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बैठक में मौजूद पंजाब के महाधिवक्ता मनिंदरजीत सिंह बेदी से बंदी सिंहों से जुड़े प्रत्येक मामले की कानूनी पहलुओं के आधार पर जांच करने को कहा। उन्होंने जोर दिया कि सभी मामलों में उपलब्ध कानूनी विकल्पों का आकलन किया जाए, ताकि उचित समाधान की दिशा में कदम उठाए जा सकें।

शांतिपूर्ण तरीके से जारी रखें संघर्ष

बैठक में रामपुर खेड़ा के संत सेवा सिंह, बठिंडा के गुरदीप सिंह, भाई मोहकम सिंह, गुरसेवक सिंह काहनेके, बाबा भूपिंदर सिंह और किसान नेता बूटा सिंह बुर्जगिल सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने सिख संगठनों से अपील की कि वे अपनी मांगों के लिए संघर्ष शांतिपूर्ण और कानून के दायरे में रहकर जारी रखें। उन्होंने कहा कि कुछ समूह आंदोलनों को पटरी से उतारने और सिख समुदाय की छवि खराब करने का प्रयास करते हैं। ऐसे में सभी पक्षों को संयम और आपसी भाईचारा बनाए रखना चाहिए, ताकि मांगों को उचित तरीके से आगे बढ़ाया जा सके।

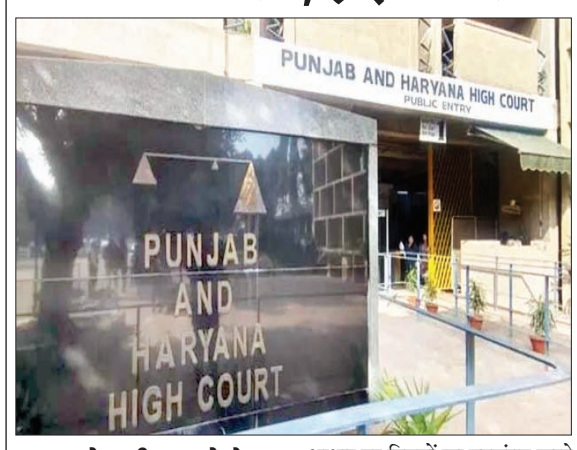
भ्यौरा और तारा की पैरोल का मामला उठेगा

मुख्यमंत्री ने बुड़ैल जेल में बंद परमजीत सिंह भ्यौरा और जगतार सिंह तारा की पैरोल के मामलों पर कहा कि ये चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे को राज्यपाल के समक्ष उठाया जाएगा, जो चंडीगढ़ के प्रशासक भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित मामलों में कानूनी और संवैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए उचित समाधान तलाशने की जरूरत है। सरकार का प्रयास रहेगा कि सभी पहलुओं पर विचार करके आगे की कार्रवाई की जाए।

तीन महीने से लापता बेटे की तलाश में भटक रही बुजुर्ग मां ने पुलिस पर उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर में तीन महीने से लापता 32 वर्षीय संदीप सिंह का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। बेटे की तलाश में उसकी बुजुर्ग मां और परिवार के सदस्य परेशान हैं। परिवार का आरोप है कि पुलिस प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद युवक को ढूंढने के लिए कोई ठोस सफलता नहीं मिली है। परिजनों ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले में तेजी लाने की मांग की है। परिवार के मुताबिक, संदीप सिंह तीन अगस्त को सुबह करीब नौ बजे घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों का कहना है कि उसके घर से निकलने के कुछ समय बाद उसकी पत्नी भी उसके पीछे गई थी। करीब डेढ़ से दो घंटे बाद वह घर लौट आई, लेकिन संदीप के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। हालांकि, इस घटनाक्रम को लेकर परिवार की ओर से जताए गए संदेह की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। परिवार ने बताया कि संदीप सिंह वेल्डिंग का काम करता था। उसके लापता होने के बाद रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की गई। इसके अलावा उसकी तस्वीर वाले पोस्टर भी लगाए गए, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

मंडी बोर्ड पर 500 करोड़ के घोटाले का आरोप, हाई कोर्ट सख्त



◆पहले बनी सड़कों के दोबारा टेंडर और भुगतान पर हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब मंडी बोर्ड में करीब 500 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से पहले ही बनाई जा चुकी सड़कों के निर्माण के लिए पंजाब मंडी बोर्ड ने दोबारा टेंडर जारी किए और कथित तौर पर उन्हीं सड़कों के नाम पर भुगतान भी किया गया। मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार सहित अन्य प्रतिवादी पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

गुरदासपुर निवासी रणजीत सिंह की ओर से दायर याचिका में दस मार्केट कमेटियों के कार्य मंडी बोर्ड को सौंपने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देशों के आधार पर नियमों का उल्लंघन करते हुए यह बदलाव किया गया। इसके बाद सड़क निर्माण से जुड़े कार्यों में कथित अनियमितताएं हुईं। याचिका में दावा किया गया है कि पीडब्ल्यूडी पहले ही कई ग्रामीण संपर्क सड़कों का निर्माण कर चुका था, लेकिन मंडी बोर्ड ने उन्हीं सड़कों के लिए दोबारा टेंडर जारी कर दिए। इससे एक ही सड़क के निर्माण पर दो बार सरकारी धन खर्च होने की आशंका जताई गई है।

याचिका के अनुसार, 15 मार्च 2018 को तत्कालीन मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई शीर्ष समिति की बैठक में पीडब्ल्यूडी और पंजाब मंडी बोर्ड के बीच ग्रामीण संपर्क सड़कों के कार्यों के बंटवारे पर विचार किया गया था। बैठक में मार्केट कमेटियों के आधार पर पहले से लागू व्यवस्था जारी रखने की सिफारिश की गई थी। याचिकाकर्ता का कहना है कि सितंबर 2026 में इस व्यवस्था में बदलाव किया गया। नौ सितंबर को मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद 16 और 21 सितंबर के कार्यालय आदेशों के माध्यम से काहनूवान और कलानौर सहित दस मार्केट कमेटियों के कार्य मंडी बोर्ड को सौंप दिए गए।

34 साल पुरानी मांगों पर अगले सप्ताह मुख्यमंत्री से मुलाकात की बनी उम्मीद

50 दिन टावर पर संघर्ष, 51वें दिन उतरे बुजुर्ग, अब मुख्यमंत्री से आस

भारतेंदु संवाददाता, पठानकोट। अपनी मांगों को लेकर जिला उपायुक्त (डीसी) आवास के सामने लगभग 200 फीट ऊंचे बिजली टावर पर 50 दिनों तक धरने पर बैठे कुलविंदर सिंह (82) और शरम सिंह (85) मंगलवार को सुरक्षित नीचे उतर आए। जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद दोनों बुजुर्गों ने धरना समाप्त कर टावर से नीचे उतरने पर सहमति जताई। उन्हें सुरक्षित उतारने के लिए प्रशासन ने विशेष हाइड्रोलिक क्रेन का प्रबंध किया था। दोनों के नीचे उतरने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

सोमवार देर शाम डीसी पल्लवी, एडीसी अर्शदीप सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद बुजुर्गों ने नीचे उतरने की हामी भर दी थी। हालांकि, उन्होंने रात के समय नीचे उतरने से इनकार कर दिया। बुजुर्गों ने बताया कि पिछले कई दिनों से महज दो फीट के प्लेटफॉर्म पर रहने के कारण उनके घुटनों में परेशानी हो रही थी। साथ ही, कम रोशनी में क्रेन के सहारे नीचे



उतरना जोखिम भरा हो सकता था। इस कारण उन्होंने मंगलवार सुबह उजाला होने पर नीचे उतरने का फैसला किया।

पहले सिविल अस्पताल में होगी स्वास्थ्य जांच

टावर से नीचे उतरने के बाद दोनों बुजुर्गों को स्वास्थ्य जांच के लिए सिविल अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की गई। चिकित्सकों की टीम उनकी शारीरिक स्थिति का आकलन करेगी। लगभग 50 दिनों तक इतनी ऊंचाई पर रहने और सीमित स्थान पर बैठने के कारण उनकी सेहत की जांच जरूरी मानी जा रही है। जांच के बाद दोनों को परिवार के सदस्यों के साथ घर भेजा जाएगा।

मौके पर पहुंचे एडीसी अर्शदीप सिंह ने बताया कि प्रदर्शनकारियों के साथ लंबे समय से बातचीत चल रही थी। सोमवार को बातचीत के दौरान सहमति बनी। प्रशासन ने बैराज औस्ती संघर्ष समिति को आश्वासन दिया है कि प्रभावित परिवारों की मांगें सरकार के समक्ष प्रमुखता से रखी जाएंगी।

समिति के अध्यक्ष दयाल सिंह ने बताया कि डीसी, एडीसी और बांध प्रशासन के अधिकारियों ने बुजुर्गों के साथ बातचीत की। अधिकारियों ने अगले सप्ताह प्रभावित परिवारों की मुख्यमंत्री के साथ बैठक करवाने का आश्वासन दिया है। अब परिवारों को इस बैठक से दशकों से लंबित मांगों के समाधान की उम्मीद है।

एडीसी अर्शदीप सिंह के अनुसार, शाहपुरकंडी बैराज एवं बांध परियोजना से जुड़ा मामला लगभग 33-34 साल पुराना है। इसकी जटिलता को देखते हुए कानूनी और प्रशासनिक पहलुओं पर विचार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रशासन नियमों के दायरे में प्रभावित परिवारों को राहत दिलाने का प्रयास कर रहा है।

अमृतसर में पटाखा खोखों के चयन पर विवाद, ड्रा प्रक्रिया पर उठे सवाल

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। दिवाली और गुरु पर्व को देखते हुए अमृतसर जिला प्रशासन की ओर से पटाखों के 10 खोखे आवंटित करने के लिए ड्रा निकाला गया। इस दौरान डीसी दलविंदर जीत सिंह, एडीसी जनरल पल्लवी मिश्रा, डीसीपी जुगराज सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कुल 674 आवेदनों को एक बॉक्स में डालकर पर्चियां निकाली गईं और चयनित लोगों को खोखे आवंटित किए गए।

हालांकि, पटाखा कारोबारियों ने 10 खोखों की सीमा पर सवाल उठाते हुए इनकी संख्या बढ़ाकर 15 या 20 करने की मांग की। उनका कहना है कि जालंधर सहित अन्य जिलों में अमृतसर की तुलना में अधिक खोखे लगाने की अनुमति दी जाती है। जानकारी के अनुसार, करीब सात वर्ष पहले पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों के तहत केवल 10 खोखों के लिए ड्रा निकालने की व्यवस्था की गई थी। बताया जा रहा है कि संबंधित याचिका अब समाप्त हो चुकी है।

ड्रा प्रक्रिया पर सवाल तब उठे, जब चयनित कुछ लोगों के पास पटाखा कारोबार का लाइसेंस और जीएसटी नंबर नहीं होने की बात सामने आई। आरोप है कि कुछ लोगों ने खोखों की कालाबाजारी के उद्देश्य से मजदूरों, रिश्तेदारों और परिचितों के नाम पर कई आवेदन जमा किए। एक व्यक्ति की ओर से कथित तौर पर 157 आवेदन जमा किए गए, जिनमें से दो पर्चियां निकलने की जानकारी मिली है।

नवरात्र में वैष्णो देवी भवन जगमगाया, तीन दिनों में सवा लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

भव्य सजावट और माता के जयकारों से कटड़ा से भवन तक भक्तिमय माहौल

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

पवित्र शारदीय नवरात्र के अवसर पर मां वैष्णो देवी के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। त्रिकूट पर्वत पर स्थित मां के अलौकिक भवन को रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट से भव्य रूप दिया गया है। भवन की सुंदरता श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रही है। चारों ओर गूंजते माता के जयकारों और भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु मां के दर्शन करने के लिए लगातार आधार शिविर कटड़ा पहुंच रहे हैं। भक्तों में दर्शन को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है।

नवरात्र के पहले तीन दिनों में ही सवा लाख से अधिक श्रद्धालु मां वैष्णो देवी के चरणों में शीश नवा चुके हैं। पहले दिन 11 अक्टूबर को 47,500 श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन किए, जबकि दूसरे दिन 12 अक्टूबर को 48,300 श्रद्धालु भवन पहुंचे। तीसरे नवरात्र यानी मंगलवार को दोपहर तीन बजे तक करीब 35 हजार श्रद्धालु यात्रा पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या से कटड़ा से लेकर भवन तक यात्रा मार्ग पर रौनक बनी हुई है।



मंगलवार को मौसम में बदलाव के चलते त्रिकूट पर्वत और आसपास के क्षेत्रों में बादल छाए रहे। बीच-बीच में धूप निकलने के बावजूद ठंडी हवाओं के कारण मौसम सुहावना बना रहा। बादलों और मौसम की परिस्थितियों के चलते कटड़ा से संचालित हेलीकॉप्टर सेवा बीच-बीच में प्रभावित हुई। हालांकि, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैटरी कार, रोपवे, घोड़ा, पिट्ठू और पालकी जैसी अन्य सेवाएं उपलब्ध रहीं।

श्रद्धालु परिवार और मित्रों के साथ टोलियां बनाकर माता के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। कई भक्त माथे पर माता की चुनरी बांधे और हाथों में ध्वजा लिए यात्रा करते दिखाई दे रहे हैं। दर्शनी ड्योढ़ी, अर्धकुंवारी और भवन सहित प्रमुख पड़ावों पर भक्ति और उत्साह का माहौल है।

मौसम में बदलाव और यात्रा के दौरान आने वाली कठिनाइयों के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिख रही है।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस, सुरक्षा बलों और प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। संवेदनशील और महत्वपूर्ण स्थानों पर जवानों की तैनाती की गई है। सुरक्षा एजेंसियां भीड़ की स्थिति और यात्रियों की आवाजाही पर लगातार नजर रख रही हैं। अधिकारियों की ओर से समय-समय पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध करवाई जा सके।

भवन और आधार शिविर कटड़ा में स्थापित एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र के माध्यम से यात्रा गतिविधियों की चौबीस घंटे निगरानी की जा रही है। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। प्रशासन का प्रयास है कि नवरात्र के दौरान मां के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पुंछ के सबजियान में आतंकी ठिकाने से हथियार बरामद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान सेना और विशेष अभियान समूह (एसओजी) को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को सीमावर्ती सबजियान सेक्टर के सुथरबन इलाके में एक संदिग्ध आतंकवादी ठिकाने से हथियार, गोला-बारूद और खाद्य सामग्री बरामद की। इस कार्रवाई के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, सेना और पुंछ एसओजी की संयुक्त टीमों ने सुथरबन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक एके-47 राइफल, एक एके-47 मैगजीन, छह ग्रेनेड और 30 राउंड गोला-बारूद बरामद किए गए। इसके अलावा ठिकाने से कुछ खाद्य सामग्री भी मिली है। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हथियार और अन्य सामान वहां कब तथा किस उद्देश्य से छिपाए गए थे। सीमावर्ती इलाका होने के कारण सुरक्षा बल इस क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरत रहे हैं। आतंकवादी गतिविधियों की आशंका को देखते हुए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

70 करोड़ रुपये के बिल महीनों से लंबित, कर्ज लेकर शादियां कर रहे परिवार

बेटियों की शादी में अटकी सरकारी मदद 12,777 परिवार भुगतान के इंतजार में

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी के लिए चलाई जा रही विवाह सहायता योजना के तहत हजारों लाभार्थी अब भी राशि मिलने का इंतजार कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में 12,777 लाभार्थियों की सहायता मंजूर होने के बावजूद भुगतान लंबित था। वहीं, 70.08 करोड़ रुपये के बिल अक्टूबर 2025 से ट्रेजरी में अटके बताए गए। इससे उन परिवारों की आर्थिक मुश्किलें बढ़ रही हैं, जिन्हें शादी के खर्च के लिए कर्ज लेना पड़ा है।



विवाह सहायता में देरी से जरूरतमंद परिवारों की बढ़ी मुश्किलें

कश्मीर के एक परिवार का मामला इस समस्या को सामने लाता है। पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर हीना के भाई ने बताया कि परिवार ने बहन की शादी के खर्च पूरे करने के लिए उधार लिया था। पिता का पहले ही निधन हो चुका है और मां गृहिणी हैं। परिवार में कमाई का एकमात्र सहारा वह स्वयं हैं, जो दिहाड़ी मजदूरी करके घर चलाते हैं। अनियमित आमदनी के कारण शादी के लिए लिया गया कर्ज अब परिवार पर अतिरिक्त बोझ बन गया है। शादी के तीन महीने बाद भी सहायता राशि नहीं मिलने से परिवार परेशान है।

सरकारी जनसुगम पोर्टल के रिकॉर्ड के अनुसार, शोपियां जिले की एक लाभार्थी की शादी 27 दिसंबर 2024 को हुई थी, जबकि 50 हजार रुपये की सहायता 16 जून 2025 को मंजूर की गई। इस तरह शादी और मंजूरी के बीच 171 दिन का अंतर रहा। इसी प्रकार, कुलगाम जिले की एक लाभार्थी की शादी 12 अप्रैल 2025 को हुई और 50 हजार रुपये की सहायता 25 जून 2025 को मंजूर हुई। इस मामले में मंजूरी शादी के 74 दिन बाद मिली। हालांकि, उपलब्ध रिकॉर्ड से यह स्पष्ट नहीं होता कि देरी आवेदन की जांच, सत्यापन, मंजूरी या भुगतान के स्तर पर हुई।

सरकारी आदेश संख्या 49-जेके(एसडब्ल्यूडी), दिनांक 22 मार्च 2022 के अनुसार, पात्र आवेदकों को प्रस्तावित शादी से कम से कम एक महीने पहले आवेदन करना होता है। उपायुक्तों को सत्यापित आवेदन हर पखवाड़े आगे भेजने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सहायता शादी से पहले जारी की जा सके। जनसुगम पोर्टल पर इस सेवा के लिए सरकारी छुट्टियों को छोड़कर 30 कार्यदिवस की समयसीमा निर्धारित है।

योजना के तहत अंत्योदय अन्न योजना और प्राथमिकता वाले परिवार श्रेणियों में आने वाले पात्र आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को निर्धारित शर्तों के अनुसार एकमुश्त सहायता दी जाती है।

3 फरवरी 2026 को विधानसभा में दिए गए लिखित जवाब के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में 31,524 लाभार्थियों को 163.93 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। वहीं, 12,777 लाभार्थियों की सहायता मंजूर होने के बावजूद भुगतान बाकी था। सरकार ने बताया कि 70.08 करोड़ रुपये के बिल अक्टूबर 2025 से ट्रेजरी में लंबित थे। भुगतान प्राप्त कर चुके और सहायता मंजूर होने वाले कुल 44,301 लाभार्थियों में से लगभग 28.8 प्रतिशत राशि का इंतजार कर रहे थे।

20 फरवरी को विधानसभा में दिए गए एक अन्य लिखित जवाब में 2025-26 के लिए 44,301 लाभार्थियों के संबंध में 234 करोड़ रुपये का आंकड़ा पेश किया गया।

गंबूरा में छह साल से नई इमारत बंद, जर्जर भवन में पढ़ रहे बच्चे

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में शिक्षा ढांचे को मजबूत करने के दावों के बीच बड़गाम जिले की बीरवाह तहसील के गंबूरा गांव का सरकारी मिडल स्कूल बदहाली की तस्वीर पेश कर रहा है। यहां बच्चे जर्जर इमारत में पढ़ने को मजबूर हैं, जबकि स्कूल के लिए करीब छह साल पहले बनाई गई नई इमारत अब तक इस्तेमाल में नहीं लाई गई है। पुरानी इमारत की हालत खराब होने के साथ ही विद्यार्थियों को पीने के पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। स्कूल की खिड़कियां टूटी हुई हैं और छत का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त है। बारिश के दौरान पानी कक्षाओं में टपकता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। स्कूल परिसर की उचित घेराबंदी नहीं होने के कारण आवारा कुत्ते भी परिसर में घूमते रहते हैं। शौचालय और पीने के पानी की सुविधा नहीं होने से विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को आसपास के घरों का सहारा लेना पड़ता है। स्थानीय निवासी खुर्शीद अहमद भट ने बताया कि स्कूल में शौचालय, स्वच्छ पेयजल और खेल के मैदान जैसी जरूरी सुविधाओं का अभाव है। जर्जर इमारत के कारण बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से समस्या का समाधान करने की मांग की।

पुंछ के लोरान में भीषण आग से तीन मकान और छह दुकानें राख

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के लोरान इलाके में सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात भीषण आग लगने से तीन रिहायशी मकान और छह दुकानें जलकर राख हो गईं। इस घटना में करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते कई इमारतें इसकी चपेट में आ गईं। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही लोरान के थाना प्रभारी यूनिस खान के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा। पुलिसकर्मियों और स्थानीय निवासियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान मकानों में रह रहे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। साथ ही आसपास के 10 से अधिक रिहायशी मकानों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया।

जम्मू-कश्मीर में जलविद्युत क्षमता का बड़ा हिस्सा बेकार, सर्दियों में बढ़ती निर्भरता

जम्मू-कश्मीर में जलविद्युत परियोजनाओं के विस्तार से बिजली संकट घटने की उम्मीद

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं होने के बावजूद प्रदेश अपनी अनुमानित क्षमता का केवल 19.7 प्रतिशत ही इस्तेमाल कर पा रहा है। इसका असर खासकर सर्दियों में दिखाई देता है, जब नदियों में पानी का बहाव घटने और बिजली की मांग बढ़ने से आपूर्ति बनाए रखने की चुनौती बढ़ जाती है। एक आर्थिक अध्ययन में अधूरी परियोजनाओं, मौसमी उतार-चढ़ाव और वितरण व्यवस्था की चुनौतियों को ऊर्जा सुरक्षा में बाधक बताया गया है।

'सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज इंटरनेशनल' जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, जम्मू-कश्मीर की अनुमानित जलविद्युत क्षमता 18,000 मेगावाट है। इसमें से 14,867 मेगावाट क्षमता विकास के लिए चिह्नित की गई है, जबकि अब तक 3,540.15 मेगावाट क्षमता का ही उपयोग हो पाया है।

जलविद्युत विकास की दृष्टि से चिनाब बेसिन सबसे आगे है। यहां 11,283 मेगावाट क्षमता चिह्नित की गई है। वहीं, झेलम बेसिन में 3,084 मेगावाट और रावी बेसिन में 500 मेगावाट क्षमता के दोहन की संभावनाएं हैं। हालांकि, इन संसाधनों का पूरा इस्तेमाल नहीं होने से प्रदेश को अपनी बिजली जरूरतों के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता है। पक्कल दुल, किरू, कवार और रतले जलविद्युत परियोजनाएं प्रदेश की उत्पादन क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इनकी संयुक्त क्षमता लगभग 3,014 मेगावाट है।

राजौरी में सड़क हादसे में 12 वर्षीय बच्ची की मौत, दो घायल

भारतेंदु संवाददाता,राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में मंगलवार को एक सड़क हादसे में 12 वर्षीय लड़की की मौत हो गई, जबकि उसके पिता और दादा घायल हो गए। हादसा थन्नामंडी-राजधानी मार्ग पर इस्लामपुर के पास हुआ, जहां थन्नामंडी से राजधानी की ओर जा रही एक इको गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। धिकारियों के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त वाहन का पंजीकरण नंबर जेके11 बी-2995 है। गाड़ी में सवार 12 वर्षीय अफिया कौसर की हादसे में मौत हो गई। वह भंगाई निवासी अब्दुल फरीद की बेटी थी। दुर्घटना में उसके पिता अब्दुल फरीद (33) और दादा मखना (85) घायल हो गए। इदसे की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग और संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी

पश्चिमी विक्षोभ से तापमान गिरेगा, किसानों को कटी फसलें सुरक्षित रखने की सलाह

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में अगले दो दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 14 और 15 अक्टूबर को कई क्षेत्रों में रुक-रुककर बारिश हो सकती है। वहीं, ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी होने के आसार हैं। 14 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इसके बाद मौसम में धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है।

श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, 14 से 15 अक्टूबर के बीच जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान कहीं-कहीं गरज के साथ बौछारें पड़ने और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि बारिश लगातार पूरे दिन होने के बजाय रुक-रुककर हो सकती है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान में गिरावट के साथ हल्की बर्फबारी भी देखने को मिल सकती है।

मौसम में बदलाव के कारण कश्मीर घाटी और आसपास के क्षेत्रों में दिन का तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। इससे लोगों को ठंड का अहसास बढ़ सकता है। पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम का प्रभाव अधिक देखने को मिल सकता है। ऐसे में ऊंचाई वाले इलाकों की यात्रा करने वाले लोगों को सावधानी बरतने और मौसम विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

पूर्वानुमान के मुताबिक, 16 और 17 अक्टूबर को मौसम में सामान्य सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, कुछ स्थानों पर दोपहर या शाम के समय हल्की बारिश से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके बाद 18 से 22 अक्टूबर तक अधिकांश क्षेत्रों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने का अनुमान है। इस अवधि में एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।



मौसम विभाग ने किसानों को सेब, धान और अन्य कटी हुई फसलों को सुरक्षित रखने की सलाह दी है। बारिश और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए फसलों का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने को कहा गया है।

रामबन में खाई बनी काल, ट्रक चालक की मौत, परिचालक घायल

भारतेंदु संवाददाता, रामबन



तस्वीरें : रामबन में गिरा ट्रक, चकनाचूर

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले के नचलाना के पास सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। श्रीनगर से गुजरात जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर करीब 70 से 80 फुट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, हादसा बनिहाल के पास हुआ। दुर्घटना के समय ट्रक में चालक और परिचालक सवार थे। वाहन के खाई में गिरने के बाद दोनों घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर संबंधित दल मौके पर पहुंचा और दोनों को तत्काल उपचार के लिए उपजिला अस्पताल बनिहाल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल परिचालक का उपचार जारी है। मृतक की पहचान राजस्थान के बाड़मेर निवासी सादिक खान के रूप में हुई है। वहीं, घायल परिचालक की पहचान सिकंदर के रूप में की गई है, जो बाड़मेर का ही निवासी बताया गया है।

हादसे के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

जम्मू के स्कूलों में अब अंकों के बजाय प्रतिभा और समझ को मिलेगी प्राथमिकता

रटने के बजाय समझ पर जोर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



जम्मू संभाग के स्कूलों में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति का आकलन अब केवल परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर नहीं होगा। विद्यार्थियों की विषय संबंधी समझ, तार्किक क्षमता, रचनात्मकता और सीखे गए ज्ञान को व्यावहारिक परिस्थितियों में इस्तेमाल करने की योग्यता पर भी ध्यान दिया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप मूल्यांकन व्यवस्था में बदलाव लाने के उद्देश्य से जम्मू में समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) और दक्षता आधारित मूल्यांकन पर दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम शुरू किया गया।

तालाब तिल्लो स्थित किसान केंद्र में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा आयुक्त सचिव राम निवास शर्मा ने की। स्कूल शिक्षा जम्मू के निदेशक एवं एससीईआरटी के निदेशक डा. नसीम जावेद चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जम्मू संभाग के मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य और क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया।

राम निवास शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत रटकर सीखने और परीक्षा केंद्रित पढ़ाई की प्रवृत्ति से आगे बढ़ना जरूरी है।

मुनाफे का लालच देकर साइबर ठग लगा रहे लोगों को चूना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



एआई निर्मित फोटो

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लोगों को फर्जी ट्रेडिंग ऐप और ऑनलाइन निवेश विज्ञापनों से सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस के अनुसार, साइबर ठग लोगों को कम समय में पैसा दोगुना करने और बिना जोखिम के भारी मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगी कर रहे हैं। मोबाइल पर आने वाले ऐसे संदेशों से सावधान रहें, जिनमें पांच हजार रुपये निवेश कर सात दिन में दस हजार रुपये पाने का दावा किया जाता है।

पुलिस ने बताया कि ठग असली निवेश कंपनियों जैसे दिखने वाले ऐप और वेबसाइट तैयार करते हैं। इनमें नाम, लोगो, ग्राफ और चार्ट का इस्तेमाल कर लोगों का भरोसा जीता जाता है। इसके बाद गारंटीड मुनाफे, तुरंत कमाई और सीमित समय में निवेश करने जैसे आकर्षक प्रस्ताव दिए जाते हैं। रोजाना 30 प्रतिशत तक लाभ या एक सप्ताह में रकम दोगुनी करने के दावे भी इसी जाल का हिस्सा हो सकते हैं।

ठगी के इस तरीके में शुरुआत में ऐप पर निवेश की रकम बढ़ती हुई दिखाई जाती है। कई बार भरोसा कायम करने के लिए छोटी रकम वापस भी कर दी जाती है। इसके बाद जब लोग बड़ी रकम निवेश कर देते हैं, तो ठग पैसे लेकर गायब हो जाते हैं। उनका मोबाइल नंबर बंद हो जाता है और वेबसाइट या ऐप काम करना बंद कर देता है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी कंपनी या निवेश मंच पर पैसा लगाने से पहले उसकी विश्वसनीयता की जांच करें। कंपनी के पंजीकरण और संबंधित नियामक संस्थाओं की जानकारी आधिकारिक माध्यमों से सत्यापित करें। बिना जोखिम के अधिक मुनाफे का दावा करने वाली योजनाओं से दूर रहें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी, पासवर्ड और ओटीपी साझा न करें। जल्दबाजी में निवेश करने का दबाव बनाने वाले प्रस्तावों पर भी भरोसा न करें।

डोडा में अनियंत्रित होकर पलटी गाड़ी, चार लोग हुए घायल

भारतेंदु संवाददाता, डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में मंगलवार को एक सड़क हादसे में दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। हादसा भल्ला क्षेत्र में शेनाई के पास उस समय हुआ, जब एक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और संबंधित अधिकारियों की मदद से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में घायल चारों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जा रही है। घायलों की पहचान आशिक हुसैन (35), पुत्र गुलाम रसूल, निवासी गोठा, भद्रवाह; मोहम्मद जावेद (48), पुत्र तालिब हुसैन, निवासी ब्रासू, भल्ला; उनकी पत्नी रुबीना बेगम (46) और इंशा (35), पत्नी राशिद अहमद, निवासी भद्रवाह के रूप में हुई है। हादसे में घायल दोनों महिलाओं को भी उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।



जनजागरण | जुमे के खुतबों से सामाजिक बदलाव की पहल, नशाखोरी और बुराइयों पर होगा प्रहार

मस्जिदों से उठेगी नशामुक्ति और सामाजिक सुधार की आवाज

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में मस्जिदों में शुक्रवार की नमाज के दौरान दिए जाने वाले धार्मिक उपदेशों यानी खुतबों में समन्वय स्थापित करने की पहल की जा रही है। जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड अपने अधीन आने वाली मस्जिदों में जुमे के खुतबों के लिए साझा विषय निर्धारित करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए धार्मिक विद्वानों की समिति गठित करने का प्रस्ताव है, जो तय करेगी कि इमाम और खतीब किन सामाजिक और समसामयिक मुद्दों को प्रमुखता दें। इस पहल का उद्देश्य धार्मिक मंचों के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाना और उपदेशों के दुरुपयोग की आशंका को रोकना है।

वक्फ बोर्ड के कार्यकारी अधिकारी इश्तियाक मोहि-उद-दीन ने विभिन्न जिलों के धार्मिक उपदेशकों के साथ ऑनलाइन बैठक में इस व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने वक्फ बोर्ड के दायरे से बाहर की मस्जिदों को भी इस पहल से जोड़ने के लिए सुझाव मांगे। इससे स्पष्ट है कि बोर्ड केवल अपने अधीन धार्मिक संस्थानों तक सीमित रहने के बजाय व्यापक स्तर पर धार्मिक नेतृत्व के साथ संवाद स्थापित करना चाहता है।



वक्फ बोर्ड की नई पहल से अलगाववादी एजेंडे पर लगेगा ब्रेक।

वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डा. सैयद दरख्शां अंद्राबी ने कहा कि खुतबे आस्था, समाज और क्षेत्र के भविष्य से जुड़े होते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पैगंबर मोहम्मद की शिक्षाओं से संबंधित पारंपरिक उपदेशों में बदलाव नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था में समसामयिक मुद्दों पर इमामों और खतीबों के बीच समन्वय स्थापित करने का प्रयास होगा। नशे की लत, महिलाओं से जुड़े प्रश्न और अन्य सामाजिक बुराइयां प्रमुख विषय हो सकते हैं।

अंद्राबी के अनुसार, विषयों का चयन धार्मिक विद्वानों की समिति करेगी। इसमें बोर्ड अध्यक्ष या अधिकारियों की सीधी भूमिका नहीं होगी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि साझा विषयों के निर्धारण के बाद स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपदेश देने की कितनी स्वतंत्रता रहेगी और व्यवस्था को सभी मस्जिदों तक किस तरह पहुंचाया जाएगा।

कश्मीर मामलों के जानकार रमीज मखदूमी ने कहा कि घाटी के राजनीतिक इतिहास में मस्जिदों की भूमिका को समझने के लिए वर्ष 2019 से पहले के घटनाक्रमों पर भी ध्यान देना होगा। अलगाववादी राजनीति, आतंकवाद और हिंसक प्रदर्शनों के विभिन्न दौर में धार्मिक पहचान और सामुदायिक नेटवर्क के इस्तेमाल को लेकर आरोप लगते रहे हैं।

गैर-वक्फ मस्जिदों तक पहुंचना चुनौती

प्रस्तावित पहल के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन मस्जिदों को साथ जोड़ना है, जो वक्फ बोर्ड के प्रत्यक्ष प्रशासनिक दायरे में नहीं आतीं। इसके लिए स्थानीय मस्जिद समितियों, इमामों और धार्मिक संगठनों के साथ संवाद जरूरी होगा। जम्मू संभाग और कश्मीर घाटी की स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विषयों का चयन करना भी महत्वपूर्ण रहेगा। धार्मिक विद्वानों की समिति को ऐसे मुद्दों पर ध्यान देना होगा, जिन पर व्यापक सहमति बन सके। साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता, स्थानीय जरूरतों और कानून के अनुरूप संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा, ताकि यह पहल सामाजिक जागरूकता, शांति और आपसी सद्भाव को मजबूत करने में मददगार साबित हो सके।

नेतृत्व और नैतिक

विकास के लिए भगवान श्रीराम से लें प्रेरणा



एआई निर्मित चित्र।

भगवान श्रीराम के गुणों को आधुनिक लीडरशिप, साइकोलॉजी और नैतिक विकास के थ्योरीटिकल फ्रेमवर्क से जोड़ने वाली इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च अभी सीमित है, जबकि यह आज की चुनौतियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

ओलिवेल (2017) के अनुसार, राम केवल पौराणिक किरदार नहीं हैं, बल्कि इंटीग्रेटेड एक्सीलेंस का उदाहरण हैं जो व्यक्तिगत क्षमता और सामाजिक मेलजोल की समझ देते हैं। राम के गुणों को वाल्मीकि रामायण, तुलसीदास की रामचरितमानस और अन्य पौराणिक स्रोतों में अलग-अलग दृष्टिकोण—ऐतिहासिक, फिलॉसॉफिकल, भक्ति और आध्यात्मिक-से समझा जा सकता है। डॉ. रॉबर्ट गोल्डमैन (1984) के अनुसार, विभिन्न वर्शन्स के बीच कमियों को समझने के लिए उन्हें पूरक के रूप में देखना आवश्यक है। अनुसंधान में हर्मेन्यूटिक एनालिसिस, कम्पेरेटिव एनालिसिस, क्रॉस-कल्चरल एनालिसिस और कॉन्सेप्चुअल इंटीग्रेशन का उपयोग किया गया। इन फ्रेमवर्क्स से राम के गुणों को सिस्टमैटिक रूप में कोड किया गया और उन्हें अलग-अलग थ्योरीटिकल लेंस से विश्लेषित किया गया। ब्रायमैन (2018) के 'थ्योरीटिकल ट्रायंगुलेशन' के अनुसार, एक ही घटना को कई दृष्टिकोण से देखना गहरी समझ देता है। राम के गुणों का विश्लेषण चार स्तरों पर किया गया- व्यक्तिगत, सामाजिक, कॉस्मिक और ट्रांसेंडेंट।

डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार, राम का सत्यव्रत केवल झूठ से दूर रहना नहीं बल्कि सभी स्तरों पर सच्चाई के साथ तालमेल बनाना है। यह कॉग्निटिव कंसिस्टेंसी (फेस्टिंगर, 1957) के सिद्धांत से मेल खाता है, जिसमें विश्वास, भावना और कर्म में तालमेल होता है। सियालडिनी (2016) के 'प्री-सुएशन' सिद्धांत से पता चलता है कि यह कंसिस्टेंसी दूसरों में भरोसे और प्रभाव का माहौल बनाती है। फ्रैंकफर्ट (2018) के ट्रूथ स्टडीज के अनुसार, राम की सत्यनिष्ठा केवल सटीकता नहीं बल्कि वास्तविकता के प्रति झुकाव है।

राम का धर्म केवल नियम पालन नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार नैतिक और न्यायसंगत निर्णय लेने की क्षमता है। यह 'सिचुएशनल विजडम' और जॉन रॉल्स के 'रिफ्लेक्टिव इक्विलिब्रियम' के समान है। स्वामी विवेकानंद (1896) के अनुसार, राम धर्म में दुनियावी तालमेल और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता का उदाहरण हैं। मार्था नुसबौम (2021) की कैपेबिलिटीज थ्योरी के दृष्टिकोण से, राम की नैतिकता पारंपरिक नियमों और कॉन्टेक्स्टुअल एप्लीकेशन के बीच संतुलन दिखाती है।

राम नाम के जप से व्यक्ति में मानसिक और शारीरिक लाभ होते हैं। स्वर विज्ञान के अनुसार, मंत्रों में सही स्वर और उच्चारण से लाभ होता है। राम नाम जपने से मानसिक शांति, आनंद, नियंत्रित वाणी, कम भूख और अधिक ध्यान की क्षमता विकसित होती है।

यह अभ्यास व्यक्ति में लालच और चिंता को कम करता है और कर्म में पूर्ण समर्पण और निस्वार्थता लाता है। धीरे-धीरे राम नाम का जप व्यक्तिगत क्रेडिट लेने की प्रवृत्ति कम करता है और समाधि, ध्यान और योग के अनुभव को स्वाभाविक रूप से बढ़ाता है।

कुल मिलाकर, भगवान श्रीराम के गुण और उनका व्यवहार आधुनिक लीडरशिप, साइकोलॉजी और नैतिक विकास के लिए आज भी प्रेरणादायक हैं। उनके जीवन और शिक्षा से यह सिद्ध होता है कि सत्य, धर्म और सामाजिक संतुलन के सिद्धांत व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर कार्यात्मक और सार्वकालिक हैं। राम का आदर्श केवल धार्मिक या सांस्कृतिक उदाहरण नहीं, बल्कि व्यावहारिक जीवन, नेतृत्व और नैतिकता का जीवंत मॉडल है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



संजय गोस्वामी
स्वतंत्र लेखक

मधुमेह में आँखों की सेहत, धुंधला दिखने का इंतजार न करें!

हममें से अधिकतर लोग ऐसे किसी न किसी व्यक्ति को जानते हैं, जिसे मधुमेह की समस्या है। आमतौर पर इसे रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ने से जुड़ी बीमारी माना जाता है, लेकिन लंबे समय तक रक्त शर्करा अधिक रहने से आँखों के पीछे मौजूद रेटिना की छोटी रक्त वाहिकाएँ भी क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इस स्थिति को 'डायबिटिक रेटिनोपैथी' कहा जाता है। यह मधुमेह से पीड़ित लोगों में दृष्टि हानि के प्रमुख कारणों में से एक है। चिंता की बात यह है कि शुरुआत में इसके स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। इसलिए आँखों की रोशनी सामान्य होने पर भी बीमारी का खतरा बना रह सकता है।

मधुमेह से पीड़ित लोगों को साल में कम से कम एक बार पुतलियाँ फैलाकर आँखों की जाँच करानी चाहिए। हालाँकि, जाँच की अवधि और तरीका चिकित्सक की सलाह के अनुसार तय किया जाना चाहिए। इस दौरान नेत्र विशेषज्ञ रेटिना की स्थिति का आकलन करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर उसकी तस्वीर भी लेते हैं। इससे आँखों में हो रहे बदलावों का शुरुआती चरण में पता लगाया जा सकता है, जब उपचार अधिक प्रभावी साबित हो सकता है। केवल सामान्य दृष्टि परीक्षण से रेटिना के स्वास्थ्य की पूरी जानकारी नहीं मिलती।

आँखों की सुरक्षा के लिए मधुमेह को नियंत्रित रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए खानपान और जीवनशैली पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मीठी चाय, मिठाइयाँ, बेकरी के खाद्य पदार्थ और चावल का अत्यधिक सेवन रक्त शर्करा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए संतुलित भोजन करें, हरी सब्जियों और पौष्टिक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दें तथा अतिरिक्त चीनी का सेवन कम रखें।



एआई निर्मित चित्र।

नियमित रूप से टहलना और हल्का व्यायाम करना भी लाभकारी है। इसके साथ ही रक्त शर्करा, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की जाँच कराते रहना चाहिए। चिकित्सक द्वारा निर्धारित दवाएँ या इंसुलिन समय पर लें और बिना सलाह उनकी मात्रा में बदलाव न करें। तंबाकू के सभी रूपों से दूरी बनाना भी आवश्यक है, क्योंकि इससे रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुँच सकता है।

आँखों से जुड़े कुछ लक्षणों को

विधि शर्मा
ऑप्टोमेट्री विभाग, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, पंजाब, भारत

नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। धुंधला दिखाई देना, दृष्टि में अचानक बदलाव आना, आँखों के सामने काले धब्बे या तैरते हुए आकार दिखना और रात में देखने में परेशानी होना ऐसे संकेत हैं, जिन पर ध्यान देना चाहिए। ऐसी स्थिति में जल्द से जल्द नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें। यदि अचानक दृष्टि चली जाए, तो यह आपात स्थिति है और तत्काल चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।

आँखों की नियमित जाँच के प्रति जागरूकता बढ़ाने में परिवार और समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। कई लोग दूरी, खर्च या लक्षण दिखाई न देने के कारण जाँच टाल देते हैं। परिवार के सदस्य मधुमेह से पीड़ित बुजुर्गों को समय पर जाँच कराने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। स्वास्थ्यकर्मी, फार्मासिस्ट और नेत्र चिकित्सक भी लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक कर सकते हैं। समय रहते बीमारी का पता चलने पर उचित उपचार और निगरानी से दृष्टि को सुरक्षित रखने की संभावना बढ़ जाती है।

मधुमेह की देखभाल का अर्थ केवल रक्त शर्करा को नियंत्रित रखना नहीं, बल्कि शरीर के सभी महत्वपूर्ण अंगों की सुरक्षा करना भी है। लंबे समय तक अनियंत्रित मधुमेह हृदय, गुर्दे और नसों के साथ आँखों को भी प्रभावित कर सकता है। कई बार व्यक्ति स्वयं को स्वस्थ महसूस करता है, लेकिन आँखों के भीतर बीमारी धीरे-धीरे बढ़ रही होती है। इसलिए लक्षणों की प्रतीक्षा करना समझदारी नहीं है। चिकित्सक की सलाह, नियमित दवाएँ, संतुलित आहार और शारीरिक सक्रियता मधुमेह को बेहतर ढंग से नियंत्रित रखने में मदद करते हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

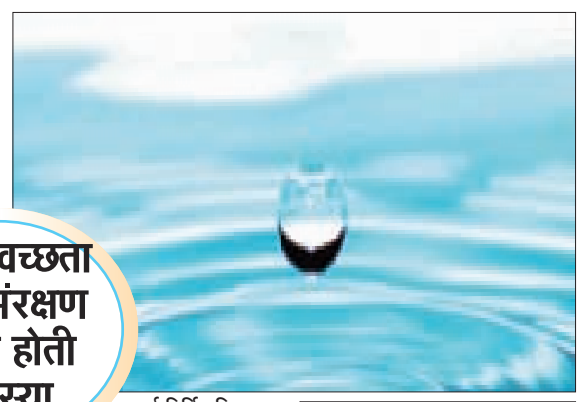
जल संरक्षण के दावे प्यासे भविष्य की आहट

जल स्वच्छता और संरक्षण गंभीर होती समस्या

सुक्खू सरकार जल स्वच्छता को लेकर गंभीर होती नजर आ रही है। जल स्रोतों की समय पर जांच और रखरखाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक योजना बनाई गई है, जो निस्संदेह सराहनीय पहल है। योजना के तहत अब प्रत्येक दस दिनों के अंतराल पर जल शक्ति विभाग के अधिकारी जल स्रोतों की जांच करेंगे।

विभाग द्वारा अब तक 2,16,382 पानी के सैंपलों की जांच की जा चुकी है, जिनमें कई नमूने निर्धारित पांच मानकों पर खरे नहीं उतरे। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि दूषित पानी पीने से ही सबसे अधिक बीमारियां फैलती हैं। आज के समय में लोग बीमारियों से बचने के लिए मिनरल वाटर को प्राथमिकता देने लगे हैं, लेकिन यह हर किसी के लिए संभव नहीं है। गरीब व्यक्ति के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना ही कठिन होता है, ऐसे में मिनरल वाटर खरीदना उसके सामर्थ्य से बाहर है।

मजबूरी में वह वही पानी पीता है, जो उपलब्ध होता है, चाहे वह स्वच्छ हो या नहीं। बरसात के मौसम में प्राकृतिक जल स्रोतों में कच्चा और गंदा पानी भर जाता है। यदि समय रहते इसकी जांच और सफाई न हो, तो इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। बरसात के दिनों में दूषित पानी पीने से तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, पानी में यूरेनियम की अधिक मात्रा होने से मानव शरीर की किडनियां तक



एआई निर्मित चित्र।

खराब हो सकती हैं। इसके बावजूद जल भंडारण टैंकों की सफाई का कोई स्पष्ट और सार्वजनिक शेड्यूल सामने नहीं आता।

इस मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पहले भी कड़ा रुख अपनाया था और पूर्व प्रदेश सरकार को फटकार लगाई थी। एनजीटी ने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि एसओपी बनाकर प्रत्येक माह जल भंडारण टैंकों की सफाई सुनिश्चित की जाए। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर इन निर्देशों का पूर्ण पालन होता नहीं दिख रहा।

आज स्थिति यह है कि धरती के भीतर से निकलने वाले पानी को लोग बेकार बहा रहे हैं और आसमानी पानी को भविष्य के लिए बचाने की केवल योजनाएं बनाई जा रही हैं। भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है और यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। पानी की एक-एक बूंद अमूल्य है, लेकिन हम इसकी वास्तविक कीमत नहीं समझ पा रहे हैं। 'जल ही जीवन है' जैसे नारे कहने और पढ़ने तक ही सीमित रह गए हैं। सिर्फ जनता ही नहीं, बल्कि विभागीय लापरवाही भी जल संकट को बढ़ावा दे रही है। जगह-जगह पाइप लाइनों में रिसाव होता रहता है, लेकिन उन्हें ठीक करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती। ऐसे में जल संरक्षण अभियानों की सार्थकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

घटते जंगल और बढ़ता अवैध खनन भी जल स्रोतों के सूखने का बड़ा कारण बन चुके हैं। जब भी प्रकृति से खिलवाड़ किया गया है, उसके दुष्परिणाम इंसान को ही भुगतने पड़े हैं। सरकारों ने करोड़ों रुपए खर्च कर जल स्रोत तो बनाए, लेकिन समुचित संरक्षण के अभाव में पानी की समस्याएं और गहराती चली गईं। नलकूप, हैंडपंप, कूहलें, तालाब, बावड़ियां और कुएं तक सूखने की कगार पर पहुंच चुके हैं। कई जल योजनाएं बिना पानी के 'सफेद हाथी' साबित हो रही हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



सुखदेव सिंह
नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

रिश्ते तभी जीवत रहते हैं, जब उनमें सम्मान और संवाद हो



एआई निर्मित चित्र।

आज का युग हर क्षेत्र में तीव्र गति को ही प्रगति का पर्याय मानने लगा है। ठहराव, संतोष और संवेदनशीलता जैसे मूल्य मानो पीछे छूटते जा रहे हैं। विज्ञान और तकनीक के इस मशीनी दौर ने मानव जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन साथ ही मनुष्य को कहीं-न-कहीं असंवेदनशील और कठोर भी बना दिया है। जीवन का कोई क्षेत्र इससे अछूता नहीं रहा-यहां तक कि हमारे सबसे कोमल और संवेदनशील रिश्ते भी इसकी चपेट में हैं। आज रिश्ते जितनी तेजी से बनते हैं, उससे कहीं अधिक तेजी से टूट भी जाते हैं। माता-पिता, भाई-बहन और पति-पत्नी जैसे निकट संबंधों में भी बिखराव आम होता जा रहा है। परिवर्तनशील वातावरण और बढ़ती आवश्यकताओं ने जीवन को जटिल बना दिया है। वर्तमान परिस्थितियों में परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पति-पत्नी दोनों का काम करना आवश्यक हो गया है। यह समय की मांग भी है, किंतु परिवार का अर्थ केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं है। परिवार का वास्तविक स्वरूप तभी सार्थक होता है,

जब उसमें मानसिक और भावनात्मक सहयोग भी समान रूप से मौजूद हो। एक-दूसरे का साथ, समझ और सम्मान-यही किसी भी परिवार की नींव होते हैं। जैसे जीवन के लिए सांस जरूरी है, वैसे ही रिश्तों के लिए सहयोग और एकता अनिवार्य है।

दुर्भाग्यवश, आज के समाज में रिश्तों को सहेजना और उनका सम्मान करना एक बड़ी चुनौती बन गया है। यदि हम प्रकृति और जीव-जगत की ओर देखें, तो वहां से हमें रिश्तों को निभाने की अद्भुत सीख मिलती है। यह धरती केवल मानव की नहीं, बल्कि असंख्य जीवों का साझा घर है। चींटियां, बंदर और हाथी जैसे जीव अपने व्यवहार से सहयोग, एकता और समर्पण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। चींटियां मिलकर अपना घर बनाती हैं, भोजन का प्रबंध करती हैं और अनुशासन के साथ एक इकाई की तरह कार्य करती हैं। देखने में तुच्छ लगने वाली ये चींटियां हमें सिखाती हैं कि व्यक्तिगत हित, सामूहिक हितों के सामने नगण्य होते हैं।



लता कुमारी धीमान

इसी प्रकार बंदर और हाथी समूह में रहकर एक-दूसरे को सुरक्षा और सहयोग का एहसास कराते हैं। ये जीव अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर समुदाय की भलाई को सर्वोच्च मानते हैं, और इसी कारण बड़ी-से-बड़ी चुनौतियों का सामना सहजता से कर लेते हैं। मानव संबंधों की मजबूती का आधार भी यही मूल्य हैं-सहयोग, समर्थन, स्नेह और देखभाल।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)



कविता

प्रेम

देशराज कमल, प्रधानाचार्य राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भुक्कड़, जिला हमीरपुर

प्रेम केवल किसी को पाने का नाम नहीं,
बल्कि स्वयं को किसी के एहसास में खोकर एक नई पहचान पाने का अनुभव है। प्रेम विरह की अग्नि में तपकर और भी निर्मल होता है। इसमें पीड़ा भी है और आनंद भी,
क्योंकि दोनों का संबंध हृदय की गहराइयों से जुड़ा होता है।
सच्चा प्रेम दो आत्माओं के बीच ऐसा अनंत बंधन है,
जिसे समय, दूरी और परिस्थितियां भी समाप्त नहीं कर सकतीं।
प्रेम की अनुभूति इतनी पवित्र होती है कि इसमें छल, स्वार्थ और अहंकार के लिए कोई स्थान नहीं रहता।
काया भले ही समय के साथ बदल जाए,
लेकिन आत्मा में बसा प्रेम अपनी सुगंध कभी नहीं खोता। माया की दुनिया में प्रेम को छलना संभव हो सकता है,
लेकिन उसके सच्चे एहसास को मिटाना असंभव है। प्रेम तो प्राणों का प्राणों से ऐसा अनुबंध है, जिसमें दो अलग अस्तित्व एक ही भाव में समाहित हो जाते हैं।
प्रेम भावों के अथाह सागर में तैरने की कला है।
इसमें स्वयं को मिटाकर अपने भीतर छिपे सत्य को पहचानने का अवसर मिलता है। प्रेम मनुष्य को ज्ञात से अज्ञात की ओर ले जाता है, जहां शब्द मौन हो जाते हैं और अनुभूतियां बोलने लगती हैं।
यहां समय की सीमाएं भी अर्थहीन हो जाती हैं,
क्योंकि प्रेम किसी घड़ी का मोहताज नहीं होता।
वास्तव में प्रेम आत्मा की वह पुकार है,
जो अंतत: परमात्मा से मिलन का मार्ग बनती है। यह जीवन का सबसे सुंदर सत्य है, जहां पीड़ा भी प्रार्थना बन जाती है और विरह भी मिलन की अनुभूति देने लगता है।

संपादकीय

अधिकार भी, जिम्मेदारी भी

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पिछले एक सप्ताह से देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली बना हुआ है। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल करते समय आम जनता की सुविधाओं और सार्वजनिक व्यवस्था का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है। जब किसी मुद्दे पर न्यायिक प्रक्रिया चल रही हो, तब विरोध के तरीकों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में होने वाले प्रदर्शनों का असर केवल आंदोलनकारियों तक सीमित नहीं रहता। सड़कों पर जाम लगने से कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, मरीजों और रोजगार के काम से घरों से निकलने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

यातायात बाधित होने से लोगों का समय और ईंधन बर्बाद होता है। कारोबार प्रभावित होता है और कई बार आवश्यक सेवाओं तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है। सवाल यह है कि किसी राजनीतिक या संवैधानिक मुद्दे पर विरोध दर्ज कराने की कीमत आम नागरिक क्यों चुकाएं?

एसआईआर को लेकर उठाई जा रही आपत्तियों और मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका से जुड़े सवालों पर संबंधित पक्षों को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा लोकतंत्र की बुनियादी जरूरतें हैं।

इन विषयों पर उठने वाले सवालों की जांच और उनका समाधान भी जरूरी है। हालांकि, जब मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन हो, तब न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा रखते हुए उसके निष्कर्ष की प्रतीक्षा करना अधिक विवेकपूर्ण होगा। अदालत के समक्ष अपना पक्ष और साक्ष्य रखने का रास्ता खुला है। ऐसे में लगातार सड़कों पर उतरकर दबाव बनाने की रणनीति कितनी उचित है, इस पर आंदोलनकारियों को आत्ममंथन करना चाहिए।

दरअसल, लगातार होने वाले प्रदर्शनों में भीड़ बढ़ने के साथ असामाजिक तत्वों के घुसपैठ करने और स्थिति का अनुचित लाभ उठाने की आशंका भी बनी रहती है। ऐसी परिस्थितियों में मामूली विवाद अव्यवस्था का रूप ले सकता है। इसलिए राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों को विरोध के ऐसे तरीके अपनाने चाहिए, जिनसे उनकी बात भी लोगों तक पहुंचे और जनजीवन भी प्रभावित न हो। निर्धारित स्थानों पर सांकेतिक धरना, शांतिपूर्ण सभा और संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से अपनी मांगें रखना इसके विकल्प हो सकते हैं।

लोकतंत्र में असहमति का सम्मान होना चाहिए। सरकार, निर्वाचन आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज पर सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार है। साथ ही, संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे उठाई गई आशंकाओं का तथ्यात्मक जवाब दें और मतदाताओं के बीच भरोसा कायम रखने के प्रयास करें।

पारदर्शिता और संवाद से विवादों को कम किया जा सकता है। किसी भी संवैधानिक प्रक्रिया को लेकर संदेह उत्पन्न होने पर तथ्यों के आधार पर उसका समाधान तलाशना आवश्यक है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। आंदोलन करने वाले संगठनों को यह समझना होगा कि उनके विरोध का प्रभाव उन लोगों पर भी पड़ता है, जिनका विवाद से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। सार्वजनिक मार्गों को बाधित करना और आम लोगों की दिनचर्या प्रभावित करना किसी भी मुद्दे के समाधान का प्रभावी तरीका नहीं कहा जा सकता। विरोध ऐसा होना चाहिए, जिससे संबंधित पक्षों तक बात पहुंचे और जनसुविधाओं को अनावश्यक नुकसान न हो।

सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय इस विवाद के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण हो सकता है। इसलिए न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने तक संयम बरतना और आम जनता को परेशानी से बचाना सभी पक्षों की जिम्मेदारी है। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान जरूरी है, लेकिन असहमति व्यक्त करने का तरीका भी उतना ही महत्वपूर्ण है। न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा, तथ्यों पर आधारित संवाद और जनसुविधाओं का सम्मान ही किसी लोकतांत्रिक आंदोलन की वास्तविक मर्यादा है।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

नव्या का सिनेमाई सफर

नव्या नायर भारतीय अभिनेत्री हैं, जिन्होंने मुख्य रूप से मलयालम सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है। इसके अलावा वह कुछ कन्नड़ और तमिल फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी हैं। उनका जन्म 14 अक्टूबर 1985 को केरल के अलप्पुझा जिले के चेप्पाड में धन्या वीणा के नाम से हुआ था। उनके पिता राजू नायर दूरसंचार विभाग में कार्यरत थे, जबकि उनकी मां वीणा एक विद्यालय में शिक्षिका थीं। उनके भाई राहुल आर. नायर दुबई में रहते हैं। फिल्म निर्देशक के. मधु उनके मामा हैं।



नव्या नायर
जन्म : 14 अक्टूबर 1985

नव्या की शुरुआती पढ़ाई केरल में हुई। उन्होंने कायमकुलम के सेंट मैरी गर्ल्स हाई स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। बचपन से ही उनकी रुचि शास्त्रीय नृत्य में थी। पढ़ाई के दौरान उन्होंने जिला स्तरीय विद्यालय युवा महोत्सव में 'कलातिलकम' का खिताब भी जीता। बाद में उन्होंने कायमकुलम के एमएसएम हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई की। उनकी मां भी इसी विद्यालय में शिक्षिका थीं। नव्या ने अंग्रेजी विषय में स्नातक की डिग्री हासिल की और इसके बाद वित्त विषय में एमबीए किया।

फिल्मी दुनिया में कदम रखने के दौरान निर्देशक सिबी मलयिल ने उनके लिए 'नव्या नायर' नाम चुना। उनका मानना था कि धन्या नाम अभिनेत्री के रूप में उनकी पहचान के अनुकूल नहीं था। इसके बाद नव्या ने इसी नाम से फिल्म जगत में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अपने अभिनय के माध्यम से मलयालम सिनेमा में लोकप्रियता हासिल की और दर्शकों के बीच अपनी अलग जगह बनाई।

नव्या नायर ने 21 जनवरी 2010 को संतोष मेनन से विवाह किया। संतोष मुंबई में रहने वाले मलयाली हैं। उसी वर्ष उनके बेटे साई कृष्ण का जन्म हुआ। अभिनय के साथ-साथ नव्या की शास्त्रीय नृत्य में रुचि भी उनकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। मलयालम फिल्मों में प्रमुखता से काम करने वाली नव्या नायर का सफर शिक्षा, नृत्य और अभिनय के विभिन्न अनुभवों से जुड़ा रहा है। कन्नड़ और तमिल फिल्मों में उनकी मौजूदगी ने उनके अभिनय के दायरे को भी विस्तार दिया।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

तीर्थन घाटी के अमर सिंह ठाकुर को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान, 'नेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड'



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। तीर्थन घाटी के गांव मनौनी निवासी समाजसेवी अमर सिंह ठाकुर को सामाजिक सेवा, मानवाधिकार संरक्षण और जन-जागरूकता के क्षेत्र में योगदान के लिए सत्यमेव जयते नेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 11 अक्टूबर को ग्रेटर नोएडा के रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान मिला। अमर सिंह भारतीय पैरामेडिकल एसोसिएशन की जिला कुल्लू इकाई के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण परिषद में प्रदेश के राज्य उपनिदेशक हैं।

अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस 2026 का आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत, शिमला ने राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मशोबरा के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस 2026 मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपदा से बचाव, तैयारी और सुरक्षित प्रतिक्रिया के प्रति जागरूक करना था। विद्यालय की प्रधानाचार्य मीनाक्षी सूद ने विद्यार्थियों से अपने परिवार और समुदाय में सुरक्षा जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। मेरा युवा भारत के उपनिदेशक विपिन कुमार ने आपदा प्रबंधन में युवाओं और स्वयंसेवकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। हिमाचल प्रदेश होमगार्ड तृतीय वाहिनी के प्लाटून हवलदार मनोज कुमार और रमेश ठाकुर ने तकनीकी सत्र में भूकंप, भूस्खलन और आग से बचाव के उपाय बताए। इस दौरान भूकंप सुरक्षा और सुरक्षित निकासी की मॉक ड्रिल भी करवाई गई।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के स्पीति प्रवास को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, काजा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के 14 अक्टूबर को स्पीति प्रवास को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय काजा में समीक्षा बैठक हुई। परियोजना अधिकारी अश्वनी कुमार ने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रंगरिक में सौर ऊर्जा संयंत्र और सड़कों का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, जनसभा और जनसंवाद कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री सुक्खू स्पीति में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जनसभा को संबोधित कर स्थानीय लोगों से संवाद करेंगे।

बिलासपुर के बाबा नरसिंह मंदिर में 25वें दुर्गा पूजा एवं शारदोत्सव का भव्य आगाज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बाबा नरसिंह मंदिर परिसर में दुर्गा पूजा समिति की ओर से 25वां दुर्गा पूजा एवं शारदोत्सव उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। समिति अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा ने बताया कि बंगाल की तर्ज पर शुरू हुआ यह आयोजन 25 वर्ष पूरे कर चुका है। इस बार बंगाल से आई महिलाएं पारंपरिक प्रस्तुतियों से संस्कृति की झलक दिखाएंगी। नवरात्र के पहले दिन 500 महिलाओं ने पीले वस्त्र पहनकर कलश यात्रा निकाली। नौ देवियों के साथ भारत माता की विशेष पूजा होगी। महाअष्टमी पर सभी वर्गों की कन्याओं का पूजन होगा। 20 अक्टूबर को विसर्जन शोभायात्रा और भंडारा आयोजित किया जाएगा।

हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की शिकायत से मचा हड़कंप

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल हमीरपुर में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र ने सीनियर छात्रों पर मानसिक प्रताड़ना और दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं। शिकायत के बाद एंटी रैगिंग कमेटी ने जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि शनिवार को द्वितीय वर्ष के छह से अधिक छात्रों ने रैगिंग की। सोमवार को कमेटी ने संदिग्ध छात्रों को बंद कमरे में बुलाकर पूछताछ की और उनके बयान दर्ज किए। शिकायत लिखित रूप में मिलने और ई-मेल से गुमनाम शिकायत आने की बात सामने आई है। प्राचार्य डॉ. रमेश भारती ने बताया कि जांच जारी है। दोषी पाए जाने पर संबंधित छात्र के खिलाफ निष्कासन तक की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल किसी छात्र की दोषसिद्धि नहीं हुई है।

सीएससी से ग्रामीण नागरिकों को घर-द्वार पर मिल रहीं डिजिटल सेवाएं

14.89 करोड़ से जिले में स्थापित किए गए 304 कॉमन सर्विस सेंटर



कांगड़ा में सीएससी से ग्रामीणों को घर के पास मिल रहीं सरकारी सेवाएं।

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) नेटवर्क के समन्वय से कांगड़ा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा मिल रहा है। इस पहल से ग्रामीणों को सरकारी सुविधाएं नजदीक उपलब्ध होने के साथ युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

जिला पंचायत अधिकारी सचिन ठाकुर ने बताया कि कांगड़ा में वर्तमान में 304 कॉमन सर्विस सेंटर कार्यरत हैं। इनकी स्थापना और संबंधित गतिविधियों पर अब तक 14 करोड़ 89 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। आरजीएसए के तहत ग्राम पंचायत भवनों में सीएससी स्थापित कर उन्हें डिजिटल सेवा केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से 170 से अधिक डिजिटल और ई-गवर्नेंस सेवाएं उपलब्ध करवाने की व्यवस्था है। इनमें आधार नामांकन व बायोमेट्रिक अपडेट, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं, डिजी-पे से नकद निकासी, ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाएं तथा जन्म, मृत्यु, आय और जाति प्रमाण-पत्र से संबंधित सुविधाएं शामिल हैं। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए शहरों और सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। सीएससी के संचालन में विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर (वीएलई) अहम भूमिका निभा रहे हैं। धर्मशाला के समीप बल्ला जदरांगल में सीएससी संचालक स्नातक मनोज कुमार और चैतड़ू में संचालक साहिल, जो सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक और एमबीए हैं, ने बताया कि इस पहल से उन्हें घर के नजदीक स्वरोजगार मिला है। वे ग्रामीणों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध करवाकर अपनी आजीविका चला रहे हैं।

बल्ला जदरांगल की रूचि और सीमा तथा चैतड़ू की पलक ने बताया कि गांव के पास सीएससी सुविधा मिलने से समय और आने-जाने के खर्च की बचत होती है। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बताया कि सीएससी को धीरे-धीरे पंचायत मुख्यालयों में स्थापित करने की दिशा में कार्य जारी है। पंचायत भवनों में बिजली, इंटरनेट और अन्य सुविधाएं मजबूत करने के साथ वीएलई व पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य सरकारी सेवाओं को लोगों के घर-द्वार के नजदीक पहुंचाना है। पंचायत भवनों में सीएससी स्थापित होने से ग्रामीणों को डिजिटल सेवाएं मिलेंगी और युवाओं को स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दें पंचायत प्रतिनिधि : त्रिलोक जमवाल

◆ घुमारवीं में विकास कार्यों की समीक्षा करते विधायक

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं (बिलासपुर)। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक त्रिलोक जमवाल ने पंचायत प्रतिनिधियों और पंचायती राज विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक ने मंगलवार को घुमारवीं स्थित खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) कार्यालय में समीक्षा बैठक कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और लंबित कार्यों को गुणवत्ता तथा समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान पंचायतों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की स्थिति पर चर्चा की गई। विधायक ने अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि विकास योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए विभागीय अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को केवल कागजों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें निर्धारित समयसीमा में धरातल पर पूरा किया जाना चाहिए। त्रिलोक जमवाल ने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण इकाई हैं और इनके प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे स्थानीय जरूरतों को समझते हुए जनकल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित योजनाओं में आ रही बाधाओं की पहचान कर उनका समाधान किया जाए, ताकि विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। विधायक ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण किया जाना चाहिए और निर्धारित मानकों के अनुरूप काम सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों से आपसी तालमेल के साथ कार्य करने तथा जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने का आह्वान किया गया।

बालोह फोरलेन पर 10.61 ग्राम चिट्टे के साथ मंडी के दो युवक गिरफ्तार



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बालोह फोरलेन पर मलयावर लिंक रोड के पास नाकाबंदी के दौरान एक वाहन से 10.61 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में मंडी जिला के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ घुमारवीं पुलिस थाना में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विशेष जांच टीम फोरलेन पर वाहनों की नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान संदेह के आधार पर एक वाहन को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन में सवार युवकों के कब्जे से 10.61 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शुभम द्विवेदी पुत्र स्वर्गीय युगल किशोर, निवासी गांव व डाकघर बग्गी, तहसील बल्ह, जिला मंडी और रोहित वर्मा पुत्र बालकृष्ण, निवासी दरबाथू-बग्गी, डाकघर लुहारा, तहसील बल्ह, जिला मंडी के रूप में हुई है।

इस मामले में पुलिस थाना घुमारवीं में एफआईआर संख्या 213/2026 दर्ज की गई है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की गहनता से जांच जारी है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी चिट्टा कहां से लाए थे और इसकी आपूर्ति किसे की जानी थी।

जोगिंद्रनगर में रंगोत्सव प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

जितेंदर कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जोगिंद्रनगर में जोनल स्तरीय रंगोत्सव प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें ढंग-1, ढंग-2, चौंतड़ा-1 और चौंतड़ा-2 शिक्षा खंडों के पहली से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने समूह गान, एकल गान, रंगोली और चित्रकला में प्रतिभा दिखाई। प्राथमिक वर्ग के समूह गान में ढंग-2 की राजकीय प्राथमिक पाठशाला कुफरी की शिवन्या, इशिता और चंद्रिका प्रथम रहीं। माध्यमिक वर्ग में ढंग-1 की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लपास की पलक, प्रिया, गोपी और मानवी ने पहला स्थान हासिल किया। रंगोली में आरती और खुशबू प्रथम रहीं। कतरन चित्र प्रतियोगिता में नक्श और द्विआयामी चित्रकला में सुसनिका ने पहला स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि गोपाल राव ने विजेताओं को सम्मानित किया। प्रधानाचार्य खजान ठाकुर ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ती हैं।

पीडब्ल्यूडी का कमाल पहले कंक्रीट वर्क फिर पेवर डालें अब कर दी ऊपर से टायरिंग

पेवर टाइलों के ऊपर टारिंग कराने और खर्च की उच्चस्तरीय जांच की मांग



250 मीटर सड़क पर 300 डेलिनेटर लगाने पर उठे सवाल।

रितेश चौहान, भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। सरकाघाट लोक निर्माण विभाग के तहत विश्राम गृह तक जाने वाली करीब 250 मीटर सड़क पर किए गए निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि विभाग ने पहले सड़क पर सीसी वर्क करवाया, फिर पेवर टाइलें बिछाईं और बाद में उनके ऊपर टारिंग करवा दी। इसके अलावा सड़क के दोनों तरफ 300 डेलिनेटर लगाए गए। स्थानीय लोगों ने इस कार्य पर लाखों रुपये खर्च किए जाने और इसकी जरूरत पर सवाल उठाए हैं।

हादसे वाली जगह सुरक्षा इंतजाम नहीं: करीब एक साल पहले सरकाघाट की मसैरन पंचायत के तालनगरा गांव के पास एचआरटीसी बस दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वहां अब तक क्रैश बैरियर नहीं लगाए गए, जबकि विश्राम गृह की सड़क पर लगातार काम करवाया गया। लोगों का कहना है कि क्षेत्र की कई सड़कें बदहाल हैं और उन पर पैचवर्क तक नहीं हो रहा। उनका दावा है कि विश्राम गृह की सड़क पर खर्च राशि से अन्य सड़कों की मरम्मत की जा सकती थी।

अधिशासी अभियंता ने दी सफाई: लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता भूपेंद्र कुमार ने बताया कि सीसी वर्क और पेवर टाइलों के स्तर में अंतर था। वाहनों को फिसलने से बचाने के लिए टारिंग करवाई गई। उन्होंने कहा कि डेलिनेटर विभाग के स्टोर में उपलब्ध थे और क्रैश बैरियर की तुलना में कम खर्चीले थे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के कारण काम जल्द करवाना पड़ा।

विधानसभा में उठेगा मामला: विधायक दिलीप ठाकुर ने आरोप लगाया कि क्षेत्र की पंचायतों की सड़कें खराब हैं, लेकिन विश्राम गृह की सड़क पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए इसे विधानसभा में उठाने का ऐलान किया है।

क्षतिग्रस्त झलोगी टनल का डिजाइन तैयार करेंगे ऑस्ट्रिया के विशेषज्ञ



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर क्षतिग्रस्त झलोगी टनल के पुनर्निर्माण और सुरक्षित संचालन के लिए अब ऑस्ट्रिया के विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। टनल का नया डिजाइन तैयार करने की योजना है, ताकि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखकर बेहतर तकनीकी समाधान निकाला जा सके। प्रारंभिक डिजाइन में टनल का मुहाना मौजूदा स्थान से करीब 500 मीटर आगे बनाने का सुझाव दिया गया है। इससे टनल की कुल लंबाई लगभग 300 मीटर बढ़ने की संभावना है।

झलोगी टनल कीरतपुर-मनाली फोरलेन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके क्षतिग्रस्त होने के बाद संरचनात्मक सुरक्षा और पहाड़ी क्षेत्र की भूगर्भीय परिस्थितियों को लेकर सवाल उठे हैं। ऐसे में नए डिजाइन में पहाड़ की स्थिति, चट्टानों की मजबूती, निर्माण की व्यवहारिकता और भविष्य में यातायात को सुरक्षित बनाए रखने जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रारंभिक सुझाव के अनुसार, टनल का प्रवेश द्वार करीब 500 मीटर आगे स्थानांतरित किया जा सकता है। हालांकि, इस बदलाव के बावजूद इसकी कुल लंबाई लगभग 300 मीटर बढ़ने का अनुमान है। प्रस्तावित बदलाव के तहत टनल के मुहाने के साथ उसके अलाइनमेंट में भी संशोधन किया जा सकता है। इसका उद्देश्य जोखिम वाली भूगर्भीय परिस्थितियों से बचते हुए अधिक सुरक्षित विकल्प तलाशना है।

नई योजना से टनल की सुरक्षा और बढ़ेगी मजबूती

पहाड़ी क्षेत्रों में टनल निर्माण के दौरान भूस्खलन, चट्टानों की कमजोर स्थिति और पानी के रिसाव जैसे जोखिमों का आकलन बेहद जरूरी होता है। झलोगी टनल के नए डिजाइन में भी इन सभी पहलुओं का तकनीकी अध्ययन किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं की आशंका कम हो सके और यातायात का संचालन सुरक्षित बना रहे। ऑस्ट्रिया के विशेषज्ञों की मदद से तैयार होने वाले डिजाइन में अंतरराष्ट्रीय तकनीकी अनुभव का लाभ मिलने की उम्मीद है। नए डिजाइन में टनल की संरचनात्मक मजबूती, निर्माण की व्यवहारिकता और सड़क यातायात की जरूरतों के बीच संतुलन बनाने पर जोर रहेगा। हालांकि, मुहाने को आगे स्थानांतरित करने और टनल की लंबाई बढ़ाने से संबंधित सुझाव अभी प्रारंभिक चरण में हैं। अंतिम अलाइनमेंट, कुल लंबाई, निर्माण लागत और काम शुरू होने की समयसीमा का फैसला विस्तृत तकनीकी जांच तथा संबंधित एजेंसियों की मंजूरी के बाद ही होगा। इससे परियोजना के भविष्य की दिशा स्पष्ट हो सकेगी। इसके साथ ही, नई योजना से टनल की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और भविष्य में मरम्मत की जरूरत कम करने की दिशा में भी काम किया जाएगा। संबंधित एजेंसियों की तकनीकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की प्रक्रिया तय होगी।

अनुराग ठाकुर ने समर्थकों से भ्रामक पोस्ट साझा करने से बचने की अपील की

अनुराग ठाकुर ने फर्जी एआई क्रिएटिव पर जताई नाराजगी



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने सोशल मीडिया पर उनके नाम से प्रसारित हो रही भ्रामक पोस्ट और आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने लोगों से ऐसी सामग्री बनाने और साझा करने से बचने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत राजनीतिक दावेदारी से जुड़ी निराधार खबरें फैलाने वाले लोग न तो भाजपा का हित कर रहे हैं और न ही उनके हितैषी हैं।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और सभी इसके कार्यकर्ता हैं। पार्टी में किसी पद से अधिक महत्वपूर्ण संगठन के प्रति निष्ठा, कार्यकर्ता का भाव और दायित्वों का निर्वहन है। वह भी एक कार्यकर्ता के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए समर्पित हैं।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके विधानसभा चुनाव लड़ने और हिमाचल प्रदेश का नेतृत्व करने जैसी खबरें प्रसारित की जा रही हैं। यहां तक कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से उनकी दावेदारी दिखाने वाले क्रिएटिव तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने इसे अनावश्यक और भ्रामक प्रचार बताते हुए लोगों से ऐसी सामग्री को आगे प्रसारित न करने का आग्रह किया। ठाकुर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा और संगठनात्मक अनुशासन के अनुरूप देश एवं प्रदेश के हित में काम करना चाहिए।

व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से जोड़कर निराधार खबरें फैलाना संगठन के हित में नहीं है। सभी को पार्टी की लाइन का पालन करते हुए अनुशासन बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की जनता ने लगातार पांच बार उन्हें लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है।

केलांग में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर कार्यशाला आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में मंगलवार को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता एसडीएम कुनिका एकर्स ने की। कार्यशाला में जिले में कचरा प्रबंधन व्यवस्था मजबूत करने, विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने और नियमों के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। कार्यशाला सर्वोच्च न्यायालय के 19 फरवरी, 29 अप्रैल और 5 मई, 2026 को जारी निर्देशों के अनुपालन के दृष्टिगत आयोजित की गई।

पर्यावरण अधिकारी एवं प्रदूषण नियंत्रण के सहायक अधिशासी अभियंता सुनील शर्मा ने अधिकारियों को नियमों के प्रमुख प्रावधानों, नियमित निगरानी और वैज्ञानिक तरीके से कचरे के प्रबंधन की जानकारी दी। बैठक में ऑनलाइन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पोर्टल पर जिला स्तर के आंकड़े और संबंधित सूचनाएं अपलोड करने पर विशेष जोर दिया गया। एसडीएम कुनिका एकर्स ने विभागों को अपने दायित्वों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने और जानकारी समयबद्ध उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा।

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता कबड्डी खिलाड़ी भावना ठाकुर सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, गोहर/मंडी। ग्राम पंचायत चैलचैक (बैला) में मंगलवार को आयोजित समारोह में एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय कबड्डी टीम की खिलाड़ी भावना ठाकुर को सम्मानित किया गया। एसडीएम गोहर देवी राम और ग्राम पंचायत बैला की ओर से उन्हें स्मृति चिह्न, शॉल और हिमाचली टोपी भेंट की गई। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि भावना ठाकुर ने अपनी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण से क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि हिमाचल के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि भावना की सफलता ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्हें उचित अवसर और प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

जागरूकता जोनल अस्पताल धर्मशाला में भी भूकंप के दृष्टिगत मॉक ड्रिल आयोजित

आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर कांगड़ा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



आपदा से बचाव के लिए विद्यार्थियों को जागरूक करते शिक्षक।

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर मंगलवार को जिला कांगड़ा में 'समर्थ' कार्यक्रम के तहत विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सामुदायिक स्तर पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों, युवाओं और आम लोगों को आपदाओं से बचाव, सुरक्षा उपायों और आपातकालीन परिस्थितियों में सही कदम उठाने के प्रति जागरूक करना रहा।

उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने कहा कि आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पहले से तैयारी करना जरूरी है। आपदा प्रबंधन में प्रत्येक नागरिक, परिवार, विद्यालय और समाज की भागीदारी महत्वपूर्ण है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष दिवस का संदेश है कि आपदा से बचाव की तैयारी घर से शुरू होती है। प्रत्येक परिवार को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए योजना बनानी चाहिए। सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकलने के रास्तों की जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा प्राथमिक उपचार सामग्री, जरूरी संपर्क नंबर और आपातकाल में काम आने वाली वस्तुएं उपलब्ध रखनी चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों और युवाओं को आपदा प्रबंधन की जानकारी देना आवश्यक है।

विद्यार्थी विद्यालय में सीखी गई बातों को परिवार और आसपास के लोगों तक पहुंचाकर जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और आम नागरिकों से जागरूकता गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। जिले में इंदौरा, धर्मशाला, नूरपुर, तकीपुर, जदरांगल, देहरा, खुंडियां, ढलियारा, जयसिंहपुर और नगरोटा बगवां सहित विभिन्न स्थानों के शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इनमें विद्यार्थियों को आपदा से बचाव और सुरक्षित व्यवहार की जानकारी दी गई। इसी कड़ी में जोनल अस्पताल धर्मशाला में भूकंप की स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इसमें आपातकाल के दौरान उठाए जाने वाले कदमों का अभ्यास कराया गया। इसके अलावा सामुदायिक स्तर पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से भी लोगों को आपदा से पहले तैयारी करने और सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी 15 अक्टूबर को करेंगे स्पीति का प्रवास

भारतेन्दु संवाददाता, काजा। राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी 15 अक्टूबर को स्पीति घाटी के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों की अध्यक्षता करने के साथ क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मंत्री 15 अक्टूबर को काजा स्थित अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में परियोजना सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण और नोतोड़ से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होगी। प्रवास के दौरान जनजातीय क्षेत्र से संबंधित मुद्दों, प्रशासनिक कार्यों और विकास योजनाओं की प्रगति पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

राहुल गांधी ने अपनी गैर-जिम्मेदाराना हरकतों से देश को किया शर्मसार : जयराम ठाकुर



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा के सराज विधानसभा क्षेत्र के थुनाग और जंजैहली मंडलों की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने पंचायत चुनावों में भाजपा का साथ देने के लिए कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड जीत के लिए जुटने का आह्वान किया।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनकी गतिविधियां देश की छवि को नुकसान पहुंचा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस चुनावों में लगातार असफलताओं के कारण हताश है और अराजकता के जरिए सत्ता हासिल करना चाहती है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें दिल्ली दौरे करने के बजाय हिमाचल के विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कांग्रेस की रैलियों में शामिल होने के लिए सरकारी खर्च पर दिल्ली जाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है। उनके अनुसार, देश 2026 और 2027 में सात प्रतिशत अनुमानित जीडीपी वृद्धि के साथ विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

कनाडा भेजने के नाम पर 25 लाख की ठगी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

विदेश भेजने और वहां रोजगार दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोहों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद की टीम ने 25 लाख रुपये की ठगी के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान फतेहाबाद जिले के गांव दहमन निवासी विजेंद्र सिंह पुत्र लक्ष्मण दास के रूप में हुई है। इस मामले में एक आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक जसवंत सिंह ने मंगलवार को बताया कि गांव गोरखपुर निवासी प्रवीण कुमार ने पुलिस को लिखित शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार, उसकी पहचान गांव दहमन के एक व्यक्ति से हुई थी। आरोपी ने उसे कनाडा भेजने और वहां उसकी पसंद के अनुसार रोजगार दिलाने का भरोसा दिया था। इसके बदले 25 लाख रुपये की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपियों ने वीजा प्रक्रिया शुरू करने और जरूरी कानूनी दस्तावेज तैयार करवाने का झांसा देकर उससे अलग-अलग किस्तों में नकद और बैंक खातों के माध्यम से कुल 25 लाख रुपये ले लिए। पूरी रकम देने के बावजूद उसे न तो कनाडा भेजा गया और न ही पैसे वापस किए गए।

प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि जब उसने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकियां भी दीं। निरीक्षक जसवंत सिंह के अनुसार, शिकायत की प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद थाना भूना में 3 दिसंबर 2025 को मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, ठगी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

आठ साल निलंबन झेलने वाली हरियाणा की शिक्षिका को पूरा वेतन देने का हाई कोर्ट का आदेश

आपराधिक मामले में बरी होने और विभागीय आरोपपत्र वापस लिए जाने के बाद मिला लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार के पालीटेक्निक संस्थान में वरिष्ठ व्याख्याता रचना गुप्ता को बड़ी राहत देते हुए उनकी आठ साल से अधिक की निलंबन अवधि को ड्यूटी मानने का आदेश दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद शिक्षिका को निलंबन अवधि का पूरा वेतन, भत्ते और अन्य सेवा लाभ मिल सकेंगे। इसके साथ ही सरकार को बकाया राशि पर छह प्रतिशत सालाना ब्याज भी देना होगा।

न्यायमूर्ति हरप्रीत सिंह बराड़ की पीठ ने रचना गुप्ता की याचिका स्वीकार करते हुए हरियाणा सरकार के 20 दिसंबर 2022 के आदेश को रद्द कर दिया। उस आदेश में शिक्षिका की 26 जून 2014 से दो जनवरी 2023 तक की निलंबन अवधि को अर्जित अवकाश में समायोजित किया गया था। हाई कोर्ट ने इस व्यवस्था को निरस्त करते हुए संबंधित अवधि को ड्यूटी मानने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि आपराधिक मामले में बरी होने और विभागीय आरोपपत्र वापस लिए जाने के बाद सरकार शिक्षिका को वेतन संबंधी लाभों से वंचित नहीं रख सकती। इसी आधार पर पीठ ने निलंबन अवधि के वित्तीय लाभ देने का निर्देश दिया। शिक्षिका को पहले दिए गए निर्वाह भत्ते की राशि का समायोजन करने के बाद शेष पूरा वेतन और भत्ते दिए जाएंगे।

फैसले के अनुसार, शिक्षिका को बकाया वेतन के साथ छह प्रतिशत सालाना ब्याज और अन्य पात्र सेवा लाभ भी प्रदान करने होंगे। इससे निलंबन अवधि के दौरान वेतन और सेवा संबंधी लाभों को लेकर बनी स्थिति का समाधान होगा। हाई कोर्ट ने वित्तीय लाभ जारी करने के लिए भी समय सीमा निर्धारित की है। अदालत के निर्देशानुसार, याचिका दायर करने की तारीख से तीन महीने के भीतर शिक्षिका को देय वित्तीय लाभ जारी करने होंगे।

इसमें निर्वाह भत्ते का समायोजन करने के बाद मिलने वाली वेतन और भत्तों की बकाया राशि शामिल होगी। इस फैसले से रचना गुप्ता को लंबे समय से लंबित वेतन और सेवा लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि आपराधिक मामले में बरी होने और विभागीय आरोपपत्र वापस लिए जाने के बाद संबंधित कर्मचारी को नियमानुसार मिलने वाले वित्तीय लाभों से वंचित नहीं किया जा सकता।

फरीदाबाद : फंदे पर लटका मिला विवाहिता का शव, हत्या का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद



बल्लभगढ़ के आदर्श नगर में मंगलवार को 28 वर्षीय विवाहिता अंजना का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी सतीश कुमार ने बताया कि वह काफी समय से बल्लभगढ़ की आदर्श कॉलोनी में रह रहे हैं।

करीब 10 साल पहले उन्होंने अपनी भतीजी अंजना की शादी आदर्श कॉलोनी निवासी दिनेश (31) से कराई थी। परिजनों के अनुसार, शादी के शुरुआती समय में सब कुछ ठीक रहा, लेकिन बाद में अंजना के साथ मारपीट होने लगी। अंजना के भाई कुलदीप ने आरोप लगाया कि दिनेश शराब पीने का आदी है और नशे की हालत में परिवार के अन्य सदस्यों के कहने पर अंजना के साथ मारपीट करता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अंजना का मोबाइल फोन छीनकर रखा गया था। मायके पक्ष का दावा है कि पहले अंजना की हत्या की गई और फिर शव को फंदे से लटका दिया गया।

परिजनों ने घर में लगे कैमरों को पहले ही बंद किए जाने का आरोप भी लगाया है। अंजना का सात साल का एक बेटा है। थाना आदर्श नगर पुलिस के अनुसार, शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। थाना प्रभारी राम निवास ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस परिजनों के आरोपों समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कैंसर की जंग में हौसले और हास्य का संदेश दे गया 'ब्रेस्ट ऑफ लक'

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने और इस बीमारी से जूझ रहे लोगों को हौसला देने के उद्देश्य से रविवार को गुरुग्राम के एक्सेलसियर ऑडिटोरियम में 'ब्रेस्ट ऑफ लक' नाटक का मंचन किया गया। 'नो योर ब्रेस्ट' अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। नाटक ने दर्शकों को जहां हंसाया, वहीं कई भावुक दृश्यों ने उनकी आंखें भी नम कर दीं।

प्रस्तुति के अंत में दर्शकों ने खड़े होकर कलाकारों का सम्मान किया। यह नाटक एक म्यूजिकल डार्क कॉमेडी है, जिसे तनिष्ठा चटर्जी और शारिब हाशमी ने लिखा है। दोनों कलाकारों ने इसमें अभिनय भी किया, जबकि निर्देशन लीना यादव ने किया। असल जिंदगी की कहानियों से प्रेरित यह नाटक स्तन कैंसर से जुड़े संघर्ष, भावनाओं और

तनिष्ठा चटर्जी और शारिब हाशमी ने दर्शकों का दिल जीता



मुश्किल परिस्थितियों के बीच हिम्मत बनाए रखने की कहानी प्रस्तुत करता है। नाटक का प्रमुख संदेश है, 'हम ह्यूमर से ट्यूमर को टक्कर देंगे।' इसके जरिए बताया गया कि गंभीर बीमारी के दौरान हास्य, सकारात्मक सोच और अपनों का साथ भावनात्मक मजबूती देने में मदद कर सकता है। साथ ही, लोगों को नियमित जांच कराने और बीमारी के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज न करने के प्रति जागरूक किया गया।

यमुनानगर में 10 दिन रोशनदान में फंसा रहा 45 किलो का अजगर

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर के व्यासपुर क्षेत्र के गांव रसूलपुर में खेतों में बने एक बंद कमरे के रोशनदान में करीब 11 फीट लंबा और 45 किलो वजनी अजगर लगभग 10 दिन तक फंसा रहा। बाहर निकलने की कोशिश में रोशनदान में लगी लोहे की ग्रिल उसके पेट में दो जगह धंस गई। इससे अजगर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद वाइल्ड लाइफ विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उसे सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। टीम को अजगर को बाहर निकालने में करीब पांच घंटे की मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान सावधानी बरती गई, ताकि ग्रिल में फंसे अजगर को और चोट न पहुंचे। काफी प्रयास के बाद टीम ने उसे रोशनदान से बाहर निकाल लिया।

सेवा संकल्प अभियान में 400 छात्राओं ने बनाई मानव शृंखला, दिया एकजुटता का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल



सेवा संकल्प अभियान के तहत जाखौली अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा छठी से 11वीं तक की करीब 400 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानव शृंखला बनाकर समाज में एकजुटता, सहयोग, अनुशासन तथा सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

विद्यालय परिसर में आयोजित इस गतिविधि के दौरान छात्राओं ने अनुशासन के साथ मानव शृंखला बनाकर सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों से अवगत करवाना और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना रहा। छात्राओं ने अपनी भागीदारी से यह संदेश दिया कि सामाजिक जागरूकता और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को सफल बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को सामूहिक सहभागिता के महत्व से परिचित करवाया गया। उन्हें बताया गया कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए जागरूक नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। सेवा, सहयोग और अनुशासन जैसे मूल्यों को अपनाकर विद्यार्थी न केवल अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं, बल्कि समाज के कल्याण में भी योगदान दे सकते हैं।

मानव शृंखला के माध्यम से छात्राओं ने एकजुट होकर सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। जिला नोडल अधिकारी छत्रपाल ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मानव शृंखला बनाई गई, जिसमें करीब 400 छात्राओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में सेवा भाव, सहयोग, अनुशासन और सामूहिक भागीदारी की भावना विकसित होती है।

न्यूज ब्रीफ

फर्जी डिप्लोमा से प्रमोशन पाने का आरोप, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष की बेटी की पदोन्नति रद्द

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। हरियाणा के नारनौल में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दयाराम यादव की बेटी पिंकी यादव की पदोन्नति रद्द कर दी गई है। उन पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जूनियर इंजीनियर (जेई) का पद हासिल करने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, पिंकी यादव ने हिमाचल प्रदेश की अरनी यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा लिया था। विभागीय जांच में यह डिप्लोमा फर्जी पाए जाने के बाद उनकी पदोन्नति निरस्त कर दी गई। अब उन्हें दोबारा क्लर्क के पद पर लौटना होगा। बताया जा रहा है कि करीब एक साल पहले ही उन्हें जेई के पद पर पदोन्नत किया गया था। इस मामले ने विभागीय नियुक्तियों और शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। पिंकी यादव के पिता दयाराम यादव भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रह चुके हैं और उन्हें प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का करीबी बताया जाता है।

बहन से छेड़छाड़ के विवाद में खूनी संघर्ष युवक की चाकू मारकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। हरियाणा के करनाल में युवकों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। घटना कार सेल-परचेज ऑफिस के ऊपर बने कमरे की बताई जा रही है। आरोप है कि युवक अपने तीन दोस्तों के साथ कमरे में बैठकर हुक्का पी रहा था, तभी हमलावर वहां पहुंचे और लाठी-डंडों व चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक की छाती और सिर पर धारदार हथियार से वार किए गए, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना से जुड़ा मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में बहन से छेड़छाड़ को लेकर विवाद होने की बात कही जा रही है। हालांकि, विवाद की असली वजह और घटनाक्रम की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमले में शामिल आरोपितों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

यमुनानगर में बंद मकान से लाखों के गहने और नकदी चोरी

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर की गांधी नगर कॉलोनी में बंद मकान से लाखों रुपए के सोने के आभूषण और नकदी चोरी हो गई। शिकायतकर्ता शशिकला अपने पति रजनीश और बेटी के साथ उत्तर प्रदेश स्थित अपने पैतृक गांव गई थीं। मां की तबीयत खराब होने के कारण परिवार करीब छह दिन तक घर से बाहर रहा। वापस लौटने पर अलमारी टूटी और सामान बिखरा मिला। जांच में सोने के झुमके, दो चेन, दो अंगूठियां और बच्चों की गुल्लक से करीब 25 हजार रुपए गायब मिले। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने अपराध जांच टीम को मौके पर बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। अब पुलिस आरोपितों की पहचान करने और चोरी हुए आभूषण व नकदी बरामद करने में जुटी है।

कुरुक्षेत्र में चार साल के बच्चे से यौन उत्पीड़न का आरोप, नाबालिग पड़ोसी पर केस

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र जिले के पिहोवा क्षेत्र में चार साल के मासूम बच्चे के साथ कथित यौन अपराध का मामला सामने आया है। घटना ढांड रोड स्थित एक गांव की बताई जा रही है। आरोप है कि बच्चे के नाबालिग पड़ोसी ने उसके साथ कुकर्म किया। बच्चे ने अगले दिन रोते हुए अपनी मां को घटना के बारे में बताया, जिसके बाद परिवार ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में नाबालिग के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत केस दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। बच्चे की सुरक्षा और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उसकी पहचान उजागर नहीं की गई है। मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

भीख मांगने वाले बच्चों को अनु चिनिया ने थमाई कलम, 20 हजार बच्चों की बदली जिंदगी

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद



'भीख नहीं, किताब दो' मुहिम से 20 हजार बच्चों को मिली नई राह।

किसी बच्चे के हाथ से भीख मांगने का कटोरा लेकर उसमें कलम थमा देना केवल उसकी जिंदगी बदलना नहीं, बल्कि उसके भविष्य को नई दिशा देना है। हरियाणा के हिसार की अनु चिनिया पिछले 13 वर्षों से इसी सोच के साथ जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में जुटी हैं। उनके प्रयासों से अब तक करीब 20 हजार बच्चों को शिक्षा और सम्मान के साथ आगे बढ़ने की राह दिखाई गई है।

अनु चिनिया के इस अभियान की शुरुआत बस स्टैंड पर भीख मांगते बच्चों को देखकर हुई। इन बच्चों की स्थिति ने उन्हें सोचने पर मजबूर किया कि आखिर किस तरह इन्हें भीख मांगने की मजबूरी से बाहर निकालकर शिक्षा से जोड़ा जा सकता है। इसी विचार से 'भीख नहीं, किताब दो' मुहिम शुरू हुई। इसका उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को किताबों और शिक्षा के माध्यम से बेहतर भविष्य की ओर ले जाना है। 20 हजार बच्चों तक पहुंची मुहिम अनु चिनिया पिछले 13 वर्षों से लगातार इस दिशा में काम कर रही हैं। उनकी मुहिम का मुख्य उद्देश्य ऐसे बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है, जो आर्थिक तंगी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण पढ़ाई से दूर रह जाते हैं। अभियान के माध्यम से हजारों बच्चों तक पहुंचकर उन्हें पढ़ाई के महत्व के प्रति जागरूक किया गया है। यह पहल बच्चों को भीख मांगने और अन्य मजबूरियों से बाहर निकलने का अवसर देने की दिशा में अहम प्रयास है। बच्चों की शिक्षा के साथ अनु चिनिया ने जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। ऐसी महिलाओं के लिए सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण शुरू किया गया, जो मजबूरी में कूड़ा बीनने या भीख मांगने जैसे काम करती थीं। अब तक 40 महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है।

अनु का प्रयास है कि बच्चों को शिक्षा के अवसर मिलें और महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका का साधन उपलब्ध हो। उनकी पहल इस बात का उदाहरण है कि समाज में बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयास और संवेदनशील सोच कितनी महत्वपूर्ण है। 'भीख नहीं, किताब दो' मुहिम शिक्षा के जरिए जरूरतमंद बच्चों और महिलाओं को बेहतर जीवन की दिशा दिखाने का काम कर रही है।अनु चिनिया का मानना है कि शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण से ही जरूरतमंद परिवारों की स्थिति में स्थायी सुधार लाया जा सकता है।

यमुनानगर में कलानौर बॉर्डर पर 120 ग्राम हेरोइन के साथ दो युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर



यूपी से हरियाणा में हेरोइन सप्लाई करने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार।

यमुनानगर में एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कलानौर बॉर्डर के पास बाइक सवार दो युवकों को 120 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी उत्तर प्रदेश से नशीला पदार्थ लाकर हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों में बेचते थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी अनिल कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश की ओर से दो युवक बाइक पर हेरोइन लेकर कलानौर बॉर्डर के रास्ते यमुनानगर में प्रवेश करने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम गठित की गई और बॉर्डर के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की गई। इसी दौरान उत्तर प्रदेश की ओर से बाइक पर आ रहे दो युवकों को पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर रोक लिया। इसके बाद उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 120 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट को भी बुलाया। इसके बाद बरामद नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी सुफियान और आजम के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि नशीले पदार्थ की कथित तस्करी के लिए सुफियान की बाइक का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस अब इस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

पुलिस का कहना है कि शुरुआती पूछताछ में आरोपियों के उत्तर प्रदेश से नशीला पदार्थ लाकर यमुनानगर और आसपास के क्षेत्रों में बेचने की बात सामने आई है। हालांकि, इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच अभी जारी है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ के आधार पर नशीले पदार्थ की आपूर्ति के स्रोत और संभावित खरीदारों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी से जुड़े 700 करोड़ के फ्रॉड में चार और आरोपी गिरफ्तार

सरकारी खातों से निकाली गई रकम को नकदी में बदलकर दोबारा बैंक खातों में जमा कराने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा के विभिन्न सरकारी विभागों, चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी और क्रेस्ट सोसायटी से जुड़े 700 करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने चार और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में सेक्टर-35 के बर्तन कारोबारी गौरव कांसल के अलावा सिद्धार्थ नरूला, मोहित और मनोज शामिल हैं। सोमवार को गिरफ्तारी के बाद चारों को पंचकूला स्थित सीबीआई अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पूछताछ के लिए तीन दिन के रिमांड पर भेज दिया गया।

सीबीआई इस मामले में सरकारी खातों से कथित तौर पर निकाली गई रकम और उसे अलग-अलग माध्यमों से ठिकाने लगाने की प्रक्रिया की जांच कर रही है। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपित गौरव कांसल ने सरकारी खातों से निकाली गई रकम को नकदी में बदलने और फिर उसे दोबारा बैंक खातों में जमा कराने में अहम भूमिका निभाई थी। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर एजेंसी उसकी कथित भूमिका की पड़ताल कर रही है। सीबीआई के अनुसार, गौरव कांसल ने दो वर्षों के दौरान आईडीएफसी बैंक के पूर्व ब्रांच मैनेजर रिभव ऋषि के साथ मिलकर कथित तौर पर 94 करोड़ रुपये ठिकाने लगाए। रिभव ऋषि को इस मामले का कथित मास्टरमाइंड बताया गया है। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि सरकारी खातों से निकाली गई रकम को किस प्रक्रिया के तहत नकदी में बदला गया और फिर किन बैंक खातों में जमा कराया गया।

जांच का एक प्रमुख पहलू यह भी है कि कथित धोखाधड़ी से प्राप्त रकम को अलग-अलग खातों के माध्यम से स्थानांतरित करने में किन लोगों ने भूमिका निभाई। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के जरिए लेन-देन से जुड़े तथ्यों और संभावित संपर्कों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने चारों आरोपितों को पंचकूला की अदालत में पेश किया। अदालत ने उन्हें तीन दिन के रिमांड पर भेज दिया। इस दौरान जांच एजेंसी आरोपितों से पूछताछ कर मामले से जुड़े वित्तीय लेन-देन और कथित धोखाधड़ी में उनकी भूमिका के संबंध में जानकारी हासिल करेगी। मामला हरियाणा के विभिन्न सरकारी विभागों, चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी और क्रेस्ट सोसायटी से जुड़ा है। इसमें 700 करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी की जांच की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकारी खातों से निकाली गई रकम के प्रवाह और उससे जुड़े बैंकिंग लेन-देन की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सीबीआई की जांच का उद्देश्य कथित वित्तीय अनियमितताओं की पूरी प्रक्रिया का पता लगाना और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका स्पष्ट करना है। फिलहाल गिरफ्तार किए गए चारों आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी की आगे की कार्रवाई पूछताछ और वित्तीय रिकॉर्ड से सामने आने वाले तथ्यों पर निर्भर करेगी। आरोपितों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के तहत होगी।

सीबीआई इस मामले में बैंक अधिकारियों, संबंधित विभागों के कर्मचारियों और अन्य संभावित सहयोगियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कथित धोखाधड़ी की रकम किन खातों में भेजी गई और उसे निकालने के बाद किस तरह दोबारा बैंकिंग व्यवस्था में शामिल किया गया। जांच के दौरान बैंक लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों, खातों के विवरण और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड का मिलान किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ में सामने आने वाली जानकारियां जांच को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण हो सकती हैं। सीबीआई यह भी पता लगाने में जुटी है कि कथित वित्तीय अनियमितताओं का दायरा कितना बड़ा है और इसमें अन्य लोगों की कोई भूमिका रही है या नहीं।

जेएनयू छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न पर भाजपा का प्रदर्शन, राहुल गांधी का फूंका पुतला

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला



जेएनयू की छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर मंगलवार को पंचकूला में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल के नेतृत्व में महिला मोर्चा की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा निकाली और एमडीसी चौक पर पहुंचकर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान राहुल गांधी का पुतला भी फूंका गया। प्रदर्शन में शामिल भाजपा कार्यकर्ता जिला मुख्यालय 'पंचकमल' से पदयात्रा करते हुए एमडीसी चौक पहुंचे। यहां उन्होंने मामले को लेकर कांग्रेस नेतृत्व के प्रति नाराजगी जताई और संबंधित सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई।

भाजपा नेताओं ने कहा कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा से जुड़े मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा पीड़ित छात्राओं को न्याय मिलना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने कहा कि महिलाओं का सम्मान और पीड़ित छात्राओं को न्याय दिलाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से मामले में स्पष्ट रुख अपनाने की मांग की। मित्तल ने राहुल गांधी से आग्रह किया कि कांग्रेस सांसद प्रो. अंगोमचा बिमोल अकोइजाम को पार्टी से निष्कासित करने और उनके इस्तीफे के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने पीड़ित छात्राओं से माफी मांगने की मांग भी की। भाजपा नेताओं ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि ऐसे मामलों में राजनीतिक दलों को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और पीड़ितों के पक्ष में ठोस कदम उठाने चाहिए।

कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस से संबंधित मामले में कार्रवाई कर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। प्रदर्शन के जरिए भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेतृत्व को घेरने का प्रयास किया। हालांकि, मामले से जुड़े आरोपों की सत्यता का निर्धारण संबंधित जांच और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही होगा। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा को लेकर कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने मांग की कि मामले में निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

दिल्ली में फेक न्यूज फैलाने वालों पर शिकंजा, 500 से ज्यादा सोशल मीडिया पोस्ट हटाए

सोशल मीडिया पर भारत विरोधी कथित नैरेटिव फैलाने का आरोप, पुलिस ने तेज की जांच

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में हालिया विरोध प्रदर्शनों को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और भ्रामक खबरों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने गलत जानकारी फैलाने और माहौल खराब करने के आरोप में सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ चार एफआईआर दर्ज की हैं। जांच के दायरे में कुछ पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडल्स भी आए हैं, जिन पर भारत विरोधी कथित झूठे नैरेटिव फैलाने का आरोप है।

पुलिस की कार्रवाई का उद्देश्य अफवाहों पर रोक लगाना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।जानकारी के मुताबिक, 10 अक्टूबर को कुछ पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडल्स से जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान मौत होने के दावे किए गए थे। इन पोस्ट में कथित तौर पर भ्रामक जानकारी और वीडियो साझा किए गए, जिससे लोगों के बीच भ्रम फैलने की आशंका जताई गई। पुलिस इन दावों की सत्यता और संबंधित सोशल मीडिया खातों की भूमिका की जांच कर रही है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने भ्रामक सामग्री फैलाने वाले सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ कार्रवाई की है। सूत्रों के अनुसार, अब तक करीब 500 से अधिक पोस्ट हटवाए जा चुके हैं।



जंतर-मंतर प्रदर्शन में मौत' की फेक न्यूज पाकिस्तान से फैलाई गई? दिल्ली पुलिस ने 4 एफआईआर दर्ज कीं

इन पोस्ट में कथित तौर पर अफवाहें फैलाने और लोगों को गुमराह करने वाली सामग्री शामिल थी। जांच में ऐसे खातों की भी पहचान किए जाने की जानकारी सामने आई है, जिनके जरिए कथित तौर पर पाकिस्तान से भारत विरोधी संदेश प्रसारित किए जा रहे थे। कुछ यूजर्स के भारतीय बनकर फर्जी वीडियो और भ्रामक खबरें साझा करने की आशंका भी जताई गई है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।यह कार्रवाई दिल्ली में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन से जुड़े घटनाक्रमों के बीच हुई है। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने सोमवार को हुए मार्च के दौरान कथित नियम उल्लंघन को लेकर भी कई एफआईआर दर्ज की थीं। पुलिस के अनुसार, इन मामलों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत लागू निषेधाज्ञा के उल्लंघन के आरोप भी शामिल हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन से संबंधित मामले कनॉट प्लेस, तिलक मार्ग, बाराखंभा रोड और मंदिर मार्ग पुलिस थानों में दर्ज किए गए हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर संबंधित लोगों की पहचान करने में जुटी है। दिल्ली पुलिस ने भ्रामक खबरों और अफवाहों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में निजी बसों पर शिकंजा, 47 जब्त और 76 के चालान; ऑपरेशन कवच शुरू

एजेंसी ,नई दिल्ली

गौतमबुद्ध नगर के परिवहन विभाग ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निजी बसों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। दिल्ली से नोएडा होकर चलने वाली एक हजार से अधिक निजी बसों का डाटा तैयार किया गया है। सुरक्षा मानकों में कमी वाली बसों को चिह्नित कर उनकी विशेष निगरानी की जा रही है। इसके लिए विभाग ने ऑपरेशन कवच के तहत अभियान शुरू किया है। परिवहन विभाग ने उन बसों को अलग श्रेणी में रखा है, जिनमें फिटनेस, परमिट और सुरक्षा उपकरणों से जुड़ी खामियां मिली हैं।

इनमें अग्निशमन यंत्र और आपातकालीन निकास द्वार की कमी वाली बसें भी शामिल हैं। अब संबंधित बस संचालकों की अन्य बसों की भी जांच की जाएगी। किसी एक बस में गड़बड़ी मिलने पर संचालक के पूरे बेड़े की सख्ती से जांच हो सकती है।परिवहन विभाग के अनुसार, 9 से 11 अक्टूबर तक चलाए गए जांच अभियान में 47 बसें जब्त की गईं, जबकि 76 बसों के चालान काटे गए। इससे पहले चलाए गए अभियान में 87 बसों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी, जिनमें से 80 बसों को बंद कराया गया था।



नोएडा में 1000 बसें निगरानी के दायरे में

एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. उदित नारायण पांडे ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों पर कार्रवाई की जा रही है। तकनीकी निरीक्षण में विफल बसों का फिटनेस प्रमाणपत्र और पंजीकरण निलंबित करने की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा से यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों के प्रमुख शहरों के लिए निजी बसें संचालित होती हैं। इनका परिचालन आगरा से लेकर नागालैंड तक के विभिन्न गंतव्यों के लिए किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

रेलवे का बड़ा फैसला: 5 जोड़ी ट्रेनों में 10 अतिरिक्त डिब्बे, यात्रा होगी आसान

एजेंसी, नई दिल्ली। रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती संख्या और अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए पांच जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी रूप से 10 अतिरिक्त डिब्बे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने और सफर के दौरान सुविधा मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही अजमेर-जम्मूतवी ट्रेन के संचालन समय में भी बदलाव किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, ट्रेन संख्या 19611/19614 अजमेर-अमृतसर-अजमेर में एक द्वितीय शयनयान श्रेणी का अतिरिक्त डिब्बा लगाया जाएगा। अजमेर से यह डिब्बा 17 से 31 अक्टूबर तक और अमृतसर से 18 अक्टूबर से 1 नवंबर तक उपलब्ध रहेगा। रेलवे के इस फैसले से त्योहारों के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। अतिरिक्त डिब्बे अस्थायी रूप से लगाए जाएंगे। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यात्रा से पहले संबंधित ट्रेन के समय और डिब्बों की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या पूछताछ सेवा से प्राप्त कर लें।



सांकेतिक तस्वीर

नोएडा में चोरों के हौसले बुलंद! घर के पास खड़ी कार के चारों पहिए चोरी

एजेंसी, नई दिल्ली। शहर में वाहन चोरी की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। ताजा मामला सेक्टर-19 के सी ब्लॉक से सामने आया है, जहां चोरों ने घर के पास खड़ी एक कार के चारों पहिए चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-19 के सी ब्लॉक में अवधेश कुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने गुरुवार रात अपनी कार घर के पास स्थित शनि बाजार में खड़ी की थी। शुक्रवार सुबह जब वह कार के पास पहुंचे तो उसके चारों पहिए गायब मिले। उन्होंने आसपास काफी तलाश की, लेकिन पहियों का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी, जिसमें कुछ संदिग्ध लोग नजर आए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। थाना प्रभारी के अनुसार, पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली में वीआईपी कार्यक्रम के चलते ट्रैफिक अलर्ट, शाम 5 से 10 बजे तक हो सकती है परेशानी



एजेंसी, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के गाला डिनर के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित रहने की संभावना है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस संबंध में एडवाइजरी जारी कर वाहन चालकों को होटल लीला पैलेस और उसके आसपास के इलाकों में सावधानी बरतने की सलाह दी है। जानकारी के अनुसार, होटल लीला पैलेस में आयोजित होने वाले गाला डिनर में भारतीय और विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के चलते मंगलवार शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक आसपास की सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ सकता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और संभावित देरी को देखते हुए अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलें। वाहन चालकों को यातायात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करने और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है, ताकि जाम और अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके।

नोएडा में दुर्गा पूजा की धूम, ग्रामीण बंगाल की संस्कृति से सजेगा सेक्टर-26 का पंडाल



एजेंसी, नई दिल्ली। शारदीय नवरात्र के अवसर पर शहर में दुर्गा पूजा की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। मंदिरों से लेकर दुर्गा पूजा पंडालों तक भक्तिमय माहौल बनने लगा है। इस बार सेक्टर-26 स्थित नोएडा कालीबाड़ी में ग्रामीण बंगाल की संस्कृति पर आधारित पारंपरिक पंडाल तैयार किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगा। पंडाल को बंगाल की ग्रामीण परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाने के उद्देश्य से सजाया जा रहा है। इसके माध्यम से श्रद्धालुओं को बंगाल की कला, संस्कृति और पारंपरिक परिवेश का अनुभव मिलेगा। दुर्गा पूजा के दौरान यहां बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। वहीं, शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन नोएडा के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही बनी रही। नवरात्र को लेकर शहर में धार्मिक उत्साह बढ़ रहा है और दुर्गा पूजा की तैयारियां लगातार तेज हो रही हैं।

दिल्ली में फर्जी पोस्ट मामले में चार एफआईआर



सांकेतिक तस्वीर

एजेंसी, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में हालिया विरोध प्रदर्शनों और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को लेकर दिल्ली पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने गलत जानकारी फैलाने और माहौल खराब करने के आरोप में सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ चार एफआईआर दर्ज की हैं। जांच के दौरान कुछ पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडल्स की कथित संलिप्तता सामने आने की जानकारी मिली है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि विरोध प्रदर्शनों से संबंधित भ्रामक पोस्ट के जरिए लोगों के बीच गलत नैरेटिव फैलाने और माहौल बिगाड़ने की कोशिश तो नहीं की गई। पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही आपत्तिजनक और भ्रामक सामग्री पर कार्रवाई करते हुए करीब 200 पोस्ट हटवाए हैं। अधिकारियों का उद्देश्य अफवाहों पर रोक लगाना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। मामले की जांच जारी है और संबंधित सोशल मीडिया खातों की गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है। दिल्ली प्रदर्शनों पर फर्जी पोस्ट के खिलाफ पुलिस का बड़ा एक्शन, 4 एफआईआर दर्ज; 200 पोस्ट हटाए, पाकिस्तानी हैंडल्स की भूमिका की जांच जारी।

आगरा की रामलीला में छाए गौरव खन्ना, श्रीराम के रूप में देखकर मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

एजेंसी ,नई दिल्ली



गौरव खन्ना बने श्रीराम, दर्शकों ने खूब सराहा

आगरा के सिकंदरा स्थित भावना एस्टेट में आयोजित जनकपुरी महोत्सव में शनिवार शाम 'रघुवंशी रघुनंदन' नाटक ने रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। भव्य मंच सज्जा, शानदार प्रकाश व्यवस्था और ध्वनि के अद्भुत संयोजन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आसमान में उड़ता पुष्पक विमान, हवा में उड़ते राक्षस और अग्नि की लपटों के बीच लंका दहन के रोमांचक दृश्यों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।नाटक के दौरान भगवान श्रीराम और रावण के आमने-सामने आने का दृश्य दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहा।

मंच पर रामायण के प्रमुख प्रसंगों को आधुनिक तकनीक और भव्य प्रस्तुतिकरण के साथ दिखाया गया। पुष्पक विमान के दृश्य से लेकर लंका दहन तक हर प्रसंग ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। प्रकाश और ध्वनि के प्रभावों ने पूरी प्रस्तुति को और भी प्रभावशाली बना दिया।इस विशेष आयोजन में बॉलीवुड कलाकारों ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनेता गौरव खन्ना श्रीराम की भूमिका में नजर आए। उनके अभिनय और मंच पर प्रस्तुत व्यक्तित्व ने दर्शकों को प्रभावित किया। भगवान श्रीराम के रूप में उनकी प्रस्तुति को देखने के लिए लोगों में खास उत्साह दिखाई दिया।सिकंदरा स्थित भावना एस्टेट में सजी जनकपुरी शनिवार शाम रामायण के दृश्यों से आलोकित हो उठी। महोत्सव में पहुंचे लोगों ने भव्य मंचन का आनंद लिया।

रेलवे में नौकरी का मौका! एनटीपीसी स्नातक स्तर की परीक्षा दिसंबर में, 3548 पदों पर होगी भर्ती

एजेंसी ,नई दिल्ली



रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने एनटीपीसी स्नातक स्तरीय भर्ती 2026 की प्रथम चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी-1) का संभावित कार्यक्रम जारी कर दिया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, परीक्षा दिसंबर 2026 के चौथे सप्ताह में आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। इस भर्ती अभियान के तहत देशभर में कुल 3548 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इनमें प्रयागराज के लिए 265 पद निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को अब संभावित परीक्षा कार्यक्रम के आधार पर अपनी रणनीति बनाने का अवसर मिलेगा।

रेलवे भर्ती बोर्ड की अधिसूचना संख्या सीईएन 06/2026 के अनुसार, एनटीपीसी स्नातक स्तरीय भर्ती की प्रथम चरण की परीक्षा दिसंबर 2026 के चौथे सप्ताह में आयोजित करने की योजना है। हालांकि, परीक्षा की सटीक तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

बोर्ड ने अग्रिम सूचना जारी करते हुए बताया है कि विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इस सूचना से अभ्यर्थियों को परीक्षा की संभावित समयसीमा का अंदाजा लगाने में मदद मिलेगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक घोषणा पर नजर बनाए रखें और किसी भी अपुष्ट जानकारी पर भरोसा न करें।इस भर्ती अभियान के माध्यम से रेलवे में गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी के स्नातक स्तर के कुल 3548 पदों को भरा जाएगा।

इन पदों के लिए निर्धारित चयन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना होगा। भर्ती से संबंधित पदों का विवरण, पात्रता और अन्य जरूरी शर्तें आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार लागू होंगी। भर्ती के तहत प्रयागराज के लिए 265 पद निर्धारित किए गए हैं। इससे क्षेत्र के उन युवाओं को अवसर मिलेगा, जो रेलवे में सरकारी नौकरी पाने की तैयारी कर रहे हैं।

अलीगढ़ में बारिश से किसानों को बड़ा झटका, खेतों से मंडी तक भीगा धान

एजेंसी, नई दिल्ली

अलीगढ़ के खैर क्षेत्र में अचानक हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सुबह करीब छह बजे हुई तेज बारिश से खेतों में खड़ी धान की फसल और अनाज मंडी में खुले आसमान के नीचे रखा धान भीग गया। इससे किसानों और व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। बारिश के बाद किसानों की चिंता बढ़ गई है और उन्होंने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। अचानक बदले मौसम के कारण अलीगढ़-पलवल मार्ग स्थित मुख्य अनाज मंडी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मंडी में बोरियों में भरकर खुले आसमान के नीचे रखा धान बारिश की चपेट में आ गया। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण बड़ी मात्रा में अनाज भीग गया। इससे उसकी गुणवत्ता प्रभावित होने और उचित कीमत नहीं मिलने की आशंका बढ़ गई है।बेमौसम बारिश ने खेतों में खड़ी धान की फसल को भी प्रभावित किया है।

आगरा में चीनी की कीमतों में लगी आग, फुटकर बाजार में 70 रुपये किलो तक पहुंचा भाव

एजेंसी ,नई दिल्ली



आगरा में त्योहारों से पहले चीनी की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले आठ दिनों में चीनी के दाम करीब 10 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गए हैं। अचानक बढ़ी कीमतों का असर अब आम लोगों की जेब और रसोई के बजट पर पड़ने लगा है। थोक बाजार से लेकर फुटकर दुकानों तक चीनी के भाव में तेजी दर्ज की जा रही है। ऐसे में दिवाली से पहले मिठाइयां और अन्य पकवान बनाने की तैयारी कर रहे परिवारों की चिंता बढ़ गई है।

आगरा के थोक बाजार में चीनी की कीमत 57 से 58 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। वहीं, फुटकर बाजार में अलग-अलग इलाकों में इसके दाम अलग-अलग बने हुए हैं। आवास विकास क्षेत्र में कई दुकानों पर चीनी 60 से 62 रुपये प्रति किलो बिक रही है। दूसरी ओर, पचकुइयां बाजार में इसके भाव 65 से 70 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। त्योहारों के मौसम में चीनी की बढ़ती कीमतों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। दिवाली के दौरान मिठाइयों, पकवानों और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने से कीमतों पर दबाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

ऐसे में चीनी के दाम 70 रुपये प्रति किलो के पार जाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। चीनी की कीमतों में अचानक आई तेजी का असर आम परिवारों पर पड़ रहा है। महिलाओं का कहना है कि पहले से ही महंगाई के कारण घरेलू खर्च संभालना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में चीनी के दाम बढ़ने से रसोई का बजट और बिगड़ जाएगा।

प्रयागराज के पीडी टंडन पार्क में बच्चों के लिए वाटर गेम्स, पर्यटकों को लुभाएगा ग्लो गार्डन

एजेंसी ,नई दिल्ली

प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित पीडी टंडन पार्क को नया और आकर्षक रूप देने की तैयारी है। शहर के हृदय स्थल में स्थित इस पार्क में ग्लो गार्डन विकसित किया जाएगा। यहां पांच अलग-अलग थीम पर आधारित जोन बनाए जाएंगे, जो स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों के लिए भी खास आकर्षण बनेंगे। प्रस्तावित योजना के तहत पार्क में प्रकाशयुक्त घास, रंगीन रोशनी और आकर्षक सजावट की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए वाटर गेम्स भी विकसित किए जाएंगे। इससे पार्क में आने वाले परिवारों और बच्चों को मनोरंजन का नया विकल्प मिलेगा।ग्लो गार्डन में वन्यजीवों की रोशनी से सजी आकर्षक प्रतिकृतियां स्थापित की जाएंगी। बांस की पृष्ठभूमि में पांडा की प्रतिकृति भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगी।

दिल्ली में भीषण जाम के बावजूद गूगल मैप दिखा रहा खाली सड़क, ट्रैफिक पुलिस ने दी चेतावनी

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली में बारापुला फेज-3 फ्लाईओवर पर लगने वाले भीषण जाम के बीच गूगल मैप की गलत जानकारी वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। सड़क पर लंबा जाम होने के बावजूद गूगल मैप इस मार्ग को खाली दिखा रहा है। इससे वाहन चालक भ्रमित होकर जाम वाले रास्ते पर पहुंच रहे हैं और उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एडवाइजरी जारी कर वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

बारापुला फेज-3 की मयूर विहार से एम्स की ओर जाने वाली लेन पर यातायात की स्थिति गूगल मैप पर अब तक सही तरीके से अपडेट नहीं हो पाई है। सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक व्यस्त समय में इस मार्ग पर भीषण जाम लगता है। इसके बावजूद मैप पर सड़क खाली दिखाई देने से वाहन चालक गलत जानकारी के आधार पर इस रास्ते को चुन रहे हैं। जाम को कम करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। नोएडा लिंक रोड यानी मयूर विहार से बारापुला फेज-3 की ओर आने वाले वाहनों को जरूरत के अनुसार एनएच-24 और डीएनडी की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। इससे फ्लाईओवर पर वाहनों का दबाव कम करने और यातायात को सुचारु बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा जाम की स्थिति पर नजर रखने के लिए ड्रोन की मदद ली जा रही है।



ट्रैफिक जाम (एआई जेनरेटेड इमेज)

प्रमुख स्थानों पर तैनात यातायात कर्मियों को स्थिति के अनुसार आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर वाहनों को डायवर्ट करने के साथ यातायात को मौके पर मैन्युअल तरीके से नियंत्रित किया जा रहा है। वहीं, गूगल को भी वास्तविक समय में यातायात संबंधी जानकारी अपडेट नहीं होने की समस्या से अवगत कराया गया है।

12 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई, कई थानों में मामले दर्ज

विरोध प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जांच तेज

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में 12 अक्टूबर को हुए विरोध प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने प्रदर्शन से जुड़े मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये मामले भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 और अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत दर्ज किए गए हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में एफआईआर की संख्या को लेकर विरोधाभास है। शुरुआती जानकारी में पांच एफआईआर दर्ज होने की बात कही गई है, जबकि विस्तृत विवरण में चार एफआईआर का उल्लेख किया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन के संबंध में तिलक मार्ग पुलिस थाने में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके अलावा मंदिर मार्ग, बाराखंबा रोड और कनॉट प्लेस पुलिस थानों में एक-एक मामला दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। इन मामलों के जरिए पुलिस प्रदर्शन के दौरान लागू नियमों और निषेधाज्ञा के कथित उल्लंघन की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि प्रशासनिक अनुमति के बिना और लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत सक्षम प्रशासनिक अधिकारी किसी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर सकते हैं। ऐसे आदेशों का उल्लंघन होने पर संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। दिल्ली पुलिस अब मामले की आगे की जांच में जुटी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है। इसके लिए सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की मदद ली जा रही है, ताकि प्रदर्शन में शामिल लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद मामले से जुड़े घटनाक्रम पर नजर बनी हुई है। जांच पूरी होने के बाद ही प्रदर्शन में शामिल लोगों की भूमिका और कानूनी कार्रवाई से संबंधित अन्य तथ्यों की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।



दिल्ली प्रदर्शन पर पांच एफआईआर, यह तस्वीर सड़कों का हाल बयां कर रही है

ग्रेटर नोएडा में यातायात को लेकर अलर्ट, इंडिया एक्सपो मार्ट के आसपास बदल सकता है रास्ता

एजेंसी ,नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में 13 से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले आईएचजीएफ दिल्ली मेले के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना है। शरद ऋतु के इस मेले में प्रतिदिन लगभग 6,000 लोगों के पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में एक्सपोमार्ट गोलचक्कर पर वाहनों का दबाव बढ़ सकता है। इसे देखते हुए यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से इस मार्ग पर जाने से पहले यातायात व्यवस्था की जानकारी लेने और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की अपील की है।

यातायात पुलिस के अनुसार, मेले के दौरान शहर में यातायात सामान्य रूप से संचालित किया जाएगा। हालांकि, एक्सपोमार्ट गोलचक्कर पर वाहनों का दबाव अधिक होने की स्थिति में आवश्यकतानुसार गोलचक्कर को बंद कर यातायात डायवर्जन लागू किया जा सकता है। इससे वाहन चालकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। यातायात पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गलगोटिया कट से एक्सपोमार्ट गोलचक्कर होते हुए आईएफएस विला गोलचक्कर की ओर जाने वाले वाहनों को जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग से निकाला जाएगा।

ऐसे वाहन एक्सपोमार्ट गोलचक्कर से बड़ा गोलचक्कर और शारदा गोलचक्कर होते हुए एलजी गोलचक्कर पहुंच सकेंगे। इसके बाद वाहन जगतफार्म के रास्ते अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। मेले के दौरान एक्सपोमार्ट के आसपास यातायात का दबाव बढ़ने से लोगों को जाम का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ग्रेटर नोएडा जाने वाले वाहन चालक यात्रा पर निकलने से पहले अपने मार्ग की योजना बना लें।

न्यूज ब्रीफ

रोहतांग दर्रे के समीप पहाड़ी से गिरकर 17 वर्षीय पर्यटक छात्र की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रोहतांग दर्रे के समीप पहाड़ी से गिरने के कारण उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी 17 वर्षीय पर्यटक छात्र की मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले छात्र की पहचान रुद्र कुमार, पुत्र पुष्पेंद्र कुमार, निवासी आकाश नगर, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार गाजियाबाद स्थित ब्राइटलैंड स्कूल, गोविंदपुरम में कक्षा 11वीं (कॉमर्स) में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का एक समूह मनाली घूमने आया हुआ था। मंगलवार को यह समूह रोहतांग दर्रे की ओर गया था। इसी दौरान छात्र रुद्र कुमार रोहतांग के दूसरी ओर पहाड़ी के समीप फोटो खिंचवाने के लिए गया। बताया जा रहा है कि इसी दौरान वह पहाड़ी से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। पोस्टमार्टम सहित अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शव को नियमानुसार परिजनों को सौंपने समेत आगामी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। इस हादसे ने पर्यटन स्थलों पर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों के समीप फोटो खिंचवाते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर किया है।

छाटनसेरी-बेंची सड़क पर 19 तक यातायात बंद

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। छाटनसेरी-बेंची सड़क पर मरम्मत व रखरखाव कार्य के चलते 19 अक्तूबर तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। जिला दंडाधिकारी कुल्लू डॉ. अमित कुमार शर्मा ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, सड़क के किलोमीटर 0/00 से 1/500 तक सीमेंट कंक्रीट मार्ग निर्माण सहित मरम्मत कार्य किया जाएगा। यह प्रतिबंध 9 से 19 अक्तू बर तक लागू रहेगा। जिला दंडाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक को पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, लोक निर्माण विभाग के मनाली मंडल के अधिशासी अभियंता को वैकल्पिक मार्ग पर संकेतक लगाने तथा वाहनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए उचित व्यवस्था करने को कहा गया है।

आज कुल्लू के कई क्षेत्रों में चार घंटे बिजली रहेगी बंद

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली लाइनों की मरम्मत व रखरखाव कार्य किया जाएगा। इसके चलते 14 अक्तू बर 2026 को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कुल्लू के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली उपमंडल कुल्लू-1 के अतिरिक्त सहायक अभियंता के अनुसार, 11 केवी फीडर गांधीनगर, कोलीबेहड़ और ढालपुर-1 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में गांधीनगर, शास्त्रीनगर, पिरड़ी, पीज, नैणसेरी, खड़ीहार, बदाह, तलोगी, बराहार, फॉरेस्ट कॉलोनी, कैटल ग्राउंड, सर्किट हाउस, अपर ढालपुर, लोअर ढालपुर मार्केट सहित आसपास के इलाके शामिल हैं। बिजली बोर्ड ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

सोलन में आज भाजपा का धरना-प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। कांग्रेस सरकार की चुनावी गारंटियों को लेकर भाजपा सोलन शहरी मंडल 14 अक्तूबर को धरना-प्रदर्शन करेगा। भाजपा ने प्रदेश सरकार पर विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से किए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेताओं के अनुसार, 14 अक्तूबर 2022 को प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में आयोजित प्रतिज्ञा रैली में महिलाओं को आर्थिक सहायता और युवाओं को रोजगार देने की गारंटी दी थी। भाजपा का आरोप है कि ये वादे अब तक पूरी तरह पूरे नहीं हुए हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता देने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के वादों पर सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के युवा रोजगार के लिए परेशान हैं और पात्र महिलाओं को भी अपेक्षित लाभ नहीं मिला है। भाजपा ने घोषणा की है कि प्रदर्शन के दौरान राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर चुनावी गारंटियों को पूरा करने की मांग उठाई जाएगी।

बिलासपुर में आपदा प्रबंधन व अग्नि सुरक्षा पर कार्यशाला, युवाओं को दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर माय भारत, जिला बिलासपुर की ओर से मां संतोषी आईटीआई में अग्नि सुरक्षा, आपदा प्रबंधन एवं बचाव कार्यों पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी आशीष गौतम और बाल विकास परियोजना अधिकारी घुमारवीं रंजना शर्मा उपस्थित रहे। इस दौरान अग्निशमन विभाग बिलासपुर की टीम ने विद्यार्थियों और युवाओं को आगजनी सहित विभिन्न आपदाओं से बचाव, सुरक्षित निकासी तथा राहत कार्यों की जानकारी दी। कार्यशाला में अग्निशमन उपकरणों के इस्तेमाल का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। प्रतिभागियों को आपात स्थिति में संयम, सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के महत्व से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को आपदा जोखिम न्यूनीकरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें आवश्यक सुरक्षा कौशल प्रदान करना था।

रिवालसर में भूकंप और अग्नि सुरक्षा पर मॉक ड्रिल, परखी आपदा प्रबंधन की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, रिवालसर। अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के उपलक्ष्य में समर्थ-2026 के तहत मंगलवार को उप तहसील परिसर रिवालसर में भूकंप और अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। सुबह 11 बजे हुए इस अभ्यास में विभिन्न विभागों ने भाग लेकर बचाव एवं राहत कार्यों का प्रदर्शन किया। मॉक ड्रिल में राजस्व, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशमन विभाग, नगर पंचायत और ग्राम पंचायत रिवालसर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। अभ्यास के दौरान आपदा में लोगों को सुरक्षित निकालने, त्वरित कार्रवाई करने और विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने का प्रशिक्षण दिया गया। नायब तहसीलदार रिवालसर ने कहा कि ऐसी मॉक ड्रिल आपदा से निपटने की तैयारियों को मजबूत बनाने और जनहानि कम करने में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी विभागों का सहयोग के लिए आभार जताया।

वर्दीधारी अधिकारी से दुर्व्यवहार भाजपा की सत्ता की मानसिकता : पुनीत मल्ली

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। देहरा के ढलियारा में भाजपा प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री एवं विधायक बिक्रम ठाकुर और पुलिस अधिकारी के बीच हुए विवाद पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता पुनीत मल्ली ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में भाजपा नेता के आचरण पर सवाल उठाए। मल्ली ने आरोप लगाया कि लोकतंत्र में विरोध करना अधिकार है, लेकिन इसकी आड़ में अधिकारियों से दुर्व्यवहार करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कानून सभी के लिए समान है और कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने भाजपा से अपने नेताओं के आचरण पर आत्ममंथन करने की मांग की। मल्ली ने कहा कि बिक्रम ठाकुर को पुलिस अधिकारी से कथित दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा कांग्रेस पार्टी उनका घेराव करने को मजबूर होगी।

पेंशन नियमों में बदलाव पर भड़के पेंशनर मांगें न मानीं तो आंदोलन की चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति ने पेंशन कम्यूटेशन नियमों में संशोधन का विरोध करते हुए सरकार से 14 सितंबर 2026 की अधिसूचना वापस लेने की मांग की है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश ठाकुर ने कहा कि इस बदलाव से प्रभावित पेंशनरों को 5 से 10 लाख रुपए तक का नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने 25 फरवरी 2022 की पुरानी व्यवस्था बहाल करने और दिवाली से पहले 15 प्रतिशत महंगाई भत्ता व महंगाई राहत जारी करने की मांग उठाई। समिति ने पेंशन एरियर, ग्रेच्युटी और लीव इनकैशमेंट की बकाया राशि का भुगतान करने पर भी जोर दिया। सुरेश ठाकुर ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने और वार्ता के लिए नहीं बुलाने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समिति पहले ही मुख्यमंत्री को 17 सूत्री मांगपत्र सौंप चुकी है।

धर्मशाला कॉलेज की ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा 15 नवंबर को

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला की ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन (ओएसए) की वार्षिक आम सभा 15 नवंबर, 2026 को दोपहर एक बजे महाविद्यालय के सभागार में आयोजित होगी। यह बैठक कॉलेज के 13 से 15 नवंबर तक होने वाले शताब्दी समारोह का हिस्सा होगी। बैठक में शताब्दी समारोह की तैयारियों, एसोसिएशन के वित्तीय लेखा-जोखा, नए सदस्यों के स्वागत और आगामी कार्यकारिणी समिति के चुनावों पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा पूर्व छात्रों की भागीदारी बढ़ाने, छात्र कल्याण और महाविद्यालय के विकास से जुड़ी योजनाओं पर भी विचार-विमर्श होगा। ओएसए अध्यक्ष संजीव गांधी और महासचिव अश्वनी कौल ने सभी पात्र सदस्यों से बैठक में भाग लेकर अपने सुझाव देने की अपील की है।

बज्रेश्वरी देवी मंदिर कांगड़ा वासियों के लिए एक बड़ा वरदान : अजय वर्मा

बज्रेश्वरी मंदिर में एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने की पूजा-अर्चना

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने माता श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर कांगड़ा में विधिवत पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा समस्त लोक कल्याण और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के वरिष्ठ पुजारियों ने विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न करवाई। इस दौरान सचिव कांग्रेस नवनीत शर्मा ने भी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर लोक कल्याण की कामना की।



5,500 श्रद्धालुओं ने किए माता के दर्शन

मंदिर अधिकारी प्रकाश चंद ने बताया कि नवरात्र के तीसरे दिन माता श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर में लगभग 5,500 श्रद्धालुओं ने माथा टेककर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि दूसरे नवरात्र के दिन मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा 3,68,845 रुपये का चढ़ावा अर्पित किया गया।

इस अवसर पर अजय वर्मा ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर के आसपास की गलियों और मिशन सड़क के मरम्मत कार्य को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए, जिसके बाद इन कार्यों को शुरू भी कर दिया गया है। अजय वर्मा ने कहा कि माता श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर कांगड़ा वासियों के लिए एक बड़ा वरदान है। यहां देश-प्रदेश के हजारों श्रद्धालु माता रानी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं, ऐसे में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं और उचित व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने मंदिर प्रशासन को आश्वस्त किया कि मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने और विकास कार्यों के लिए उनका हरसंभव सहयोग हमेशा उपलब्ध रहेगा।

कांगड़ा में अतिक्रमण पर एसडीएम सख्त, पैमाइश के दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। एसडीएम डॉ. अंजलि गर्ग ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरंग गली, मंदिर बाजार, नगर परिषद मैदान, सदाशिव मंदिर और मटौर पुल का दौरा किया। इस दौरान अनधिकृत रूप से पार्क वाहनों के चालान भी करवाए। एसडीएम ने मंदिर परिसर और आम रास्तों से अतिक्रमण तुरंत हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद और राजस्व विभाग को संबंधित भूमि की पैमाइश करवाकर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। नगर परिषद मैदान के समीप पीली लाइन लगाने और दोपहिया वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल विकसित करने के निर्देश भी दिए। सदाशिव मंदिर में ट्रस्ट सदस्यों से बातचीत के दौरान उन्होंने धार्मिक आयोजनों में ध्वनि स्तर का ध्यान रखने की अपील की, ताकि आसपास के लोगों को परेशानी न हो। निरीक्षण में नगर परिषद, राजस्व और पुलिस विभाग की टीमें मौजूद रहीं।

राहुल गांधी के आह्वान पर दिल्ली में जुटे कांग्रेसी अनुराधा ने किया आदिवासी कांग्रेस का प्रतिनिधित्व



भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में आयोजित आंदोलन में हिमाचल प्रदेश के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

लाहौल-स्पीति की विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस आदिवासी विभाग की अध्यक्ष अनुराधा राणा ने इस आंदोलन में हिमाचल प्रदेश की ओर से आदिवासी कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया। अनुराधा राणा ने आंदोलन में भागीदारी की जानकारी साझा करते हुए कहा कि राहुल गांधी के आह्वान पर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से कांग्रेस पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता, युवा, सेवादल और आदिवासी कांग्रेस के प्रतिनिधि दिल्ली पहुंचे। उन्होंने कहा कि आंदोलन में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर भाग लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक तथा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। वरिष्ठ नेत्री विद्या नेगी और महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष तृप्ता ठाकुर सहित प्रदेशभर से आईं महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी आंदोलन में भागीदारी की।

अनुराधा राणा ने राहुल गांधी के समर्थन में नारा देते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता उनके संघर्ष में साथ खड़े हैं। उन्होंने आंदोलन में शामिल हिमाचल प्रदेश के सभी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भागीदारी को पार्टी की एकजुटता का प्रतीक बताया। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित इस आंदोलन के माध्यम से कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को उठाया। अनुराधा राणा ने कांग्रेस के समर्थन में नारे लगाते हुए पार्टी की एकजुटता का संदेश भी दिया।

तनावमुक्त रहकर जीवन कौशल विकसित करें विद्यार्थी : धर्माणी



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। तकनीकी शिक्षा, नगर व ग्राम नियोजन एवं आवास मंत्री राजेश धर्माणी ने केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं में विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने बच्चों को तनावमुक्त रहकर सकारात्मक सोच अपनाने, भावनाओं पर नियंत्रण रखने और जीवन कौशल को व्यक्तित्व का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। धर्माणी ने विद्यार्थियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, ड्रोन तकनीक और पर्यावरण संरक्षण पर सवाल-जवाब किए। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित होना आवश्यक है। विद्यालय भवन की स्थिति स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि जमीन अब शिक्षा विभाग के नाम हो चुकी है, जिसे केंद्रीय विद्यालय संगठन को लीज पर दिया जा रहा है ताकि स्थायी परिसर का निर्माण जल्द शुरू हो सके। फिलहाल स्कूल गर्ल्स स्कूल के भवन में संचालित है, जहां सुरक्षा और सुविधाओं को बेहतर किया जा रहा है। विद्यार्थियों की मांग पर मंत्री ने अधिकारियों को खेल मैदान की सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए और छात्रों को खेल सामग्री भेंट की। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को मोरसिंघी खेल छात्रावास का शैक्षणिक भ्रमण करवाने का आश्वासन दिया।

माणी प्राथमिक स्कूल का उपनिदेशक ने किया निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, बालीचौकी। जिला मंडी के बालीचौकी क्षेत्र की राजकीय प्राथमिक पाठशाला माणी का प्रारंभिक उपनिदेशक शिक्षा सुनील दत्त ठाकुर ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बैठने और खेलने में आ रही समस्याओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब है कि आपदा में स्कूल भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। वर्तमान में 71 विद्यार्थियों के बैठने के लिए एक भी कमरा उपलब्ध नहीं है। एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद भवन का निर्माण न होने से अभिभावकों और स्थानीय लोगों में रोष है। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष वीर सिंह भारद्वाज ने बच्चों की सुविधा के लिए तीन नए कमरों के निर्माण की मांग उठाई। उपनिदेशक ने मांग को उच्च अधिकारियों के माध्यम से प्रदेश सरकार के समक्ष रखने का आश्वासन दिया।

आयुष्मान भारत पर राजनीति छोड़ धनराशि का हिसाब दे सुक्खू सरकार : विपिन परमार



◆ कहा- कांग्रेस पहले अपने शासनकाल का हिसाब दे, फिर भाजपा पर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने आयुष्मान भारत योजना को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल के लिए लगभग 112 करोड़ रुपए की केंद्रीय धनराशि जारी न होने का मुद्दा गंभीर है और प्रदेश सरकार को इस पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। परमार ने कहा कि कांग्रेस भाजपा की कार्यशैली पर सवाल उठाने के बजाय अपने शासनकाल का हिसाब दे। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक राहत प्रदान करती है। ऐसे संवेदनशील विषय पर राजनीति करने के बजाय पात्र लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध करवाना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार से केंद्रीय धनराशि, राज्य सरकार के खर्च, लंबित दावों और लाभार्थियों को मिले उपचार का विस्तृत विवरण सार्वजनिक करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि वित्तीय या प्रशासनिक अड़चनों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। परमार ने कहा कि जनता को आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और जवाबदेह शासन चाहिए। भाजपा जनहित के मुद्दों को उठाती रहेगी और सरकार से जवाब मांगती रहेगी।

छात्रों ने सीखे आपदा प्रबंधन के गुर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के तहत समर्थ-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत भूकंप से बचाव और सुरक्षित निकासी के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस वर्ष की थीम 'रेजिलिएंस स्टार्ट्स एट होम' रही। सुबह 11 बजे चेतावनी की घंटी के साथ शुरू हुए अभ्यास में विद्यार्थियों और शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया। ड्रिल का उद्देश्य आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया, सुरक्षित निकासी और जोखिम कम करने के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अभ्यास के दौरान सभी प्रतिभागी सुरक्षित रहे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरएस गिल ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण और पूर्व तैयारी के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, डिजास्टर मैनेजमेंट सेल के प्रभारी प्रो. युगराज सिंह ने बताया कि महाविद्यालय नियमित रूप से ऐसी मॉक ड्रिल आयोजित करता है।

कुल्लू में भाजपा का उग्र प्रदर्शन, राहुल का फूंका पुतला

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच पुतला जलाने को लेकर हुई झड़प

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। महिला सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा ने मंगलवार को कुल्लू जिला मुख्यालय में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं और महिला मोर्चा ने अटल सदन से ढालपुर चौक तक आक्रोश रैली निकालकर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सांसद प्रो. अगोमचा बिमोल अकोइजम के कथित बयानों और कृत्यों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई तथा बर्खास्तगी की मांग उठाई। विरोध-प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला भी जलाया, जिसे लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की झड़प हुई। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद से जुड़े विवादित बयान और घटनाक्रम महिलाओं के सम्मान से जुड़े संवेदनशील मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं के



भाजपा व महिला मोर्चा के नेताओं ने संभाला मोर्चा

प्रदर्शन में महिला मोर्चा की प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला सह प्रभारी भानु कपूर, जिला अध्यक्षा बिंदिया सूद, जिला भाजपा अध्यक्ष अमित सूद, दानवेंदर सिंह सहित भाजपा और महिला मोर्चा के अनेक पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने भी रैली में भाग लेते हुए महिला सम्मान और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद की। भाजपा नेताओं ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से जुड़े मामलों में राजनीतिक दलों को जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि संबंधित मामले में उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो पार्टी आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज करेगी।

सम्मान और सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। भाजपा ने संबंधित स्तर पर इस मामले में कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि महिला सम्मान के मुद्दे पर किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। भाजपा नेताओं ने दोहराया कि महिला सम्मान और सुरक्षा का मुद्दा पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है और इस मामले में कार्रवाई होने तक वे अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के 70 पदों के लिए होंगे कैंपस इंटरव्यू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। एसआईएस इंडिया लिमिटेड, आरटीए हमीरपुर ने सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के 70 पद अधिसूचित किए हैं। जिला रोजगार अधिकारी राजेश मेहता ने बताया कि इन पदों के लिए 22 अक्तूबर को जिला रोजगार कार्यालय बिलासपुर और 23 अक्तूबर को उप रोजगार कार्यालय श्री नैना देवी जी में सुबह 10:30 से दोपहर 2 बजे तक साक्षात्कार होंगे। इन पदों के लिए 19 से 40 वर्ष आयु के 10वीं पास पुरुष उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। न्यूनतम ऊंचाई 168 सेंटीमीटर और वजन 55 से 95 किलोग्राम होना चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 17,500 से 24,000 रुपए मासिक वेतन के साथ ईपीएफ, ईएसआईसी और बीमा पेंशन की सुविधा मिलेगी। इच्छुक उम्मीदवार मूल प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, रोजगार पंजीकरण कार्ड, दो फोटो और बायोडाटा लेकर पहुंचें। अधिक जानकारी के लिए 01978-222450 पर संपर्क करें।

कांगड़ा में आधार सुविधा केंद्र शुरू, बायोमेट्रिक अपडेट और त्रुटियों का होगा समाधान

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा में यूआईडीएआई के आधार सुविधा केंद्र का शुभारंभ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक पवन काजल ने रिबन काटकर किया। हिमाचल में शिमला और मंडी के बाद यह तीसरा केंद्र है। पवन काजल ने कहा कि केंद्र खुलने से कांगड़ा के साथ चंबा और हमीरपुर के लोगों को भी लाभ मिलेगा, अब आधार कार्ड में नाम, पता, फोटो और बायोमेट्रिक अपडेट जैसी सुविधाओं के लिए चंडीगढ़ नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के आधार कार्ड बनाने तथा बायोमेट्रिक अपडेट के शिविर लगाने का आग्रह किया। यूआईडीएआई के क्षेत्रीय निदेशक जगदीश कुमार ने बताया कि पांच और 17 वर्ष की आयु में बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट निशुल्क है। अन्य आधार संबंधी त्रुटियों को ठीक करवाने के लिए निर्धारित 75 रुपये शुल्क देना होगा। केंद्र पंचायत स्तर पर जागरूकता शिविर भी आयोजित करेगा।

बिलासपुर में रास्ता रोककर मारपीट और धमकी देने के चार मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के बरमाणा और झंडूता पुलिस थानों में रास्ता रोककर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के चार मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बरमाणा थाना क्षेत्र के पंजगाईं निवासी सुनील दत्त ने गांव के एक व्यक्ति पर उनके बच्चों का रास्ता रोककर गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया। धौणकोठी निवासी एक महिला ने भी गांव के व्यक्ति के खिलाफ मारपीट और धमकी की शिकायत दी है। वहीं, पंजगाईं निवासी पीयूष गौतम ने दुकान जाते समय कुछ लोगों पर रास्ता रोककर गाली-गलौज करने और धमकाने का आरोप लगाया। झंडूता थाना क्षेत्र के गेहड़वीं निवासी कांशी राम की शिकायत पर भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है।

19 को पालमपुर में श्रीराम मंदिर संकल्प-पट्टिका और डॉ. शिव कुमार की प्रतिमा का होगा अनावरण

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। रोटरी भवन पालमपुर में 19 अक्तूबर 2026 को श्रीराम मंदिर संकल्प-पट्टिका और डॉ. शिव कुमार की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। समारोह सुबह 11 बजे आयोजित होगा। दोनों अनावरण पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार के कर-कमलों से होंगे। द पालमपुर रोटरी आई फाउंडेशन, मरांडा, द पालमपुर रोटरी हेल्पएज फाउंडेशन, रोटरी भवन ट्रस्ट और रोटरी क्लब पालमपुर के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 1989 में पालमपुर स्थित रोटरी भवन में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान श्रीराम मंदिर निर्माण के समर्थन में ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया था। इसी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए संकल्प-पट्टिका स्थापित की जा रही है। डॉ. शिव कुमार विभिन्न रोटरी संस्थाओं के संस्थापक अध्यक्ष रहे। सामाजिक सेवा में उनके योगदान के सम्मान में उनकी प्रतिमा स्थापित की जा रही है। यह जानकारी केजी बुटेल ने दी।

सेरली बताही गांव में डेढ़ माह से पेयजल संकट आधा किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर ग्रामीण

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट की ग्राम पंचायत पटड़ीघाट के सेरली बताही गांव में पिछले डेढ़ माह से पेयजल संकट गहराया हुआ है। ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए लगभग आधा किलोमीटर दूर प्राकृतिक जलस्रोतों से पानी ढोना पड़ रहा है, जबकि घरों में लगे नल मात्र शोपीस बनकर रह गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि डेढ़ माह में कुल मिलाकर एक सप्ताह भी पानी नहीं मिला है।



स्थानीय प्रधान व्यासा देवी उपप्रधान रवि चंद, पूर्व वार्ड पंच कांता देवी, छबि राम, चुनी लाल, मित्र देव, डुम राम, इंद्र देव, खीमा राम, लक्ष्मी देवी, खेम चंद, बबलू, छुड़ा मनी व ईश्वर दास सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि जल शक्ति विभाग के कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता व अधिशाषी अभियंता से बार-बार शिकायत करने तथा पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से मिलने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। वहीं, कोट वार्ड की जिला परिषद सदस्य सुष्मिता शर्मा ने बताया कि उन्होंने करीब दो माह पहले जिला परिषद की बैठक में इस समस्या को लेकर लिखित शिकायत दी थी, लेकिन आज तक न तो विभाग की ओर से कोई लिखित जवाब मिला और न ही गांव में पेयजल आपूर्ति सुचारू हुई। सुष्मिता शर्मा ने जल शक्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लोगों को पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग के उच्च अधिकारियों से तत्काल पेयजल आपूर्ति बहाल करने और लिखित शिकायत पर की गई कार्रवाई की जानकारी देने की मांग की है। वहीं, ग्रामीणों में विभाग के प्रति भारी रोष व्याप्त है।

> **जलशक्ति** विभाग सरकाघाट के अधिशाषी अभियंता इंजीनियर लेख राज शर्मा ने कहा कि पानी की समस्या बिलकुल जायज है। लोगों की 6 किलोमीटर पाइपलाइन कहीं बीच चोक हो गई है। 3 किलोमीटर तक पाइपलाइन जगह-जगह खोलकर चेक कर चुके हैं फाल्ट नहीं मिल रहा एक-दो दिन में फॉल्ट का पता चलते ही लाइन क्लियर करवा दी जाएगी।

जलूग्रां स्कूल में मनाया अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जलूग्रां में अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें एनएसएस के करीब 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को आपदा से बचाव एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान प्राकृतिक और अन्य आपदाओं से उत्पन्न खतरों तथा उनसे बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि आपदा से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पहले से तैयारी और सतर्कता जरूरी है। इस अवसर पर अग्निशामक यंत्र चलाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। विद्यार्थियों को फायर एक्सटिंग्विशर के सही इस्तेमाल का प्रदर्शन करके दिखाया गया तथा 'PASS' नियम की जानकारी दी गई। कार्यक्रम से विद्यार्थियों को आपात परिस्थितियों में सूझबूझ और सुरक्षित तरीके से कार्रवाई करने की महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

धौलाधार इको क्लब की नई कार्यकारिणी गठित, वरुण शर्मा बने अध्यक्ष



भारतेन्दु संवाददाता, रैत। द्रोणाचार्य शिक्षण महाविद्यालय, रैत में धौलाधार इको क्लब की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में क्लब के संयोजक अभिषेक कुमार और अनोज कुमार उपस्थित रहे। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, पौधारोपण तथा विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। नई कार्यकारिणी में वरुण शर्मा को अध्यक्ष, पलक गुलेरिया को कार्यकारी अध्यक्ष और पालक को उपाध्यक्ष चुना गया। वहीं, विशाखा और नेहा को सचिव, सेजल और सौरभ को कोषाध्यक्ष, दिव्या और मोनिका को सलाहकार तथा नीरज को मीडिया पर्सन नियुक्त किया गया। बैठक में सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर कार्य करने और महाविद्यालय में समय-समय पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने पर सहमति जताई। संयोजकों ने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आपदा से निपटने की तैयारियों को लेकर अधिकारियों व कर्मचारियों ने ली शपथ

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। जिला लाहौल-स्पीति में आपदाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनसे प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज पुराने परिधि गृह के प्रांगण में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपदा प्रबंधन की शपथ ली। इस अवसर पर उपमंडलाधिकारी केलांग कुनिका एकर्स ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन की शपथ दिलाई। शपथ के माध्यम से सभी ने आपदा की स्थिति में सतर्कता बरतने, अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्पर रहने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण से पूर्व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से पूनम देवी ने उपस्थित लोगों को आपदा से बचाव एवं तैयारियों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी।

न्यूज ब्रीफ

नरोला में 18 को दुर्गा माता मंदिर में लगेगा भंडारा, महिला मंडल करेगा भजन-कीर्तन



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर नरोला गांव में 18 अक्तू बर को दुर्गा माता मंदिर में भोग, लंगर व भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान गांववासी माता रानी से क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करेंगे। दुर्गा माता मंदिर कमेटी नरोला की बैठक प्रधान हंसराज की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि नवरात्रि के अवसर पर सभी गांववासी मंदिर में माता को भोग अर्पित करेंगे और लंगर वितरित करेंगे। वहीं, महिला मंडल नरोला की प्रधान उमा देवी ने 18 अक्तूबर को भजन-कीर्तन में भाग लेने के लिए सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया। बैठक में बालक राम शर्मा, हरिमन, जगदीश वर्मा, इंद्र देव, बलदेव सिंह वर्मा, सुंदर सिंह, रोशन लाल उर्फ शेरू शास्त्री सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पुराना कांगड़ा की रामलीला में उमड़ी दर्शकों की भीड़, शाश्वत ने बच्चों को किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नगरकोट युवा कला केंद्र पुराना कांगड़ा द्वारा आयोजित रामलीला के तीसरे दिन विभिन्न प्रसंगों का मंचन किया गया। प्रभु श्रीराम की आरती के बाद सीता जन्म, दशरथ दरबार और माता सीता की बाल अवस्था का मंचन पहली बार प्रस्तुत किया गया। स्थानीय कलाकारों ने सभी किरदारों को बखूबी निभाया, जबकि हास्य कलाकार मोटू-पतलू दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री शाश्वत कपूर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने रामायण प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पांच भाग्यशाली बच्चों को सम्मानित किया। इस अवसर पर शाश्वत कपूर ने कहा कि रामलीला भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और नैतिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। भगवान श्रीराम का जीवन युवा पीढ़ी को मर्यादा, कर्तव्य और संस्कारों की सीख देता है। रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे और कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

कनिष्का ने जीता 'मिस आइकॉनिक हिमाचल' का खिताब, स्कूल का बढ़ाया गौरव



भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल पठियार की छात्रा कनिष्का ने टैलेंट हंट हिमाचल सीजन-5 की मॉडलिंग सुपर जूनियर श्रेणी में 'मिस आइकॉनिक हिमाचल' का खिताब जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हिम जागृति मंच द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता 10 अक्तूबर, 2026 को देहरा में हुई। कनिष्का ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और शानदार प्रस्तुति के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता से विद्यालय में खुशी का माहौल है और उन्हें बधाइयां देने वालों का तांता लगा है। विद्यालय के एमडी कुलदीप ठाकुर, प्रबंधक पीएस प्रधान, प्रधानाचार्या पूजा महाजन और संगीत अध्यापिका प्रवीण मेहता ने कनिष्का को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने उनकी प्रतिभा और मेहनत की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि कनिष्का की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

मोहल गांव में गैस सिलेंडर की गाड़ी भेजने की मांग, शशिकांत ने डीसी को सौंपा ज्ञापन



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। सूरजपुर वार्ड के जिला परिषद सदस्य शशिकांत शर्मा ने ग्राम पंचायत बखालग के मोहल गांव में रसोई गैस सिलेंडर की गाड़ी भेजने की मांग को लेकर डीसी सोलन मनमोहन सिंह को ज्ञापन सौंपा। उपायुक्त ने समस्या के जल्द समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। शशिकांत शर्मा ने बताया कि मोहल गांव की हरिजन बस्ती में गैस सिलेंडर की गाड़ी नहीं पहुंचने से ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोगों को पैदल सिर पर सिलेंडर उठाकर घर तक ले जाना पड़ता है। कई बार घंटों इंतजार करने के बावजूद सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पाता, जिससे ग्रामीणों का समय और पैसा दोनों खर्च होते हैं। उन्होंने उपायुक्त से आग्रह किया कि ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए बेहली और मोहल गांवों तक गैस सिलेंडर की गाड़ी पहुंचाने की नियमित व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। शशिकांत शर्मा ने उम्मीद जताई कि प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान सुनिश्चित करेगा।

यमुना शरद् महोत्सव की तैयारियों पर किया मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। राज्य स्तरीय यमुना शरद् महोत्सव-2026 के सफल आयोजन को लेकर एसडीएम द्विज गोयल की अध्यक्षता में एसडीएम कार्यालय के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इसमें महोत्सव की तैयारियों, खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में एसडीएम ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों में विभागों की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया गया। यमुना शरद् महोत्सव पांवटा साहिब की सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और क्षेत्रीय पहचान को प्रदर्शित करने वाला महत्वपूर्ण आयोजन है। इसके माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। बैठक में सीडीपीओ पांवटा साहिब, स्वास्थ्य, नगर पालिका परिषद, उद्यान, कृषि और बिजली विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रो0 श्याम लाल ठाकुर की 16वीं पुण्यतिथि पर संगीत के माध्यम से दी गई श्रद्धांजलि



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। प्रो. श्याम लाल ठाकुर की 16वीं पुण्यतिथि पर सूत्रधार भवन के सभागार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सूत्रधार कला संगम और श्याम संगीत सम्मेलन समिति, कुल्लू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में संगीत प्रस्तुतियों के माध्यम से उन्हें याद किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। संगीत अकादमी के प्रशिक्षुओं ने शास्त्रीय संगीत, लोकगीत, भजन, बांसुरी वादन और कथक नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। राग भूपाली, विहाग, मालकोंस, बहार और भीम पलासी सहित विभिन्न रागों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। श्याम संगीत सम्मेलन समिति के अध्यक्ष डॉ. सूरत ठाकुर ने प्रो. श्याम लाल ठाकुर के जीवन और संगीत शिक्षा में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। सूत्रधार कला संगम के अध्यक्ष दिनेश सेन ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में परिजनों, कलाकारों और संस्था के पदाधिकारियों ने भाग लेकर दिवंगत संगीत साधक को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

फोरलेन किनारे बने व्यावसायिक भवनों पर नियमों की सख्ती, कारोबारियों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

पांच मीटर के दायरे में निर्माण और प्रवेश मार्गों की अनुमति पर उठे सवाल

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। कीरतपुर-मनाली फोरलेन के किनारे बने होटल, ढाबे, रेस्तरां, दुकानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के मालिकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मंडी और कुल्लू क्षेत्र में फोरलेन के किनारे स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए जाने की सूचना के बाद निर्माण संबंधी अनुमतियों और राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधे प्रवेश के रास्तों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित व्यावसायिक संपत्तियों के प्रवेश मार्गों की वैधता और निर्धारित नियमों के अनुपालन की जांच की जा सकती है। फोरलेन से पांच मीटर के दायरे में बने निर्माणों की अनुमति को लेकर भी पेच फंसने की आशंका जताई जा रही है। मंडी-कुल्लू के अलावा शिमला-परवाणू हाईवे और कीरतपुर



से सुंदरनगर तक के क्षेत्रों में भी नोटिस जारी करने की प्रक्रिया चलने की सूचना है। हालांकि, कार्रवाई का वास्तविक दायरा संबंधित विभाग की ओर से जारी नोटिसों और उनमें उल्लिखित नियमों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे जमीन का मालिकाना हक होने मात्र से संबंधित संपत्ति के लिए हाईवे पर सीधे प्रवेश का अधिकार स्वत: नहीं मिल जाता। राजमार्ग से किसी होटल, ढाबे, रेस्तरां या अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान तक आने-जाने के रास्ते की अनुमति सड़क सुरक्षा, तकनीकी मानकों और संबंधित प्राधिकरण के नियमों के आधार पर निर्धारित होती है। ऐसे में कारोबारियों को अपने प्रतिष्ठानों के प्रवेश और निकास मार्गों से जुड़े दस्तावेजों, स्वीकृतियों तथा निर्माण संबंधी अनुमतियों की जांच करनी पड़ सकती है। यदि किसी प्रतिष्ठान का प्रवेश मार्ग निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है, तो संबंधित विभाग के नियमों के अनुसार कार्रवाई की स्थिति बन सकती है।

राजमार्ग प्रवेश पोर्टल से मिल सकती है जानकारी

केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रवेश अनुमति से संबंधित प्रक्रिया के लिए राजमार्ग प्रवेश पोर्टल उपलब्ध कराया है। संबंधित श्रेणियों के आवेदक इसके माध्यम से प्रवेश अनुमति के लिए आवेदन करने और प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

कारोबारियों को अनुमति संबंधी दस्तावेज रखने होंगे दुरुस्त

फोरलेन किनारे व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने वाले कारोबारियों के लिए प्रवेश मार्गों की स्वीकृति और निर्माण संबंधी दस्तावेज महत्वपूर्ण हो सकते हैं। खासकर उन प्रतिष्ठानों के लिए स्थिति अहम है, जहां ग्राहकों और मालवाहक वाहनों की आवाजाही सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग से होती है। हालांकि, नोटिस मिलने की स्थिति में प्रत्येक मामले की परिस्थितियां, संबंधित भूमि की स्थिति और पहले से प्राप्त अनुमतियों की जांच आवश्यक होगी। इसलिए किसी भी व्यापक निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले संबंधित विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों और नोटिसों की वास्तविक शर्तों को देखना जरूरी है।

एस्टीमेट बना नहीं और शिलान्यास की जल्दी में मुख्यमंत्री सुक्खू : दलीप ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरकाघाट के विधायक दलीप ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चार साल तक सरकाघाट की अनदेखी करने के बाद अब मुख्यमंत्री को क्षेत्र की याद आई है। हैरानी की बात यह है कि जिन विकास कार्यों को लेकर सदन में सरकार ने यह जवाब दिया कि सरकाघाट में बस स्टैंड और भदरोता में मिनी सचिवालय भवन बनाने का कोई विचार नहीं है, अब उन्हीं परियोजनाओं को शिलान्यास की सूची में शामिल करने की तैयारी की जा रही है, जब इन कार्यों के एस्टीमेट तक तैयार नहीं हैं और बजट की स्थिति स्पष्ट नहीं है, तो मुख्यमंत्री किस आधार पर शिलान्यास करने जा रहे हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल अपने नाम की पट्टिका लगाने के लिए जनता को गुमराह करने की कोशिश है।



दलीप ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री को प्रदेश की जनता के सामने स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर सरकार की मंशा क्या है। एक ओर सरकार विधानसभा के भीतर इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लेकर विचार न होने की बात कहती है, दूसरी ओर अब शिलान्यास की तैयारी की खबरें सामने आ रही हैं। सरकार के इस विरोधाभासी रुख से कई सवाल खड़े होते हैं। क्या मुख्यमंत्री का विधानसभा में दिया गया जवाब गलत था या अब शिलान्यास की घोषणाएं केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए की जा रही हैं? प्रदेश की जनता को इन सवालों का जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकाघाट बस स्टैंड, भदरोता मिनी सचिवालय और सरकाघाट में मल्टी लेवल कमर्शियल पार्किंग व शॉपिंग कांप्लेक्स क्षेत्र की महत्वपूर्ण जरूरतों से जुड़े कार्य हैं। इन परियोजनाओं को लेकर सरकार की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अभी तक इनके एस्टीमेट तैयार होने और बजट की उपलब्धता को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है, जबकि इन्हें शिलान्यास की सूची में शामिल करने की बातें सामने आ रही हैं। यदि परियोजनाओं की बुनियादी तैयारी ही पूरी नहीं हुई है, तो शिलान्यास का औचित्य क्या है?

अर्की में रामलीला के दूसरे और तीसरे दिन हुआ भव्य मंचन

19 अक्तूबर को पहुंचेंगे देवताओं के रथ

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की नगर पंचायत के ऐतिहासिक चौगान मैदान में आयोजित रामलीला में दूसरे और तीसरे दिन भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का मनमोहक मंचन किया गया।

रामलीला का शुभारंभ गणपति वंदना और वंदना के साथ हुआ। कलाकारों की प्रस्तुतियों को दर्शकों ने खूब सराहा। रामलीला क्लब अर्की के निदेशक हेमेंद्र गुप्ता ने बताया कि दूसरे दिन सुबाहू और मारीच द्वारा ऋषि विश्वामित्र को परेशान करने, विश्वामित्र के राजा दशरथ के दरबार में पहुंचने, राम-लक्ष्मण को अपने साथ ले जाने और ताड़का वध सहित कई प्रसंगों का मंचन किया गया तीसरे दिन सुबाहू वध, अहिल्या उद्धार, राम-लक्ष्मण का मुनि विश्वामित्र के साथ जनकपुरी जाना, सीता स्वयंवर, राम-परशुराम संवाद, राम-सीता विवाह और राजा दशरथ द्वारा अपनी



इच्छा व्यक्त करने जैसे प्रसंग प्रस्तुत किए गए।

हेमेंद्र गुप्ता ने बताया कि हर वर्ष की परंपरा के अनुसार 19 अक्तूबर को कोलका, कराड़घाट और मांगू से मंढोड़ देवता के रथ अर्की पहुंचेंगे। रामलीला क्लब की ओर से भजन-कीर्तन के साथ देवताओं के रथों का स्वागत किया जाएगा। दशहरा पर्व पर नगर में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान जी की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद चौगान मैदान में देवमिलन और देव नृत्य होगा। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। शाम को रामलीला मंचन के बाद रावण सहित अन्य पुतलों का दहन किया जाएगा। इसके पश्चात स्थानीय बाजार में श्रीराम-भरत मिलाप कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि दशहरा उत्सव के अगले दिन भगवान श्रीराम के राजतिलक का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर लक्की ड्रॉ भी निकाला जाएगा। कार्यक्रमों को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह है। इस अवसर पर रामलीला क्लब अर्की के सभी पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

मनरेगा मजदूरों के बच्चों की शादी के लिए 53 .88 लाख की सहायता जारी : भूपेंद्र सिंह

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। हिमाचल प्रदेश श्रमिक कल्याण बोर्ड ने सरकाघाट और धर्मपुर के 107 मनरेगा मजदूरों को विवाह सहायता के रूप में 53.88 लाख रुपए जारी किए हैं।



इसके अलावा छात्रवृत्ति के 8.11 लाख और प्रसूति सहायता के 2.95 लाख रुपए भी जारी किए गए हैं। यह जानकारी बोर्ड सदस्य एवं सीटू मंडी जिला प्रधान भूपेंद्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 से लंबित सहायता राशि जारी करवाने के लिए सीटू ने दो वर्षों तक संघर्ष किया। हमीरपुर स्थित बोर्ड कार्यालय का दो बार घेराव करने के बाद पुराने मामलों में भुगतान शुरू हुआ है। हालांकि, मंडी जिले में अभी भी 35 हजार क्लेम लंबित हैं, जिनमें 16 हजार सरकाघाट और धर्मपुर क्षेत्र के हैं। भूपेंद्र सिंह के अनुसार, लग्यार की मीरां को दो बेटियों की शादी के लिए 1.02 लाख रुपए मिले हैं। वहीं, छबेहड़ की रेखा देवी को बेटे की बीटेक पढ़ाई के लिए एक वर्ष की छात्रवृत्ति के रूप में 1.20 लाख रुपए जारी हुए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि बोर्ड द्वारा सहायता राशि जारी करने में देरी की जा रही है। सीटू ने सभी लंबित क्लेम दैनिक आधार पर जारी करने और 31 अक्तूबर तक भुगतान पूरा करने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर मजदूरों ने दोबारा प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। भूपेंद्र सिंह ने बताया कि बोर्ड में करीब साढ़े चार लाख मजदूर पंजीकृत हैं और उन्हें 14 प्रकार की वित्तीय सहायता दी जाती है।

ज्ञान विज्ञान समिति ने विद्यार्थियों को नशे और स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला साईगलू में नशा एवं स्वास्थ्य विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। समिति के जिला सचिव गजेंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को संतुलित आहार अपनाने, जंक फूड से बचने और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। स्वास्थ्य विभाग के नरेंद्र कौशल ने नशे के शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभाव बताए। पुलिस थाना कोटली के एएसआई बृजभूषण ने नशा तस्करी के कानूनी पहलुओं की जानकारी दी। दया राम चौहान ने चलचित्र के माध्यम से जागरूक किया, जबकि विनय कुमारी ने सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार ने ऐसे कार्यक्रमों को युवाओं के स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक बताया।

राज्य स्तरीय कुश्ती में वाणी ने हासिल किया प्रथम स्थान, सालवाला स्कूल का बढ़ाया गौरव



भारतेन्दु संवाददाता, सालवाला। राजकीय उच्च विद्यालय सालवाला की छात्रा वाणी ने राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर मजदूर नेता प्रदीप चौहान व विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान सुरेश चौहान ने उन्हें सम्मानित कर नकद राशि भेंट की।

प्रदीप चौहान ने वाणी को बधाई देते हुए उनकी सफलता का श्रेय मेहनत, लगन व निरंतर अभ्यास को दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने जाते समय वाणी को ट्रैक सूट भेंट किया जाएगा। साथ ही, भविष्य में खेल संबंधी आवश्यकताओं के लिए हरसंभव सहयोग देने की बात कही। इस दौरान प्रदीप चौहान ने विद्यालय के पीटीआई ओम प्रकाश शर्मा के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि वाणी को उचित मार्गदर्शन देने और योग्य कोच से जोड़ने में शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके प्रयासों से विद्यार्थियों को खेल प्रतिभा निखारने के अवसर मिले हैं। वाणी की सफलता को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि वह राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी। उनकी उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

जगदीश वर्मा बने सहकारी सभा सधोट के प्रधान

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। सहकारी सभा सधोट का चुनाव पूर्व पंचायत प्रधान कुलदीप ठाकुर की देखरेख में संपन्न हुआ। चुनाव में मोरतन बाहरु वार्ड से जगदीश वर्मा, धनराशि वार्ड से धर्मचंद, सधोट वार्ड नंबर एक और दो से आशीष ठाकुर, खरोह वार्ड से बृजलाल शर्मा तथा कराड़ी-पपलोग वार्ड से बालम राम डेलीगेट चुने गए।

नवनिर्वाचित सभी डेलीगेट ने सर्वसम्मति से जगदीश वर्मा को सहकारी सभा सधोट का प्रधान मनोनीत किया। प्रधान चुने जाने पर जगदीश वर्मा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सहकारी सभा सधोट काफी पिछड़ चुकी है और इसे प्रगति के नए आयाम तक पहुंचाने के लिए वह हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने स्थानीय जनता को आश्वासन दिया कि सभा के विकास और कार्यप्रणाली में सुधार के लिए मिलकर काम किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल एक लाख पार, रवि ठाकुर ने उठाई जांच की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। लाहौल-स्पीति के पूर्व विधायक व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि ठाकुर ने स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में कथित भारी बढ़ोतरी और प्रदेश सरकार की ओर से लगाए जा रहे विभिन्न सेस व टैक्स का मुद्दा उठाया। उन्होंने जिस्पा-दारचा मंडल में महिला मंडलों, युवाओं और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभाग से मामले की जांच कर राहत प्रदान करने की मांग की।

बैठक में स्थानीय उपभोक्ताओं ने बिजली बिलों में असामान्य बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई। लोगों के अनुसार, कुछ मामलों में पहले करीब 45 हजार रुपए तक आने वाले बिजली बिल स्मार्ट मीटर लगने के बाद एक लाख रुपए से अधिक पहुंच गए हैं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए रवि ठाकुर ने संबंधित अधिशाषी अभियंता से बातचीत की और बिजली बिलों, मीटर रीडिंग तथा अतिरिक्त शुल्कों की जांच करने की मांग उठाई। रवि ठाकुर ने कहा कि बिजली आम जनता की मूलभूत जरूरत है और बिलों में असामान्य बढ़ोतरी उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय है। बिजली विभाग को ऐसी शिकायतों की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। यदि बिलों में कोई त्रुटि या अनियमितता पाई जाती है, तो उसे तुरंत दुरुस्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को बिजली बिलों की गणना के आधार और लगाए गए अतिरिक्त शुल्कों की स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए। उन्होंने स्मार्ट मीटर के संबंध में उच्च न्यायालय के फैसले और लागू नियमों के अनुरूप उपभोक्ताओं के विकल्पों को स्पष्ट करने की भी मांग की।



सेस व टैक्स का विवरण सार्वजनिक करने की मांग

रवि ठाकुर ने प्रदेश सरकार की ओर से बिजली बिलों में लगाए जा रहे विभिन्न सेस एवं टैक्स पर सवाल उठाते हुए प्रत्येक अतिरिक्त शुल्क का स्पष्ट विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को पता होना चाहिए कि उनसे किस मद में कितनी राशि वसूली जा रही है। महंगाई के दौर में आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने से पहले जनहित और पारदर्शिता का ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि लाहौल-स्पीति के लोगों की समस्याओं को संबंधित विभागों और सरकार के समक्ष उठाना उनकी प्राथमिकता है। बिजली बिलों से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए वह इस मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रयास करेंगे।

हमीरपुर कॉलेज में पांच दिवसीय अंतर महाविद्यालय युवा उत्सव ग्रुप-2 का आगाज

युवा संविधान और लोकतंत्र को समझें, नशे से दूर रहकर समाज के सजग प्रहरी बनें : बिट्टू

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर विश्वविद्यालय का पांच दिवसीय अंतर कॉलेज युवा उत्सव ग्रुप-2 (संगीत) मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मारक महाविद्यालय में आरंभ हो गया। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने इस उत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इसमें हिमाचल प्रदेश विवि के 42 कॉलेजों के विद्यार्थी गीत-संगीत की 11 अलग-अलग विधाओं में भाग ले रहे हैं।

इस अवसर पर आयोजन समिति और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभाशाली युवाओं को बहुत अच्छे अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि संगीत में बहुत ताकत होती है और किसी भी शिक्षण संस्थान में सकारात्मक माहौल बनाने में गीत-संगीत की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। युवा पीढ़ी की चर्चा करते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने



कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने इस पीढ़ी की ताकत को पहचानते हुए ही 18 वर्ष के युवाओं को मतदान का अधिकार प्रदान किया था। वह जानते थे कि आज का युवा अपने आपमें सक्षम व समझदार है। इसलिए, युवाओं को राजीव गांधी के सपनों को पूरा करने के लिए कार्य करना चाहिए। सुनील शर्मा बिट्टू ने युवाओं से आग्रह किया कि वे भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझें तथा नशे से दूर रहते हुए देश एवं समाज के सजग प्रहरी बनें। इस अवसर पर मेजबान कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. संगीता सिंह और युवा उत्सव की आयोजन सचिव डॉ. पूनम शर्मा ने मुख्यातिथि, अन्य अतिथियों, टीम प्रभारियों तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा उत्सव की विस्तृत जानकारी दी। उत्सव के उद्घाटन अवसर पर राज्य नशा निवारण बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर, एपीएमसी के अध्यक्ष अजय शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कुमार, पार्टी के अन्य पदाधिकारी, बोर्डों-निगमों के बीओडी मैंबर, विभिन्न कालेजों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षाविद, पीटीए, ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन और सीएसए के पदाधिकारी तथा अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

मंत्री राजेश धर्माणी 16 अक्तूबर को मंडी जिले के प्रवास पर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। ग्राम व नगर नियोजन, आवास तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी 16 अक्तूबर को मंडी जिले के एकदिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह दो प्रमुख कार्यक्रमों में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री सुबह करीब 9:30 बजे राजकीय बहुतकनीकी संस्थान सुंदरनगर के सभागार में आयोजित इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की राज्य स्तरीय स्मार्ट हैकाथॉन-2026 में भाग लेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 1:30 बजे वह धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिद्धपुर में 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की छात्राओं की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह के बाद मंत्री घुमारवीं के लिए रवाना होंगे।



डीएवी अंबुजा की मानसी ने हिंदी भाषण प्रतियोगिता में हासिल किया दूसरा स्थान



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। डीएवी अंबुजा विद्यालय की छात्रा मानसी शर्मा ने चंडीगढ़ के सेक्टर-8सी स्थित डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (लाहौर) में आयोजित डीएवी के 57वें सांस्कृतिक सप्ताह के दौरान सर बख्शी टेक चंद स्मृति हिंदी भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।

प्रतियोगिता में 25 टीमों और दो व्यक्तिगत प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें विद्यार्थियों ने अपने वक्तृत्व कौशल, हिंदी भाषा पर पकड़ और विचारों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया। मानसी शर्मा ने अपनी प्रतिभा और प्रभावशाली प्रस्तुति के दम पर दूसरा स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक सप्ताह का शुभारंभ वैदिक हवन के साथ हुआ। इस अवसर पर सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रीतम पाल, अध्यक्ष डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-8सी, चंडीगढ़ एवं उपाध्यक्ष डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति, नई दिल्ली तथा विद्यालय प्रबंधक वीणा वाटनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के विजेताओं को चंडीगढ़ नगर निगम के वरिष्ठ उपमहापौर जसमानप्रीत सिंह ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मानसी शर्मा की इस उपलब्धि पर डीएवी अंबुजा विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती हैं।

एंजेलीना का खूबसूरत अंदाज

एंजेलीना गोंचारेन्को एक कुशल रूसी आइस हॉकी डिफेंडर हैं, जो झाया हॉकी लीग में टॉरपीडो निजनी नोवगोरोड की कप्तान हैं। उन्होंने शीतकालीन ओलंपिक और आईआईएचएफ महिला विश्व चैंपियनशिप में रूस का प्रतिनिधित्व किया है और 2013 में कांस्य पदक जीता था।



स्पोर्ट्स विंडो

लैनिंग फिर संभालेंगी मेलबर्न स्टार्स की कमान, एनाबेल सदरलैंड ने छोड़ी कप्तानी

एजेंसी, मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की पांच बार की विश्व कप विजेता कप्तान मेग लैनिंग आगामी महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के 12वें सत्र में मेलबर्न स्टार्स की कमान संभालेंगी। एनाबेल सदरलैंड ने दो सत्र तक कप्तानी करने के बाद अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर ध्यान देने के लिए यह जिम्मेदारी छोड़ दी है। लैनिंग ने पिछले सत्र में 479 रन बनाकर लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज का स्थान हासिल किया था। उनके नेतृत्व में मेलबर्न स्टार्स पहली बार खिताब जीतने की कोशिश करेगी। मुख्य कोच रिचर्ड पायराह ने सदरलैंड के फैसले की सराहना की। उन्होंने बताया कि लैनिंग, सदरलैंड और किम गर्थ मिलकर टीम के नेतृत्व में योगदान देंगी। सदरलैंड बल्लेबाजी और गेंदबाजी पर अधिक ध्यान देने के साथ नेतृत्व समूह का हिस्सा बनी रहेंगी। मेलबर्न स्टार्स अपने अभियान की शुरुआत 29 अक्टूबर को करेगी।



12 साल की अनन्या का स्टेट लेवल पर चयन, क्रिकेट में मीरजापुर का बढ़ाया मान

एजेंसी, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले के कोन ब्लॉक स्थित श्रीपट्टी गांव की 12 वर्षीय क्रिकेट खिलाड़ी अनन्या मिश्रा ने अपनी प्रतिभा के दम पर स्टेट लेवल के लिए चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत अंडर-17 और अंडर-19 की चयन प्रक्रिया में शानदार बल्लेबाजी कर उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। अनन्या मवैया गांव स्थित आरपी क्रिकेट क्लब में नियमित अभ्यास करती हैं। खेल के प्रति लगन, अनुशासन और निरंतर मेहनत से उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। अनन्या के पिता बिमल मिश्र और मां रिंकी मिश्रा ने बेटी की क्रिकेट में रुचि को प्रोत्साहित करते हुए उसे आगे बढ़ने में सहयोग दिया। उनकी सफलता से परिवार और क्रिकेट क्लब में खुशी का माहौल है। अब स्टेट लेवल पर अनन्या के प्रदर्शन पर सभी की निगाहें टिकी हैं।



हेलमेट पर गेंद लगने से स्मिथ की बढ़ी चिंता, मेडिकल निगरानी में रहेंगे

डरबन। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हेलमेट पर गेंद लगने के बाद कनकशन जांच से गुजरना होगा। सोमवार को मैच के चौथे दिन तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया की शॉर्ट पिच गेंद खेलने के प्रयास में स्मिथ चोटिल हो गए। इसके बाद वह दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान पर नहीं उतरे। ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद स्मिथ के जल्द ठीक होने की उम्मीद जताई। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की सिर की चोट और कनकशन नीति के तहत स्मिथ को अगले 24 घंटे निगरानी में रखा जाएगा। कनकशन की पुष्टि होने पर उन्हें मेडिकल अधिकारी की अनुमति मिलने तक क्रिकेट से दूर रहना होगा। गौरतलब है कि 2019 एशेज सीरीज में भी इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की गेंद स्मिथ के सिर पर लगी थी।



कबड्डी चैंपियंस लीग ने की दूसरे सत्र के लिए कोचों की घोषणा



एजेंसी, नई दिल्ली। कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) ने मंगलवार को अपने दूसरे सत्र के लिये कोचों की घोषणा की जो अगले सत्र में 10 फ्रेंचाइजी की बागडोर संभालेंगे । इसमें रविंदर पहल (करनाल किंग्स) , जगपाल सिंह (गुरुग्राम गुरुज), अनूप सिंह (कुरुक्षेत्र नाइट्स), सुरेंदर नाडा (सोनीपत स्टार्स), ओम प्रकाश नरवाल (फरीदाबाद फाइटर्स), समशेर सिंह (भिवानी बुल्स), जगदीप सिंह (रोहतक रॉयल्स), विनोद कुमार शुभग्रो)हिसार हीरोज), रणदीप दलाल (पानीपत पैंथर्स) और रमेश कुमार (झज्जर जगुआर)के कोच होंगे। केसीएल ने दूसरे सत्र के लिये टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है ।

हैदराबाद में चौथा टी20 जीतकर सीरीज पर कब्जा जमाने के इरादे से उतरेगा भारत

अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन की फॉर्म पर रहेंगी नजरें

एजेंसी, हैदराबाद

शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाज बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जीत दर्ज कर श्रृंखला अपने नाम करने के इरादे से उतरेंगे। भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे है और उसके पास खिताब जीतने का मौका है। वहीं, वेस्टइंडीज के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा होगा।

भारत की बल्लेबाजी में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने अब तक प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। इंदौर में खेले गए तीसरे टी20 में अभिषेक ने महज 30 गेंदों में 69 रन बनाए थे। उनकी पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। भारत ने इस मुकाबले में 223 रन बनाकर जीत हासिल की थी।

भारतीय टीम के लिए मध्यक्रम की भूमिका भी अहम होगी। शीर्ष क्रम के लगातार अच्छा प्रदर्शन करने से तिलक वर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी और नमन धीर को ज्यादा मौके नहीं मिले हैं। ऐसे में शुरुआती विकेट जल्दी गिरने पर मध्यक्रम को जिम्मेदारी संभालनी पड़ सकती है।



दूसरी ओर, वेस्टइंडीज की टीम भारतीय बल्लेबाजों की रनगति पर अंकुश लगाने की कोशिश करेगी। शेरफान रदरफोर्ड और कप्तान शाई होप ने भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। रदरफोर्ड ने तीन मैचों में 172 रन बनाए हैं, जबकि होप के नाम 159 रन हैं। दोनों का स्ट्राइक रेट भी 180 के पार रहा है।

भारतीय गेंदबाजों को भी अनुशासित प्रदर्शन करना होगा। दूसरे टी20 में वेस्टइंडीज ने 250 रन का लक्ष्य हासिल कर भारत को हराया था। ऐसे में अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव पर विपक्षी बल्लेबाजों को रोकने की जिम्मेदारी होगी।

मैच : शाम 7:00 बजे से

इस प्रकार हैं दोनों टीमें

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन (विकेटकीपर), नमन धीर, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, नीतिश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, प्रिंस यादव, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

वेस्टइंडीज: शाई होप (कप्तान और विकेटकीपर), ज्वेल एंड्रयू (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, आमिर जांगू (विकेटकीपर), कामिल पूरन, रोवमैन पॉवेल, शेरफान रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेज, कीमो पॉल, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती।

स्वियातेक पर डब्ल्यूटीए फाइनल्स से बाहर होने का खतरा, बढ़ी चुनौती

एजेंसी, वुहान

पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक के लिए इस साल डब्ल्यूटीए फाइनल्स में जगह बनाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। वह 2020 के बाद पहली बार सत्र के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से बाहर रह सकती हैं। स्वियातेक ने हालांकि शेष प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर क्वालीफाई करने की उम्मीद जताई है।

छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक ने इस साल अगस्त में कनाडियन ओपन के रूप में एकमात्र खिताब जीता। वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सकीं। आठ से 15 नवंबर तक होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स की क्वालीफाइंग सूची में वह फिलहाल 10वें स्थान पर हैं। उनके 3,799 अंक हैं और वह नौवें स्थान पर मौजूद मार्ता कोस्त्युक से 111 अंक पीछे हैं। इस टूर्नामेंट में शीर्ष आठ खिलाड़ियों को जगह मिलेगी।

स्वियातेक ने वुहान ओपन से पहले कहा कि डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करना उनका लक्ष्य है। उन्होंने मौजूदा स्थिति को सकारात्मक चुनौती बताया और कहा कि शेष टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए वह प्रेरित हैं। अप्रैल में विम फिसेट से अलग होने के बाद उन्होंने फ्रांसिस्को रोइग को कोच बनाया। स्वियातेक के मुताबिक, नए कोच के साथ अभ्यास में उनके खेल में सुधार हो रहा है। बुधवार को वुहान ओपन के पहले मुकाबले में उनका सामना हमवतन मैग्डालेना फ्रेंच से होगा। इसके बाद निंगबो और टोक्यो में बेहतर प्रदर्शन उनके लिए अहम रहेगा।



- 2020 के बाद पहली बार चूक सकती हैं जगह
- छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन के सामने क्वालीफिकेशन की चुनौती

सीके नायडू ट्रॉफी के लिए हिमाचल की टीम घोषित, नारायण संभालेंगे कप्तानी

एजेंसी, नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी (चार दिवसीय) एलीट टूर्नामेंट 2026-27 के लिए पुरुष अंडर-23 टीम की घोषणा कर दी है। इस प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम की कमान दक्ष नारायण को सौंपी गई है, जबकि अतुल जसवाल उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे।

एचपीसीए सचिव मनुज शर्मा ने चयनित खिलाड़ियों की जानकारी देते हुए बताया कि टीम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। टीम में पारस परिहार और ऋषित ठाकुर (बिलासपुर), प्रशांत कुमार और साहिल शर्मा (चंबा), अर्णव जमवाल, दक्ष नारायण, ऋत्विक वर्मा और सुशांत सिंह ठाकुर (कुल्लू), अतुल जसवाल और अक्षय वशिष्ठ (हमीरपुर), अर्जुन वधवा और चिराग शर्मा (मंडी) तथा राहुल सिंह (सोलन) शामिल हैं। इसके अलावा अभिनव शर्मा, अर्पित सिंह, केशव और रॉबिन संदल भी टीम का हिस्सा हैं। विनय कुमार को नेट बॉलर के रूप में शामिल किया गया है।

अनुभवी सहयोगी स्टाफ करेगा खिलाड़ियों की मदद

टीम के सहयोगी स्टाफ में मुख्य कोच सोमशेखर श्रिगुप्पी, गेंदबाजी कोच गुरविंदर सिंह और फील्डिंग कोच राहुल शर्मा शामिल हैं। इनके अलावा फिजियोथेरेपिस्ट प्रताप सिंह, वीडियो विश्लेषक निशांत चौहान/निशांत शर्मा, मसाज थेरेपिस्ट श्याम नरेश और साइड आर्म विशेषज्ञ शिलेमैन रोशन भी टीम के साथ रहेंगे।

सात मुकाबलों में दमखम दिखाएगी हिमाचल की टीम

टूर्नामेंट में हिमाचल का पहला मुकाबला 12 से 15 अक्तूबर तक राजस्थान के खिलाफ निर्धारित है। इसके बाद टीम 19 से 22 अक्टूबर तक मुंबई, 27 से 30 अक्तूबर तक बंगाल और 3 से 6 नवंबर तक गोवा के खिलाफ खेलेगी। नए साल में हिमाचल का सामना 18 से 21 जनवरी को बड़ौदा, 25 से 28 जनवरी को बिहार और 2 से 5 फरवरी 2027 तक ओडिशा से होगा। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और घरेलू क्रिकेट में अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा।

सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी गिल-शेफाली वर्मा



एजेंसी, दुबई। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को मंगलवार को आईसीसी ने रिकॉर्ड पांचवीं बार महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जबकि सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को एशिया कप और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए महिला वर्ग में यह सम्मान मिला।

शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। एक ही देश से महिला और पुरूष दोनों क्रिकेटरों को चुने जाने का यह पांचवां मौका है। इससे पहले भारत से जसप्रीत बुमराह और स्मृति मंधाना को जून 2024 में चुना गया था । वहीं अभिषेक शर्मा और मंधाना को सितंबर 2025 में चुना गया। शुभमन ने अभिषेक, जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता। वहीं महिला वर्ग में श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू और भारत की स्पिनर चरणी भी दौड़ में थीं।

रणजी ट्रॉफी : मोहम्मद सिराज की अगुआई में हैदराबाद ने त्रिपुरा को 40 रन से रौंदा

एजेंसी, हैदराबाद

मोहम्मद सिराज की अगुआई में हैदराबाद ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 के अपने अभियान का शानदार आगाज करते हुए त्रिपुरा को पारी और 40 रन से हरा दिया। मैच के तीसरे दिन मंगलवार को त्रिपुरा की टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 14 रन जोड़कर शेष तीन विकेट गंवा बैठी। इसके साथ ही हैदराबाद ने बड़ी जीत दर्ज की।

तीसरे दिन का खेल शुरू होने पर त्रिपुरा का स्कोर सात विकेट पर 107 रन था। टीम ने इसके बाद 6.2 ओवर में केवल 14 रन जोड़े और उसके बाकी तीनों बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। हैदराबाद ने दूसरे दिन ही मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। तनमय अग्रवाल और पदार्पण कर रहे रुथिक यादव के अर्धशतकों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था। त्रिपुरा की दूसरी पारी शुरुआत से ही दबाव में रही। हैदराबाद के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। सिराज और रुथिक यादव ने भी विकेट हासिल किए। हालांकि, अंतिम सत्र में सेंटू सरकार और परवेज सुल्तान ने कुछ देर तक संघर्ष करते हुए हैदराबाद की पारी से जीत हासिल करने की कोशिश को टाल दिया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके।



हैदराबाद की जीत में बाएं हाथ के स्पिनर तनय त्यागराजन की अहम भूमिका रही। उन्होंने दूसरी पारी में छह विकेट झटके और पूरे मैच में नौ विकेट लेकर अपना प्रभाव छोड़ा। सिराज पहली पारी में कोई विकेट नहीं ले सके थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने दो बल्लेबाजों को आउट किया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने 294 रन बनाए, जवाब में त्रिपुरा की पहली पारी 134 और दूसरी पारी केवल 120 रनों पर सिमट गई। इस तरह हैदराबाद ने मैच 1 पारी और 40 रन से अपने नाम किया। हैदराबाद ने इस जीत के साथ रणजी ट्रॉफी के नए सत्र में अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं।

भारत की विकास दर सात फीसदी रहने का अनुमान

एजेंसी, नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर सात फीसदी कर दिया है। इससे पहले यह अनुमान 6.4 फीसदी था। आईएमएफ के अनुसार, भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से बढ़ने वाला देश बना रहेगा। हालांकि, यह वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष की 7.7 फीसदी की तुलना में कम रहने का अनुमान है। आईएमएफ ने मंगलवार को जारी अपनी विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर भरोसा जताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027-28 में भी भारत की आर्थिक वृद्धि दर सात फीसदी रहने का अनुमान है। वहीं, वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2026 में 3.1 फीसदी और 2027 में 3.4 फीसदी रह सकती है। ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण वैश्विक महंगाई दर 4.7 फीसदी तक पहुंचने की आशंका है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर 2026 में 2.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि 2027 में इसके घटकर 1.9 फीसदी रहने की संभावना है। आईएमएफ के अनुसार, अमेरिका की अर्थव्यवस्था इस वर्ष 2.3 फीसदी की दर से बढ़ सकती है, जबकि चीन की वृद्धि दर 4.5 फीसदी रहने का अनुमान है।



फाईल फोटो।

सेंसेक्स में 1109 अंक की छलांग

- निफ्टी भी 359 अंक चढ़ा
- बाजार में तेजी से निवेशकों को राहत

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 1,109 अंक उछलकर 73,034 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 359 अंक की बढ़त के साथ 22,722 के स्तर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, मध्य पूर्व में तनाव कम होने की उम्मीद और आईटी शेयरों में मजबूत खरीदारी से बाजार को सहारा मिला। इससे पिछले कारोबारी सत्र में बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी।

बाजार में तेजी की प्रमुख वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान रहा कि तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिका ईरान पर हमला नहीं करेगा। दोनों देशों के बीच बातचीत सकारात्मक रहने की खबरों से मध्य पूर्व में तनाव घटने की उम्मीद बढ़ी, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ।



फाईल फोटो।

इस घटनाक्रम के बाद कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई। ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से महंगाई और आयात बिल को लेकर दबाव कम होने की उम्मीद रहती है।

आईटी शेयरों में भी जमकर खरीदारी हुई। निफ्टी आईटी सूचकांक चार प्रतिशत से अधिक चढ़ा। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के सितंबर तिमाही के बेहतर नतीजों से इस क्षेत्र में निवेशकों का भरोसा बढ़ा।

हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रही। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने पिछले सात कारोबारी दिनों में 24,342 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इसी अवधि में 23,088 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

इस बीच, फ्यूजन सीएक्स का आईपीओ भी मंगलवार को खुल गया। इसमें 16 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। कंपनी ने प्रति शेयर 275 से 289 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है और इसके जरिए 702 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है।

वेन्यू से बड़ी, क्रेटा से छोटी होगी हुंडई बेयोन, 26 अक्टूबर को लॉन्च

एजेंसी, मुंबई। हुंडई मोटर इंडिया की नई एसयूवी बेयोन की पहली तस्वीरें सामने आ गई हैं। कंपनी इसे अपनी एसयूवी श्रेणी में वेन्यू और क्रेटा के बीच पेश करने की तैयारी में है। जानकारी के अनुसार, इसे 26 अक्टूबर 2026 को भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है, जबकि इसकी डिलीवरी नवंबर से शुरू होने की उम्मीद है। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत 9.5 लाख से 14 लाख रुपये के बीच हो सकती है। हालांकि, कंपनी ने अभी आधिकारिक कीमत घोषित नहीं की है। डिजाइन की बात करें तो बेयोन का लुक वेन्यू के मुकाबले ज्यादा लंबा, चौड़ा और आकर्षक नजर आता है। इसमें पतली एलईडी दिन में जलने वाली लाइटें, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और 17 इंच के अलॉय व्हील मिलने की उम्मीद है। केबिन में 12.3 इंच की टचस्क्रीन और 12.3 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले दिया जाएगा। इसके अलावा, इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आवाज सहायक और हुंडई ब्लूलिंक के 70 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स मिलने की जानकारी है। इंजन के तौर पर एसयूवी में 1.5 लीटर का पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 115 पीएस की अधिकतम शक्ति और 144 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करेगा। इसमें छह-स्पीड मैनुअल और आईवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के विकल्प मिलेंगे।



नई एसयूवी बेयोन।

पहल धोलेरा में 91 हजार करोड़ और असम में 27 हजार करोड़ का निवेश

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत के लिए खुलेंगे नए अवसर

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा है कि सेमीकंडक्टर भारत के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। कुशल प्रतिभाओं, विशाल घरेलू बाजार और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की संभावनाओं के दम पर भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भारत को वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी करने और आवश्यक प्रौद्योगिकियां हासिल करने पर ध्यान देना होगा।

चंद्रशेखरन ने मंगलवार को 'ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम-2026' में अपने संबोधन के दौरान कहा कि 160 वर्ष पुराने टाटा समूह की प्राथमिकताओं में ऐसे उद्योगों में अपनी जगह बनाना शामिल है, जो देश की घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पास प्रतिभाशाली मानव संसाधन और बड़ा बाजार है। इन क्षमताओं का उपयोग करके देश वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भागीदारी बढ़ा सकता है।



एन. चंद्रशेखरन, चेयरमैन(टाटा संस)

उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। चंद्रशेखरन के अनुसार, इस क्षेत्र में जरूरी प्रौद्योगिकियां हासिल करने के साथ ऊर्जा की उपलब्धता और जरूरतों पर भी ध्यान देना होगा। सेमीकंडक्टर विनिर्माण में तकनीकी क्षमता, संसाधनों और साझेदारी का समन्वय भारत के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

टाटा समूह की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (पीएसएमसी) के साथ साझेदारी में लगभग 91 हजार करोड़ रुपये के निवेश से चिप विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। इस संयंत्र में मोटर वाहन, मोबाइल उपकरण, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, कृत्रिम मेधा (एआई) और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले सेमीकंडक्टर चिप बनाए जाने की योजना है।

इसके अतिरिक्त, टाटा समूह असम में करीब 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश से चिप असेंबली और जांच की सुविधा विकसित कर रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य घरेलू मांग को पूरा करना, भारत की सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और देश को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण तंत्र से जोड़ना है।

चिप उद्योग में विस्तार टाटा समूह की उन्नत विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स और बैटरी प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इन पहलों से भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

852 करोड़ रुपए का टोनबो इमेजिंग आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा

एजेंसी, मुंबई

प्राथमिक बाजार में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की कंपनी टोनबो इमेजिंग इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) चर्चा में है। 15 अक्टूबर को खुलने वाले इस आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम 13 अक्टूबर को दोपहर 2:30 बजे 460 रुपये तक पहुंच गया। कंपनी का उच्चतम मूल्य दायरा 700 रुपये है। इस आधार पर ग्रे मार्केट में शेयर की संभावित कीमत 1,160 रुपये आंकी जा रही है, जो मूल्य दायरे से करीब 66 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, ग्रे मार्केट के संकेत अनौपचारिक हैं और वास्तविक सूचीबद्धता पर मिलने वाले लाभ की गारंटी नहीं देते।

इस आईपीओ का कुल आकार 852.18 करोड़ रुपये है। यह पूरी तरह बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) है, यानी कंपनी नए शेयर जारी नहीं करेगी, बल्कि मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचेंगे।



टोनबो का शेयर मूल्य

कंपनी ने प्रति शेयर 665 से 700 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। एक लॉट में 21 शेयर होंगे, जिसके लिए उच्चतम मूल्य पर 14,700 रुपये निवेश करने होंगे। खुदरा निवेशक अधिकतम 13 लॉट के लिए आवेदन कर सकते हैं। दिसंबर 2003 में स्थापित टोनबो इमेजिंग रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र के लिए उन्नत इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियां बनाती है। इसके उत्पादों में थर्मल इमेजिंग उपकरण, हथियारों में लगने वाली साइट्स, मिसाइल सीकर, अग्नि नियंत्रण, मार्गदर्शन और लक्ष्य निर्धारण प्रणालियां शामिल हैं।